जबलपुर मंगलवार 17 नवम्बर 2026 > कार्तिक शुक्ल पक्ष, अष्टमी

वर्ष 32 अंक 138 मूल्य ₹3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत



अब हर रोज दर्पण ▸▸ 3

मौसम
अधिकतम तापमान 31.6°C
न्यूनतम तापमान 15.6 °C

सूर्योदय - 6.25 | सूर्यास्त - 5.25

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।



गन्ना मूल्य 600 रुपए की मांग को लेकर ... ▸▸ 4



ए प्रोजेक्ट में रोमांटिक अंदाज में नजर आएंगी ... ▸▸ 7

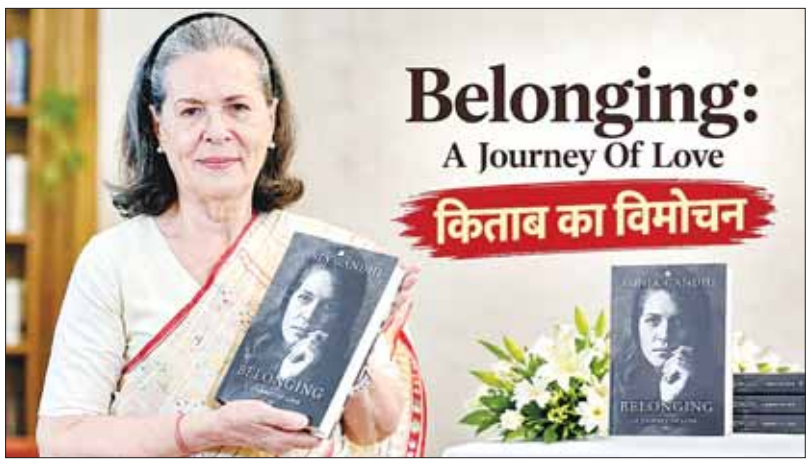


प्रौद्योगिकी सहायक होनी चाहिए, ध्यान ... ▸▸ 10

जैसे हर बहू सास से डरती है, मुझे भी इंदिरा जी से डर लगता था: सोनिया

नई दिल्ली

सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉन्गिंग: अ जर्नी ऑफ लव' के लॉन्चिंग कार्यक्रम के शुरुआत में सोनिया के जीवन पर फिल्म दिखाई गई तो वह भावुक हो गईं। सोनिया ने बताया कि मैं डायरी में कोई रिकॉर्ड नहीं रखती थी। मैंने कभी डायरी भी नहीं लिखी। जो भी लिखा वो याददाश्त से लिखा। बिलॉन्गिंग टाइटल इसलिए रखा क्योंकि भारत की संस्कृति मेरे लिए नई थी। फिर मैं उससे जुड़ती चली गई। इस दौरान उन्होंने कहा- राजीव गांधी नहीं रहे तो मैं टूट गई थी। राहुल-प्रियंका ने संभाला, वही मेरे माता-पिता बन गए थे। उन्होंने कहा, 'बिलॉन्गिंग' दूसरे देश से आकर यहां से जुड़ने के लिए की गई कड़ी मेहनत का नाम है। मंच पर राहुल-प्रियंका के साथ कांग्रेस शासित राज्यों हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना, केरलम और कर्नाटक के मुख्यमंत्री मौजूद रहे। पहली लाइन में अखिलेश-डिंपल, राहुल तमिलनाडु सीएम विजय के साथ बैठे रहे। विजय को राहुल गांधी खुद कॉल करके इनवाइट किया था। सोनिया की किताब 10 नवंबर को ही बाजार में आ चुकी है। सोनिया ने कहा कि जैसे हर बहू को सास से डर लगता है, मुझे भी अपनी इंदिरा जी से डर लगता था। उनके गुस्से के बाद राजीव और संजय कहते थे, चलो तूफान चला गया। राहुल और प्रियंका के जन्म के बाद वे बदल गईं। सोनिया ने बताया कि इंदिरा जी को मां कहने में समय लगा। राहुल का नाम रखा जाना था, लेकिन मुझे भारत में नामकरण परंपरा के बारे में पता नहीं था। इंदिरा जी पंडित बुलाकर



नाम रखना चाहती थीं। मैं कह रही थी कि हमारे बच्चे का नाम रखना है तो इसके लिए पंडित क्यों जरूरी है? सोनिया गांधी बोलीं- मुझे बहुत सी ऐसी बातें याद थीं, जिनके बारे में मैंने सालों से नहीं सोचा था। लेकिन फिर, जाहिर है, ऐसे पल भी थे, जैसे कि जब मेरी सास की हत्या हुई और फिर जब मेरे पति की हत्या हुई, जो बहुत मुश्किल पल थे। क्योंकि जो हुआ उससे मैं बहुत शॉक्ड, हैरान और दुखी थी। कुछ बहुत आसान पल भी थे, जैसे जब मैं अपने पति से मिली, जब मैंने उन्हें पहली बार देखा। और फिर, जाहिर है, मेरे बच्चों का जन्म।

लोगों के लगाव से मैं बहुत खुश

सोनिया गांधी ने कहा, मैं लोगों के प्यार और लगाव से बहुत खुश हूं। लोगों ने अपने कमेंट्स में, किताबें खरीदते समय, यहां तक कि क्रिटिक्स में भी जो प्यार और लगाव दिखाया है, उससे मैं बहुत खुश हूं। ये जरूरी हैं। अपनी यादों की किताब, 'बिलॉन्गिंग: अ जर्नी ऑफ लव' की बुराई पर उन्होंने कहा- कुछ लोग थोड़े बुरे होते हैं। कुछ ज्यादा सच्चे होते हैं और वे वही कहते हैं जो वे सोचते हैं, जो उन्हें कहना चाहिए था।

ज्यादा से ज्यादा युवा राजनीति में आएं

सोनिया ने कहा कि लिखने की शुरुआत थोड़ी कठिन थी, राहुल और प्रियंका ने लिखने के लिए प्रेरित किया। मैंने अपने परिवार, बच्चे, सास, दोस्तों, राजनीति के बारे में लिखा। मेरे परिवार के बारे में काफी कुछ कहा गया। मेरे पति, मेरी सास के बारे में कहा गया। सोनिया ने कहा कि ज्यादा से ज्यादा युवाओं को आगे आकर राजनीति जॉइन करनी चाहिए। वे हमारे देश का भविष्य हैं। उन्हें अपनी आवाज बुलंद करनी चाहिए।

जय शाह लगातार दूसरी बार बने आईसीसी के बॉस

बाली (इंडोनेशिया)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद बोर्ड ने यहां हुई बोर्ड बैठक में निर्देशकों के प्रस्ताव के बाद जय शाह को फिर से आईसीसी का निर्विरोध अध्यक्ष नियुक्त किया है। सदस्यों का यह फैसला शाह की लीडरशिप में बोर्ड के भरोसे को दिखाता है और खेल के लिए एक अहम समय पर निरंतरता देता है, जिसमें ग्लोबल एक्सपेंशन, फैनडम में बढ़ोतरी और कमर्शियल डेवलपमेंट इसके स्ट्रेटेजिक रोडमैप का सेंटर है। फिर से अध्यक्ष चुने जाने पर जय शाह ने कहा, आईसीसी बोर्ड ने मुझ पर जो भरोसा दिखाया है, उससे मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं और प्रत्येक निदेशक का उनके लगातार भरोसे और सपोर्ट के लिए दिल से शुक्रगुजार हूं।



बिलकिस बानो केस: दो दोषियों की सजा पर रोक

नई दिल्ली। बिलकिस बानो गैंगरेप और हत्या मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दो दोषियों को राहत दी है। अदालत ने दोनों की उम्रकैद की सजा पर रोक लगाते हुए उन्हें जमानत दे दी है। कोर्ट ने कहा कि दोनों दोषी 17 साल से अधिक समय जेल में बिता चुके हैं। दोनों दोषियों ने बॉम्बे हाईकोर्ट के 2017 के फैसले को चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने उनकी दोषसिद्धि और सजा को बरकरार रखा था। दोनों दोषी उन 11 लोगों में शामिल हैं, जिन्हें गुजरात सरकार ने अगस्त 2022 में समय से पहले रिहा किया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने 2024 में उनकी रिहाई के फैसले को रद्द कर दिया था।

कुलगाम में 2 आतंकियों का एनकाउंटर

श्रीनगर। सीआरपीएफ पोस्ट पर तैनात जवानों पर 5 दिन पहले 30 राउंड फायर करने वाले दोनों आतंकियों को सेना ने कुलगाम जिले के लारू मार गिराया। इस हमले में 3 जवान घायल हो गए थे। कश्मीर जोन पुलिस ने एक्स पर बताया कि मरने वाला आतंकी लश्कर-ए-तैयबा का घाटी में एकमात्र बचा कमांडर लतीफ भट और उसका साथी उमर है। सुरक्षा एजेंसियों ने उमर की लाश बरामद कर ली है, लेकिन लतीफ की बॉडी नहीं मिली है।

सीजेआई के साथ वकील ने की बदसलूकी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को एक असाधारण घटनाक्रम देखने को मिला। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले एक वकील को कोर्ट रूम से बाहर ले जाया गया। वकील ने सुनवाई के दौरान सीजेआई पर व्यक्तिगत टिप्पणी करते हुए कहा कि वह इस पद पर बैठने के योग्य नहीं हैं। घटना के बाद अदालत की ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग बंद कर दी गई।

एसआईआर का आदेश किसने दिया?

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग को 48 लिखित सवाल भेजने की सुप्रीम कोर्ट से मांगी अनुमति

नई दिल्ली

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्ष और चुनाव आयोग के बीच विवाद तेज होता जा रहा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट में नई अर्जी दाखिल की है। इसमें चुनाव आयोग को 48 लिखित सवाल भेजने की अनुमति मांगी गई है। साथ ही मुख्य चुनाव आयुक्त और दो अन्य चुनाव आयुक्तों से हलफनामे के जरिए जवाब देने की मांग की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि देशभर में एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान एकतरफा फैसले लिए गए, मतदाताओं के नाम हटाए गए और चुनाव आयोग के ऑनलाइन पोर्टल में बिना उचित मंजूरी के बदलाव किए गए। विपक्षी नेताओं ने इन सभी मामलों पर चुनाव आयोग से स्पष्ट जानकारी मांगी है। कांग्रेस ने पूछा है कि कितने फैसलों पर दोनों चुनाव आयुक्त मुख्य चुनाव आयुक्त की राय से असहमत थे? इसके अलावा, देशभर में एसआईआर कराने का फैसला किसने लिया था? राहुल गांधी और अन्य याचिकाकर्ताओं का मुख्य सवाल यह है कि क्या मुख्य चुनाव आयुक्त ने अन्य दो चुनाव आयुक्तों की जानकारी, सहमति या मंजूरी के बिना आयोग की सामूहिक शक्तियों का इस्तेमाल किया? चुनाव आयोग ने 26 अक्टूबर को दाखिल जवाबी हलफनामे और 14 नवंबर को दाखिल पूरक हलफनामे में कहा था कि एसआईआर से जुड़े आदेश तीन सदस्यीय आयोग के सर्वसम्मत फैसले के बाद जारी किए गए थे। ये हलफनामे उप चुनाव आयुक्त भानु प्रकाश येतुरु की ओर से दाखिल किए गए थे।



ऐसे हैं कुछ सवाल

- कितने फैसलों पर मुख्य चुनाव आयुक्त की राय से दो अन्य चुनाव आयुक्त असहमत थे?
- पूरे देश में एसआईआर कराने का फैसला किसने लिया?
- 'फॉर्म 6' को बदलने का फैसला किसने लिया?
- ईरोनेट और ईसीनेट को सेंट्रलाइज करने और वोटर लिस्ट को केंद्रीय नियंत्रण में रखने का फैसला किसका था?

चुनाव अधिकारियों से मांगा जवाब

अर्जी में मुख्य चुनाव आयुक्त के अलावा चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी से भी जवाब मांगा गया है। राहुल गांधी और अन्य नेताओं ने मांग की है कि फरवरी 2025 से अक्टूबर 2026 के बीच इन दोनों चुनाव आयुक्तों ने एसआईआर, ईसीनेट, फॉर्म-6 या अदालत में दाखिल अपीलों को लेकर कब-कब लिखित आपत्ति, असहमति या विरोध दर्ज कराया, इसकी पूरी जानकारी दी जाए। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि चुनाव आयोग को इस संबंध में रिकॉर्ड और संबंधित दस्तावेज भी उपलब्ध कराने चाहिए।

पोर्टल और वोटर लिस्ट में बदलाव

अर्जी में चुनाव आयोग के महानिदेशक (आईटी) से भी कई अहम सवाल पूछने की मांग की गई है। इनमें पूछा गया है कि क्या निजी कंपनियों या बाहरी वेंडरों को मतदाता सूची के डेटाबेस में बदलाव करने की अनुमति थी? क्या मतदाता पंजीकरण अधिकारियों के आदेश के बिना बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए गए थे। याचिकाकर्ताओं ने डॉ. विवेक जोशी की ओर से प्रस्तावित एक्सेस ऑडिट पर भी जानकारी मांगी है। इसमें यह बताने की मांग की गई है कि डेटाबेस तक पहुंच रखने वालों की जांच के लिए क्या कदम उठाए गए।

हटाए गए नामों का ब्योरा मांगा

अर्जी में पूछा गया है कि ऑनलाइन फॉर्म-6 में नया घोषणा-पत्र जोड़ने के बदलाव को किस अधिकारी ने मंजूरी दी थी। इसके साथ ही अलग-अलग राज्यों में ड्राफ्ट और अंतिम मतदाता सूची से हटाए गए मतदाताओं की संख्या का पूरा ब्योरा दिया जाय। अर्जी में यह भी पूछा गया है कि क्या चुनाव आयोग से जरूरी मंजूरी लेने के लिए व्हाट्सऐप या निजी ईमेल का इस्तेमाल किया गया था। चुनाव आयोग को किसी सरकारी दस्तावेज को गोपनीय बताकर साझा करने से इनकार करने पर गोपनीयता का आधार बताना होगा।



रिजर्व सीटों के रोटेशन पर सुप्रीम टिप्पणी

कोई खास सीट आरक्षित रहे ऐसा किसी को अधिकार नहीं

नई दिल्ली। किसी मतदाता या उम्मीदवार को यह अधिकार नहीं है कि कोई खास निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रखा जाए। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को यह टिप्पणी करते हुए महाराष्ट्र में जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों में आरक्षित सीटों के रोटेशन की प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने रुपाली इंद्रभूषण सोंडे बनाम महाराष्ट्र राज्य एवं अन्य मामले में यह फैसला सुनाया। याचिका में महाराष्ट्र जिला परिषद और पंचायत समिति (सीटों के आरक्षण का तरीका और रोटेशन) नियम, 2025 के नियम 12 को चुनौती दी गई थी। इस नियम के तहत आरक्षित सीटों के रोटेशन के लिए शुरुआती आधार को नए सिरे से तय किया गया है। जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने कहा कि कानून के तहत एससी-एसटी आबादी के अनुपात में आरक्षित सीटों का रोटेशन किया जाना है, लेकिन इसे किस तरीके और समयसीमा में लागू करना है, यह सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है। पीठ ने कहा, किसी मतदाता या उम्मीदवार का यह निहित अधिकार नहीं है कि कोई खास निर्वाचन क्षेत्र आरक्षित रहे। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि 2025 के संशोधन के बाद होने वाले अगले आम चुनाव को आरक्षित सीटों के रोटेशन का शुरुआती बिंदु माना जाएगा। पीठ ने कहा कि उसे नियम 12 में आरक्षण या सीटों के रोटेशन की व्यवस्था के खिलाफ कुछ भी नहीं दिखता।

चुनाव आयोग ने उच्चतम न्यायालय को बताया

फॉर्म-6 भरने वालों पर नहीं चलेगा मुकदमा

नई दिल्ली (वार्ता)। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान जिन मतदाताओं के नाम काटे गए हैं, उन्हें मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने के लिए केवल फॉर्म छह जमा करने पर जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 31 के तहत किसी मुकदमे का सामना नहीं करना पड़ेगा, भले ही उनके नाम पिछली सूचियों में दर्ज रहे हों। यह स्पष्टीकरण राकेश कुमार सिंह की दायर एक रिट याचिका में चुनाव आयोग की ओर से उप चुनाव आयुक्त भानु प्रकाश येतुरु के 14 नवंबर को दायर एक पूरक हलफनामे के माध्यम से शीर्ष अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया गया। आयोग ने कहा कि यह स्पष्टीकरण तीन नवंबर को उन आशंकाओं के बाद जारी किया गया था, जिनमें कहा गया था कि जिन मतदाताओं के नाम पिछली मतदाता सूचियों में दर्ज थे, लेकिन मसौदा सूचियों से गायब थे, उन्हें फॉर्म छह जमा करते समय गलत घोषणा करने के आरोप में अभियोजन का सामना करना पड़ सकता है। आयोग ने कहा कि ऐसी परिस्थितियों में फॉर्म छह दाखिल करना अपने आप में गलत घोषणा नहीं माना जाएगा, बशर्ते आवेदक पहले से किसी अन्य संसदीय या विधानसभा क्षेत्र में पंजीकृत न हो और घोषणा कानून के अनुरूप हो।

थोक महंगाई अक्टूबर में बढ़ कर 12.29 प्रतिशत

नई दिल्ली (वार्ता)। ईंधन और बिजली के महंगा होने से थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रा स्फीति नयी श्रृंखला (आधार वर्ष 2022-22) के अनुसार अक्टूबर में बढ़ कर 12.29 प्रतिशत रही। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की सोमवार को जारी विज्ञप्ति में कहा गया है, थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई दर अक्टूबर 2026 में बढ़कर 12.29 प्रतिशत हो गई, जबकि सितंबर 2026 में यह 11.39 प्रतिशत थी। यह दर्शाता है कि थोक स्तर पर कीमतों का दबाव और बढ़ा है। पिछले साल अक्टूबर में थोक मुद्रास्फीति शून्य से 1.18 प्रतिशत नीचे थी। उसके बाद से इसमें लगातार वृद्धि हो रही है और इस वर्ष फरवरी में पश्चिम एशिया की लड़ाई के बाद से इसमें और तेजी आयी है। अक्टूबर 2026 के लिए जारी अनंतिम आंकड़ों के अनुसार, अखिल भारतीय थोक मूल्य सूचकांक सितंबर के 112.5 से बढ़कर अक्टूबर में 113.3 पर पहुंच गया। थोक महंगाई में इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह ईंधन और बिजली की कीमतों में तेज वृद्धि रही। इसके अलावा, प्राथमिक वस्तुओं और विनिर्मित उत्पादों की कीमतों में भी दबाव बना रहा। ईंधन एवं बिजली की महंगाई दर सितंबर के 25.85 प्रतिशत से काफी बढ़कर अक्टूबर में 32.84 प्रतिशत हो गई। वहीं, प्राथमिक वस्तुओं की महंगाई दर 8.67 प्रतिशत से बढ़कर 9.24 प्रतिशत हो गई। इसके विपरीत, विनिर्मित उत्पादों की महंगाई दर में मामूली नरमी आई और यह सितंबर के 9.76 प्रतिशत से घटकर अक्टूबर में 9.54 प्रतिशत रह गई।



सेना को अंदरूनी लोगों से ही है ज्यादा खतरा

नई दिल्ली। एयरफोर्स चीफ आशुतोष दीक्षित ने सोमवार को दिल्ली में नेशनल सिक्योरिटी समिट 3.0 में कहा है कि विदेशी जासूसी नेटवर्क अब सिर्फ हनी ट्रैप तक सीमित नहीं हैं। वे साइबर जासूसी और दूसरे तरीकों से भारतीय रक्षा क्षेत्र से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसमें सोशल मीडिया पर प्यार में फंसाना, मल्टीलेवल मार्केटिंग और कर्ज के जाल में फंसाना जैसे तरीके शामिल हैं। हालांकि, अंदरूनी लोगों के जरिए जानकारी लीक होने का खतरा भी ज्यादा है। 2026 में हनी ट्रैप के चार मामले सामने आए हैं। इनमें नेवी के दो जवान, एक एयरफोर्स का विंग कमांडर और एक पूर्व सैनिक शामिल था। आशुतोष दीक्षित ने बताया कि इस तरह के खतरों से निपटने के लिए तकनीकी और संस्थागत स्तर पर कई उपाय किए गए हैं। सरकारी क्षेत्र, डीआरडीओ की लैब और निजी रक्षा कंपनियों के लिए भी सुरक्षा व्यवस्था पर काम हो रहा है। दीक्षित ने कहा कि निजी रक्षा कंपनियों को नेटवर्क के सुरक्षित इस्तेमाल और सही सॉफ्टवेयर चुनने के बारे में सलाह देने के लिए एक एजेंसी भी काम कर रही है। कंपनियों को दी गई सलाह का पालन करना चाहिए।

एयरफोर्स चीफ बोले- हनी ट्रैप के अलावा साइबर हमले से भी जासूसी



'किताबों का तो सम्मान कीजिए'

शीर्ष कोर्ट ने केंद्र सरकार को लगाई फटकार

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार को फटकार लगाई। मामला दिल्ली के 135 साल पुरानी केंद्रीय सचिवालय पुस्तकालय को दूसरी जगह स्थानांतरित करने का है। यह पुस्तकालय सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना के तहत स्थानांतरित किया जाना है। लेकिन वहां रखी करीब 8.5 लाख किताबों की देखभाल के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए हैं। केंद्रीय सचिवालय पुस्तकालय शास्त्री भवन में है। सेंट्रल विस्टा योजना के तहत इस इमारत को गिराने का प्रस्ताव है। जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस संजीव सचदेवा की बेंच ने किताबों को संभालने के तरीके पर चिंता जताई। बेंच ने कहा, सरकारी अधिकारी पुस्तकालय की विरासत को बचाने के लिए बिना किसी ठोस योजना के काम करते दिख रहे हैं। जस्टिस कुमार ने कहा, आप इस काम को जल्दबाजी में पूरा करना चाहते हैं। आप इन किताबों के साथ क्या करने की योजना बना रहे हैं? ऐसा लगता है कि इसके लिए कोई ठोस योजना नहीं है। आपको इन किताबों की परवाह नहीं है। यह एक विरासत है। बेंच ने कहा, ये किताबें साल 1702 से जुड़ी विरासत हैं। जस्टिस कुमार ने कहा, अगर आप इन्हें नहीं चाहते, तो इन्हें किसी दूसरे देश को दे दीजिए। वह देश इनकी देखभाल करेगा और इनकी अहमियत समझेगा। कम से कम इन किताबों का कुछ तो सम्मान कीजिए। साढ़े आठ लाख किताबों को यूं ही बर्बाद होने के लिए छोड़ दिया गया है। बेंच ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि मामले की अगली सुनवाई तक किताबों को दूसरी जगह स्थानांतरित न किया जाए। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 20 नवंबर को तय की है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में खुद संज्ञान लेकर सुनवाई कर रहा है।



कब तक बनेंगी विशेष अदालतें?

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र, राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासनों से कहा है कि वे एनडीपीएस एक्ट के तहत गंभीर अपराधों के मामलों की सुनवाई के लिए 449 विशेष अदालतें स्थापित करने की दिशा में हुई प्रगति पर नई स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करें। जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने केंद्र की ओर से पेश हुई एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी की इस बात पर ध्यान दिया कि विशेष अदालतें स्थापित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाल ही में दिए गए आदेशों के पालन में अभी तक कोई खास प्रगति नहीं हुई है। जस्टिस बागची ने कहा, यह मामला तीन जजों की बेंच के सुनने लायक है। अदालत ने केंद्र, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा है कि वे एनआईए और एनडीपीएस एक्ट के तहत लंबित मामलों के जल्द निपटारे के लिए विशेष अदालतें बनाने की दिशा में हुई प्रगति पर नई स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करें।

कटनी से सिंगरौली तक बनेगी फोरलेन सड़क : डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री ने ब्यौहारी में जनजातीय गौरव सप्ताह में 357.71 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात दी

ब्यौहारी (स्वतंत्रमत)

जनजातीय गौरव सप्ताह के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शामिल होने 16 नवंबर को ब्यौहारी पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का भव्य स्वागत किया गया। जनपद पंचायत कार्यालय से स्टेडियम तक निकाले गए रोड शो में लोगों का उत्साह देखते ही बना। जगह-जगह पुष्पवर्षा कर मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया गया। इस दौरान जनजातीय कला दलों, लाड़ली बहनों, स्कूली विद्यार्थियों, आजीविका मिशन की दीदियों, व्यापारियों और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने स्वागत किया। कार्यक्रम में ब्यौहारी विधायक शरद कोल ने क्षेत्र के विकास से जुड़े विषयों को प्रमुखता से उठाया और मुख्यमंत्री के समक्ष क्षेत्र की आवश्यकताओं एवं विकास कार्यों को लेकर अपनी बात रखी।

बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण कर कार्यक्रम का शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण और पारंपरिक आदि पूजा कर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया।



इस दौरान वंदे मातरम् एवं राष्ट्रगान का सामूहिक गायन हुआ। मुख्यमंत्री ने जनजातीय गौरव सप्ताह के अंतर्गत लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। प्रदर्शनी में कोल, बैगा, गोंड एवं भील जनजातियों की संस्कृति, परंपराओं, जीवनशैली, पारंपरिक कृषि यंत्रों और भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष एवं बलिदान को प्रदर्शित किया गया। मुख्यमंत्री ने शहडोल जिले को 357.71 करोड़ रुपये की लागत के 82 विकास एवं निर्माण कार्यों की सौगात दी। इनमें 8.64 करोड़ रुपये के 10 कार्यों का लोकार्पण तथा 349.07 करोड़ रुपये के 72 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है। इन कार्यों में ऊर्जा, जनजातीय कार्य, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय विकास, वन तथा गृह निर्माण विभाग के कार्य शामिल हैं।

सड़क, डिजिटल लाइब्रेरी और पर्यटन को बढ़ावा देने की घोषणाएं- मुख्यमंत्री ने कटनी से विजय सोता-बरगवां होते हुए सिंगरौली तक फोरलेन सड़क निर्माण की घोषणा की। इसके अलावा सरसी से खड़ेह मंदिर तक 18 करोड़ रुपये, जामुनी से खड़ेह मंदिर तक 13 करोड़ रुपये और दुआरी से गांधिया तक 15 करोड़ रुपये की लागत से सड़क निर्माण की घोषणा की गई। मऊ से चरखारी मार्ग तक सड़क निर्माण को भी सौगात दी गई। ब्यौहारी में सर्वसुविधायुक्त डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित करने और संजय टाइगर रिजर्व में ब्यौहारी की ओर से नया प्रवेश द्वार विकसित करने की घोषणा भी की गई। इससे विद्यार्थियों को आधुनिक अध्ययन सुविधाएं मिलने के साथ क्षेत्र में पर्यटन की संभावनाओं को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने जिले में हाथियों के कारण फसलों और मकानों को होने वाले नुकसान पर भी चिंता जताई। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में ट्रेंच निर्माण सहित अन्य सुरक्षात्मक उपाय करने तथा लोगों को आवश्यक प्रशिक्षण देने के लिए भोपाल से विशेषज्ञों का दल भेजने की बात कही। इसके साथ ही शहडोल में नई औद्योगिक इकाई की स्थापना और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने की बात भी कही।

10 हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ वितरित

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के 10 हितग्राहियों को चेक एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए। स्वामित्व योजना के तहत तीन हितग्राहियों को प्रमाण पत्र, स्वरोजगार योजना के अंतर्गत जग्गू बैगा को 20 लाख रुपये की सहायता राशि तथा वनाधिकार अधिनियम के तहत दो हितग्राहियों को अधिकार पत्र प्रदान किए गए। आजीविका मिशन के अंतर्गत कविता कोल एवं गुड़िया कोल को तीन-तीन लाख रुपये की सहायता राशि के चेक वितरित किए गए।

विधायक शरद कोल ने क्षेत्र के विकास को लेकर रखी बात

ब्यौहारी विधायक शरद कोल ने मुख्यमंत्री की उपस्थिति को जनजातीय समाज और क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण बताते हुए ब्यौहारी विधानसभा के विकास की आवश्यकताओं को सामने रखा। उन्होंने क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देने और ग्रामीण अंचलों तक सुविधाओं का विस्तार करने पर जोर दिया। विधायक ने भगवान बिरसा मुंडा की 181वीं जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री के आगमन को जनजातीय समाज का मनोबल बढ़ाने वाला बताया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री राजेंद्र शुक्ल, सीधी सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, जैतपुर विधायक जयसिंह मरावी, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रभा मिश्रा, कलेक्टर पार्थ जायसवाल, पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी, जनजातीय समाज के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। ब्यौहारी में आयोजित यह राज्य स्तरीय आयोजन जनजातीय संस्कृति, परंपरा, सामाजिक सहभागिता और विकास की घोषणाओं के लिहाज से महत्वपूर्ण रहा।



भगवान सहस्त्रार्जुन जी की जयन्ती हैहयवंशी क्षत्रिय ताम्रकार समाज बुढार द्वारा पूरे श्रद्धा व उल्लासमय मनाया गया

बुढ़ार (स्वतंत्रमत)। श्री राजराजेश्वर भगवान सहस्त्रार्जुन जी की जयन्ती हैहयवंशी क्षत्रिय ताम्रकार समाज बुढ़ार द्वारा पूरे श्रद्धा एवं आस्था पूर्वक मनायी गई, और नगर के विभिन्न मुख्यमार्गों पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। भगवान सहस्त्रार्जुन जी के 16 वीं जयन्ती के अवसर पर नगर के सम्राट वीडियो मार्ग से बाजे-गाजे व जयघोष के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जो मेन मार्केट, दुर्गामन्दिर मार्ग से होते हुये वापस पुष्पेन्द्र ताम्रकार के बाड़ा पहुंची जहां भगवान सहस्त्रार्जुन जी का विधि-विधान पूर्वक स्वजातीय बन्धुओं द्वारा पूजा-अर्चना की गई और समाज के प्रतिभावान बच्चों ने मंचीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनोहारी प्रस्तुति दी, वहीं आयोजित कार्यक्रम के मध्य समाज के वरिष्ठ जनों, मेघावी छात्रों तथा मनमोहक कार्यक्रम की प्रस्तुति देने वाले प्रतिभागियों का सम्मान करते हुये पुरस्कृत किया गया। भगवान सहस्त्रार्जुन जी के जयन्ती पर निकाली गई शोभायात्रा का जनता प्रेस के निकट महन्त श्री अर्जुन दास जी महाराज शिष्य मण्डल के सर्वश्री- राजू सेठिया, प्रशान्त नायक, सुधीर गुप्ता, अजय गुप्ता, ओंकार गुप्ता, सुनील गुप्ता, राकेश गुप्ता, नारायण गुप्ता तथा शंकर गुप्ता ने शोभायात्रा में सम्मिलित जनों का तिलक वन्दन व जलपान कराते हुये स्वागत किया। हैहयवंशी क्षत्रिय ताम्रकार समाज के वरिष्ठ संरक्षक-श्रवण ताम्रकार, राजेन्द्र ताम्रकार, पुष्पेन्द्र ताम्रकार, विजय ताम्रकार, राघवेन्द्र ताम्रकार, नमन ताम्रकार, अमन ताम्रकार, धर्मेन्द्र ताम्रकार, राकेश ताम्रकार, राजकुमार ताम्रकार, ललुआ ताम्रकार, अनिल, शरद ताम्रकार तथा ताम्रकार समाज बुढार के अध्यक्ष अभिलाष ताम्रकार, महिला समिति अध्यक्ष-साधना ताम्रकार एवं श्रीमती- शशि ताम्रकार, प्रीति, मिनालिका, श्रष्ठी, कीर्ति, स्वाती, साधना, किरण तथा मालती ताम्रकार सहित समाज के बन्धुओं ने जयन्ती अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अपनी भरपूर सहभागिता निभाई।

सरस्वती शिशु मंदिर में बाल मेले का हुआ आयोजन



जयसिंहनगर (स्वतंत्रमत)। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की जयंती 14 नवंबर को विद्यालयों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में सरस्वती शिशु मंदिर जयसिंहनगर में भव्य बाल मेले का आयोजन किया गया। इस दौरान भैया-बहिनों के द्वारा रोज़मर्रा में उपयोग की जाने वाली सामग्रियों के स्टॉल लगाए गये। बाल मेले में काफ़ी संख्या में अभिभावकगण छात्र-छात्राओं ने खरीददारी करके अपने विद्यालय के भैया-बहिनों का उत्साह वर्धन किया। कार्यक्रम की शुरुआत में शाला संचालन समिति के अध्यक्ष राजेश गुप्ता द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर मेले का शुभारंभ किया गया।समिति के कोषाध्यक्ष राजेंद्र सेन, राजेंद्र शर्मा, रमाकांत गुप्ता समेत भारी संख्या में लोगों ने पहुंच कर मेले में खरीददारी कर छात्र-छात्राओं का उत्साह वर्धन किया। इस दौरान मुख्य रूप से प्रधानाचार्य सुशील मिश्रा, अरुण शुक्ला, रुकमणी सिंह, रेनू सिंह, आजाद बहादुर सिंह ,काजल गुप्ता,अर्चना त्रिपाठी, प्रीति पाण्डेय, मनीषा गुप्ता, प्रशांत भट्ट एवं निशा बर्मन का सहयोग प्राप्त हुआ।

डॉटी की मौत के 39 दिन बाद भी नहीं मिले दो शावक..!

10 ट्रैप कैमरे, हाथियों से गश्ती और तलाश के बाद भी अब तक हाथ खाली

उमरिया (स्वतंत्रमत)। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के मानपुर बफर क्षेत्र की मझखेता बीट में प्रसिद्ध बाघिन डॉटी की मौत के बाद से उसके दो शावकों का अब तक कोई पता नहीं चल पाया है। विदित हो कि 9 अक्टूबर को करीब 14-15 साल की डॉटी (टी-17) की मौत हुई थी। मां की मौत के बाद से दोनों शावक लापता हैं। जंगल में किस हाल में हैं और सुरक्षित हैं या नहीं, इन सवालों का जवाब 39 दिन बाद भी वन विभाग के पास नहीं है। विभाग ने शावकों की तलाश में 15 दिनों तक लगातार सघन गश्ती कराने, 10 ट्रैप कैमरे लगाने और हाथियों से जंगल में निगरानी कराने की जानकारी दी है, लेकिन इतनी कवायद के बाद भी शावकों की कोई पुख्ता जानकारी सामने नहीं आई। मसलन पगमार्क के निशान देखकर जीवित होने का अंदेशा जताया जा रहा है, जबकि एरिया शिफ्ट होने के आशंका के साथ ही शावक नजर नही आये हैं। जिस जगह पर सामान्यत: शावक नजर आते थे, उससे कोसों दूर उनकी मौजूदगी की तश्वीर नहीं देखी गई। ऐसे में विभाग की गस्ती और सूचना तंत्र से लेकर मैदानी



फाइल फोटो

अमले सहित जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली कटघरे में है। वन विभाग की ओर से शावकों के अपना इलाका बदलकर मगधी क्षेत्र की तरफ जाने की आशंका जताई जा रही है। इस क्षेत्र में पगमार्क मिलने की बात भी कही जा रही है। नियमित रूप से जंगल में सफारी पर जाने वाले टूरिस्ट गाइडों ने भी अधिकारियों को मगधी की तरफ बाघों की गतिविधियों और पगमार्क मिलने की जानकारी दी है। ये तमाम दावे विभाग के अफसर कर रहे हैं। हालांकि ये पगमार्क डॉटी के दोनों शावकों के ही हैं, इसकी कोई पुख्ता पुष्टि भी नहीं है। नाम उजागर न करने की शर्त पर मामले से जुड़े जानकारों का कहना है, कि डॉटी की मौत के बाद से दोनों शावक आज तक किसी को दिखाई नहीं दिए हैं। न उनकी कोई तस्वीर सामने आई और न ही किसी ने उन्हें प्रत्यक्ष रूप से देखा है। ऐसे में केवल पगमार्क के आधार पर शावकों के मग्धी की तरफ चले जाने की बात कहना जल्दबाजी होगी। जबकि विभाग के अफसर कहते हैं कि पगमार्क मिले हैं, लेकिन शावकों की तश्वीर नहीं। जानकारों के मुताबिक इतने दिनों बाद भी शावकों का कोई पता नहीं चलना चिंता का विषय है। वन विभाग का दावा है कि शावकों को खोजने के लिए लगातार प्रयास किए गए। 15 दिन तक सघन गश्ती हुई। 10 ट्रैप कैमरे लगाए गए। हाथियों की मदद से भी जंगल में तलाश कराई गई। बावजूद इसके दोनों शावकों का पता नहीं चल पाया। ऐसे में सवाल उठता है कि जब विभाग को उनकी मौजूदगी की जानकारी थी और तलाश के लिए तमाम इंतजाम भी किए गए थे, तो फिर अब तक कोई ठोस जानकारी क्यों नहीं मिल सकी ? क्या तलाश का दायरा पर्याप्त था या फिर निगरानी में कहीं कमी रह गई?

छठ महापर्व के बहाने बिहार और मध्यप्रदेश की धरती को जोड़ रहे नागेंद्र यादव और मनोज सिंह

उमरिया (स्वतंत्रमत)। छठ महापर्व का चार दिवसीय अनुष्ठान सोमवार, 16 नवंबर को उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने और व्रतियों के पारण के साथ श्रद्धा एवं उल्लासपूर्वक संपन्न हुआ। इस दौरान घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी और पारंपरिक पूजा-अर्चना के साथ छठी मइया के गीतों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। छठ महापर्व जहां आस्था और परंपरा का प्रतीक है, वहीं यह विभिन्न प्रदेशों की संस्कृतियों और लोगों को आपस में जोड़ने का भी सशक्त माध्यम बन रहा है। अमलाई-ओपीएम क्षेत्र में बिहार से आकर बसे नागेंद्र यादव और मनोज सिंह इस सामाजिक एकता और आपसी सद्भाव की मिसाल बनकर उभरे हैं। बिहार की जन्मभूमि से निकलकर शहडोल संभाग की कर्मभूमि को अपना घर बनाने वाले इन दोनों व्यक्तियों ने स्थानीय समाज के साथ आत्मीय संबंध स्थापित किए हैं। उनकी सामाजिक सहभागिता ने बिहार और मध्यप्रदेश के लोगों के बीच मेलजोल, सहयोग और भाईचारे की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।नागेंद्र यादव क्षेत्र में सामाजिक गतिविधियों और जनसेवा के कार्यों के लिए पहचाने जाते हैं। वे ग्राम पंचायत के पूर्व पार्षद रह चुके हैं और लगातार सामाजिक कार्यों में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाते रहे हैं। वहीं मनोज सिंह के साथ उनकी सहभागिता ने विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के लोगों को एक-दूसरे के करीब लाने का काम किया है।



आदर्श कालेज में मनाया गया बिरसा मुंडा जयंती गौरव दिवस

उमरिया (स्वतंत्रमत)। शासकीय आदर्श महाविद्यालय उमरिया में मध्य प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार 14 नवंबर से 16 नवंबर 2026 तक भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर विभिन्न शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। सोमवार, 16 नवंबर को कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्राचार्य डॉ.नियाज़ अहमद अंसारी, प्रशासनिक अधिकारी डॉ.अरुरेंद्र बहादुर, डॉ.बैबी धुर्वे, डॉ.विजय डावर, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी रेमसिंह हटिला. डॉ. मोनिका पटेल एवं सुश्री सोनल सिंह ने भगवान बिरसा मुंडा के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. अंसारी सहित प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष, सामाजिक योगदान एवं स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी भूमिका एवं प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम संयोजक डॉ. डाबर ने प्रतिपादित किया कि भगवान बिरसा मुंडा की भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान जननायक, समाज सुधारक एवं आदिवासी अस्मिता के प्रतीक थे। उन्होंने अंग्रेजी शासन, शोषणकारी व्यवस्था



तथा आदिवासियों के जल, जंगल और जमीन पर अधिकारों की रक्षा के लिए ऐतिहासिक संघर्ष किया। उनके नेतृत्व में हुए उलगुलान आंदोलन ने आदिवासी समाज में स्वाभिमान, एकता और अधिकारों के प्रति नई चेतना जागृत की।श्रीमती निशी कर्ण, डा. मोनिका पटेल,डा. रिचा तिवारी, अपूर्वा दहायत, डा. राजेन्द्र पटेल, डा. जुगुल किशोरआदि ने निबंध लेखन, चित्रकला, भाषण, आदिवासी लोकनृत्य. आदि कार्यक्रम सम्पपन्न, कराए। कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को जनजातीय वर्ग के गौरवशाली इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय नायकों के योगदान तथा उनके सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों से परिचित कराना था।

जंगली हाथी के हमले में गंभीर रूप से घायल रामबाई की मौत ग्रामीणों में भय का माहौल

कोदोडीह फिटारी की रहने वाली रामबाई पर जंगली हाथी ने किया था जानलेवा हमला

डिंडौरी (स्वतंत्रमत)

जिले के समनापुर वन क्षेत्र में जंगली हाथियों का आतंक ग्रामीणों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है। ग्राम कोदोडीह ;फिटारीद्ध में जंगली हाथी के हमले में गंभीर रूप से घायल हुईं रामबाई पति स्वर्गीय सुखनंदन गोप का निधन हो गया। हाथी के हमले में बुरी तरह कुचली गईं रामबाई की मौत की खबर से गांव सहित आसपास के इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसारए कोदोडीह ;फिटारीद्ध निवासी रामबाई पर जंगली हाथी ने हमला कर दिया था। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। हाथी के हमले की भयावहता इतनी अधिक थी कि रामबाई बुरी तरह कुचलकर जख्मी हो गई थीं। इस घटना के बाद से ही उनकी स्थिति को लेकर चिंता बनी हुई थीए लेकिन आखिरकार उनका निधन हो गया। उनके निधन से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। समनापुर क्षेत्र में जंगली हाथियों की लगातार आवाजाही ने



ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। जंगल से लगे गांवों में रहने वाले लोग भय के साये में जीवन बिताने को मजबूर हैं। हाथियों की मौजूदगी के चलते ग्रामीणों को अपनी जान.माल और फसलों की सुरक्षा की चिंता सता रही है। रामबाई के साथ हुई इस दर्दनाक घटना ने ग्रामीणों के डर को और गहरा कर दिया है। घटना के बाद प्रभावित क्षेत्र के ग्रामीणों में वन विभाग की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। ग्रामीणों की मांग है कि हाथियों की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जाएए संवेदनशील गांवों में वन अमले की सक्रियता बढ़ाई जाए और हाथियों की मौजूदगी की सूचना समय रहते ग्रामीणों तक पहुंचाने के लिए प्रभावी व्यवस्था बनाई जाएए ताकि भविष्य में इस तरह की दर्दनाक घटनाओं को रोका जा सके। रामबाई की मौत ने एक बार फिर वन्यजीवों की आवाजाही वाले गांवों में मानव सुरक्षा का सवाल खड़ा कर दिया है। अब जरूरत है कि वन विभाग प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा के ठोस इंतजाम करेए जिससे ग्रामीणों को हाथियों के आतंक के बीच भयमुक्त होकर जीवन जीने का भरोसा मिल सके।

अमदरी टोला में धारदार हथियार से वृद्ध महिला को उतारा मौत के घाट

डिंडौरी (स्वतंत्रमत)

जिले के समनापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत अमरपुर के अमदरी टोला में एक वृद्ध महिला की हत्या किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। अज्ञात हमलावर ने धारदार हथियार से हमला कर वृद्ध महिला को मौत के घाट उतार दिया। घटना की जानकारी सामने आने के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसारए वृद्ध महिला की हत्या शुक्रवार को किए जाने की सूचना मिल रही है। बताया जा रहा है कि अज्ञात आरोपी ने वारदात को अंजाम देने के बाद घटनास्थल से फरार हो गया। वहीं परिजनों को घटना की जानकारी रविवार को लगी। घटना का पता चलते ही परिजनों ने पुलिस को सूचना दी।



इसके बाद समनापुर और अमरपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू की। घटना की गंभीरता को देखते हुए साक्ष्य जुटाने के लिए बालाघाट से फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची है। टीम घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य एकत्रित कर रही हैए ताकि हत्या से जुड़े तथ्यों और परिस्थितियों का पता लगाया जा सके। फिलहाल वृद्ध महिला की हत्या किसने और किन परिस्थितियों में कीए यह स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस अज्ञात आरोपी की तलाश और घटना के सभी पहलुओं की जांच में जुटी हुई है। इस वारदात के बाद अमरपुर क्षेत्र में दहशत और सनसनी का माहौल है।

पुराना भवन तोड़ दिया, नया बनाना भूले जिम्मेदार! सरकारी स्कूल में छत नसीब नहीं, खुले आसमान के नीचे चल रही पाठशाला

डिंडौरी (स्वतंत्रमत)

एक तरफ सरकार सर्व शिक्षा अभियान और शिक्षा के अधिकार के माध्यम से हर बच्चे तक नि:शुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने के दावे कर रही है, वहीं दूसरी तरफ डिंडौरी जिले के ग्रामीण अंचलों में सरकारी स्कूलों की जमीनी हकीकत इन दावों पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। कहीं स्कूलों में शिक्षकों की कमी तो कहीं बुनियादी सुविधाओं का अभाव, लेकिन करंजिया विकासखंड के ग्राम पंचायत पाटनगढ़ माल में तो सरकारी स्कूल के बच्चों को पढ़ने के लिए एक अदद छत तक नसीब नहीं है। यहां पहली से पांचवीं तक की कक्षाओं में पढ़ने वाले 37 मासूम बच्चे पिछले करीब दो वर्षों से खुले आसमान के नीचे या



पंचायत भवन में बैठकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं। विडंबना यह है कि जिस उम्र में बच्चों के हाथों में किताबें और आंखों में सुनहरे भविष्य के सपने होने चाहिए, उस उम्र में उन्हें पढ़ाई के लिए सुरक्षित जगह तलाशनी पड़ रही है। सरकारी आदेश पर स्कूल के पुराने और जर्जर भवन को डिस्मेंटल कर दिया गयाए लेकिन इसके बाद बच्चों की पढ़ाई कहां और कैसे संचालित होगीए इसकी स्थायी व्यवस्था नहीं बनाई गई। नतीजा यह हुआ कि स्कूल भवन के साथ ही बच्चों की नियमित और सुरक्षित कक्षा व्यवस्था भी खत्म हो गई। आज हालात यह हैं कि कभी पंचायत भवन में कक्षाएं लगती हैं तो कभी खुले मैदान में जमीन पर बैठकर बच्चे पढ़ने को मजबूर होते हैं। पंचायत भवन में जब ग्रामसभाए आमसभा या अन्य आयोजन होते हैंए तब बच्चों के लिए वहां भी जगह नहीं बचती। ऐसे में मौसम चाहे गर्मी का हो, बारिश का या कड़ाके की ठंड का, मासूमों को खुले आसमान के नीचे बैठकर पढ़ाई करनी पड़ती है। शिक्षा की गुणवत्ता केवल किताबें, गणवेश और मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराने से सुनिश्चित नहीं होती, बल्कि इसके लिए सुरक्षित भवनए अनुकूल वातावरण और कक्षावार पढ़ाई की बुनियादी व्यवस्था भी जरूरी है। पाटनगढ़ माल के इस प्राथमिक स्कूल में एक से पांचवीं तक के 37 विद्यार्थियों के लिए पर्याप्त बैठक व्यवस्था तक उपलब्ध नहीं है।

विज्ञप्ति

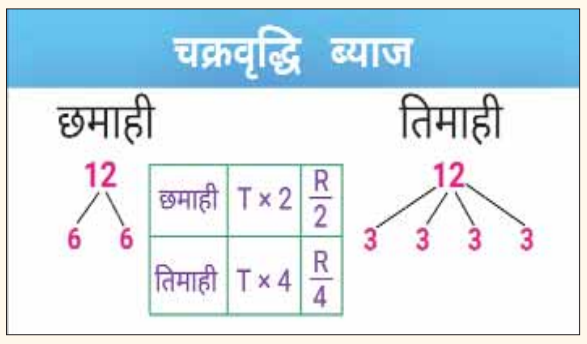
आशा कार्यकर्ता की भर्ती हेतु राज्य स्तर से मध्य प्रदेश ई सेवा पोर्टल (https://eseva.mp.gov.in) में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ग्राम बेलसर विकासखंड करकेली में 01 पद एवं ग्राम अमिलिया विकासखंड पाली में 01 पद, आशा कार्यकर्ता की भर्ती ऑनलाइन आवेदन 16 नवंबर 2026से 16 दिसंबर 2026 तक आमंत्रित किए गए हैं जिसका ग्राम सभा को अनुमोदन हेतु 17 से 25 दिसंबर 2027 के मध्य भेजे जाएंगे ग्राम सभा से अनुमोदन कर 25 दिसंबर 2026 से 18 जनवरी 2027 किए जाना है मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी से प्राप्त दावा आपत्ति एवं निराकरण 19 जनवरी से 5 फरवरी 2027 तक किया जाना है जिला स्तर पर आपत्ति दवा अपील एवं निराकरण संबंधी दिनांक 6 फरवरी से 25 फरवरी 2027 तक संपादित किया जाना है तत्पश्चात जिला स्वास्थ्य समिति द्वारा अनुमोदन 26 फरवरी से 8 मार्च 2027 के मध्य किया जाना है आशा पोर्टल पर आईडी हेतु अनुमोदन करना दिनांक 6 मार्च से 20 मार्च 2027 तक किया जाना है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
उमरिया, जिला उमरिया (म.प्र.)



चक्रवृद्धि ब्याज, समझें, हल करें और परीक्षा में पूरे अंक पाएँ

जब कोई व्यक्ति बैंक में पैसे जमा करता है या किसी से उधार लेता है, तो उस रकम पर ब्याज लगता है। ब्याज दो तरह का होता है, साधारण और चक्रवृद्धि। चक्रवृद्धि ब्याज में हर साल का ब्याज मूल रकम में जुड़ जाता है और अगले साल का ब्याज इस बढ़ी हुई रकम पर लगता है। इसीलिए इसे ब्याज पर ब्याज भी कहा जाता है। चक्र शब्द इसी बात को बताता है कि ब्याज जुड़ने का यह चक्र हर अवधि के बाद दोहराया जाता है।



साधारण और चक्रवृद्धि ब्याज में अंतर

साधारण ब्याज केवल मूल रकम पर लगता है, इसलिए हर साल उसकी राशि एक जैसी रहती है। चक्रवृद्धि ब्याज में रकम हर साल बढ़ती है, इसलिए ब्याज भी हर साल बढ़ता जाता है। पहले वर्ष में दोनों ब्याज बराबर होते हैं। अंतर दूसरे वर्ष से शुरू होता है और जितने अधिक वर्ष बीतते हैं, उतना ही बढ़ता जाता है। इसी कारण लंबे समय की बचत में चक्रवृद्धि ब्याज बहुत फायदेमंद होता है, जबकि ऋण में यही ब्याज बोझ बन सकता है।

एक उदाहरण से समझें

मान लीजिए किसी ने 10,000 रुपये बैंक में जमा किए। पहले वर्ष के अंत में जो ब्याज बना, वह मूल रकम में जुड़ गया। अब दूसरे वर्ष ब्याज 10,000 रुपये पर नहीं, बल्कि बढ़ी हुई रकम पर बनेगा। इसलिए दूसरे वर्ष का ब्याज पहले वर्ष से अधिक होगा। साधारण ब्याज में दोनों वर्षों का ब्याज बराबर रहता। यही दोनों में मूल अंतर है।

ब्याज जुड़ने की अवधि

परीक्षाओं में कई प्रश्नों में लिखा होता है कि ब्याज छह महीने या तीन महीने में जुड़ता है। इसका अर्थ है कि ब्याज साल में एक बार की जगह कई बार जुड़ेगा। ऐसे में दर को उसी अनुपात में घटाया जाता है और समय को उसी अनुपात में बढ़ाया जाता है। उदाहरण के लिए, छह महीने में ब्याज जुड़ने पर एक साल में दो बार ब्याज जुड़ता है, इसलिए दर आधी और समय दुगुना मानकर हल करते हैं। छात्र अक्सर यहीं चूक जाते हैं।

परीक्षा में होने वाली आम गलतियाँ

1 ब्याज और कुल राशि में भ्रम - छात्र अंतिम राशि को ही ब्याज मान लेते हैं। वह मूल रकम और ब्याज का योग होती है। ब्याज जानने के लिए उसमें से मूल रकम घटानी पड़ती है।

2 अवधि को न पढ़ना - छमाही या तिमाही शब्द छूट जाने पर पूरा प्रश्न गलत हो जाता है।

3 गणना की भूल - गुणा और वर्ग में छोटी-सी चूक पूरे उत्तर को बिगाड़ देती है।

4 इकाई न लिखना - उत्तर के साथ रुपये का चिह्न न लिखने पर अंक कट सकते हैं।

परीक्षा के लिए खास सुझाव

- प्रश्न दो बार पढ़ें। पहली बार समझने के लिए और दूसरी बार यह देखने के लिए कि ब्याज पूछा गया है या कुल राशि, और ब्याज किस अवधि में जुड़ रहा है।
- हल शुरू करने से पहले मूल रकम, दर और समय अलग से लिख लें। इससे गलती कम होती है और उत्तर-पुस्तिका साफ़ दिखती है।
- सूत्र लिखने के भी अंक मिलते हैं, इसलिए हल की शुरुआत उसी से करें।
- लंबे प्रश्न में हर चरण अलग पंक्ति में लिखें। अंतिम उत्तर गलत होने पर भी सही चरणों के अंक मिल जाते हैं।
- दो या अधिक वर्षों के प्रश्न में चक्रवृद्धि ब्याज साधारण ब्याज से ज़्यादा आना चाहिए। यदि कम आए, तो कहीं गलती हुई है।
- 10, 5 और 20 प्रतिशत जैसी सामान्य दरों से जुड़ी गणनाएँ तेज़ी से करने का अभ्यास रखें, ताकि परीक्षा में समय बचे।
- पिछले साल के प्रश्न हल करें। इससे पता चलता है कि किस तरह के प्रश्न बार-बार आते हैं और कहाँ गलती होती है।
- कठिन प्रश्न बाद में करें। पहले आसान प्रश्न पूरे करें, फिर बचे समय में कठिन प्रश्नों पर आएं।

सिर्फ़ किताबों में नहीं, हमारे आस-पास भी है त्रिकोणमिति गणित

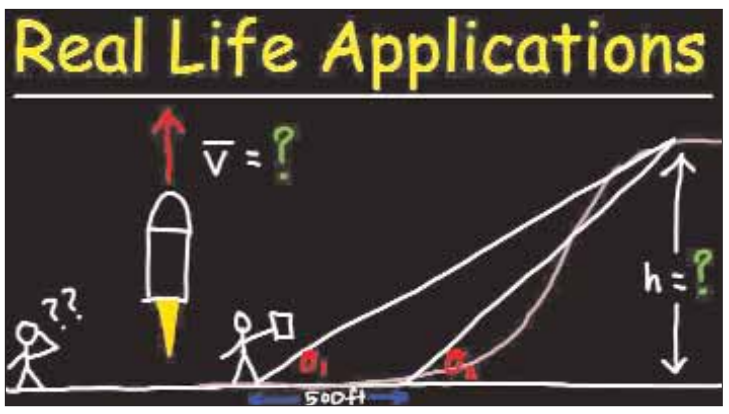
स्कूल के दिनों में जब हम ब्लैकबोर्ड साइन, कॉस, थीटा याद करते थे, तो मन में सवाल उठता था कि असल ज़िंदगी में इसका क्या फायदा है। कई लोग त्रिकोणमिति को केवल परीक्षा पास करने वाला कठिन विषय मानते हैं। लेकिन सुबह उठने से रात को सोने तक हमारी ज़िंदगी का बड़ा हिस्सा इसी पर टिका है।

स्मार्टफोन और तकनीक

मोबाइल गेम में दौड़ता किरदार या मुड़ती हुई कार स्क्रीन पर सही दिशा में त्रिकोणमिति की मदद से ही बढ़ती है। कंप्यूटर ग्राफिक्स और गेम डिज़ाइन पूरी तरह इसी पर निर्भर हैं। गूगल मैप्स में सैटेलाइट और फ़ोन के बीच की दूरी और कोण नापने में भी यही गणित काम आता है।

ऊँची इमारतें और वास्तुकला

घर, पुल या सड़क बनाने से पहले



आर्किटेक्ट और सिविल इंजीनियर ज़मीन का ढलान, सूरज की रोशनी का कोण और दीवारों का संतुलन नापते हैं। ढलान वाली छत पर बारिश का पानी न ठहरे, इसके लिए जंद की मदद से सही कोण निकाला जाता है।

विमानन और समुद्री यात्रा

आसमान में उड़ते जहाज़ और समुद्र में चलते बड़े जहाज़ों के सामने कोई बनी-बनाई सड़क नहीं होती। पायलट और कैप्टन को हवा की गति, जहाज़ की रफ़्तार और कोण का सटीक अनुमान लगाना पड़ता है। त्रिकोणमिति के नियम ही तय करते हैं कि जहाज़ सही मंज़िल पर पहुँचेगा या रास्ता भटक जाएगा।

चिकित्सा क्षेत्र भी अछूता नहीं

एमआरआई और अल्ट्रासाउंड जैसी मशीनें शरीर के भीतर की तरंगों को स्कैन करती हैं। उन संकेतों को स्क्रीन पर साफ़ तस्वीर में बदलने के लिए त्रिकोणमिति के समीकरणों का इस्तेमाल होता है।

परीक्षा के लिए सुझाव

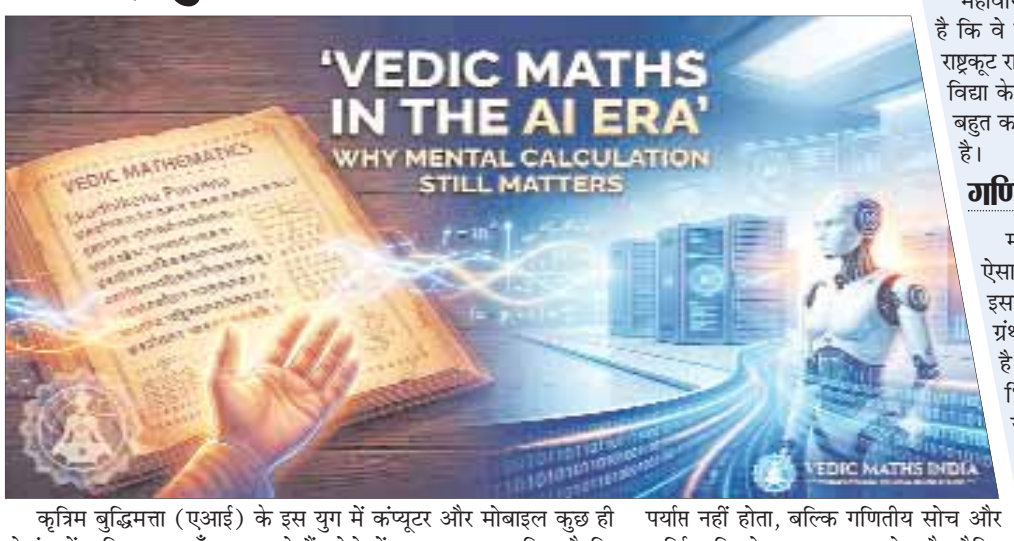
- अनुपातों के आपसी संबंध और मूल सर्वसमिकाएँ याद रखें, क्योंकि सिद्ध करने वाले प्रश्न इन्हीं पर आधारित होते हैं।
- ऊँचाई और दूरी के प्रश्नों में साफ़ चित्र बनाएँ और उस पर दी गई जानकारी लिखें।
- उन्नयन कोण और अवनमन कोण का अंतर ध्यान में रखें।
- हर चरण अलग पंक्ति में लिखें, ताकि अंतिम उत्तर गलत होने पर भी सही चरणों के अंक मिलें।
- साइन और कॉस का मान 1 से अधिक नहीं हो सकता। ऐसा उत्तर आए तो गणना दोबारा करके देखें।
- दूरी या ऊँचाई के उत्तर के साथ मीटर जैसी इकाई ज़रूर लिखें।



अर्चना गुप्ता

प्रिंसिपल, केसी हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, जोंसगंज, जबलपुर।

एआई युग और वैदिक गणित का महत्व



कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के इस युग में कंप्यूटर और मोबाइल कुछ ही सेकंड में जटिल गणनाएँ कर सकते हैं। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि वैदिक गणित की क्या आवश्यकता है। वास्तव में, एआई और आधुनिक तकनीक के बढ़ते प्रभाव के बावजूद वैदिक गणित का महत्व कम नहीं हुआ है, बल्कि कई दृष्टियों से और अधिक बढ़ गया है।

केवल तेज़ गणना नहीं, सोचने की क्षमता

वैदिक गणित का मुख्य उद्देश्य केवल तेज़ गणना करना नहीं है, बल्कि मस्तिष्क की तार्किक क्षमता, एकाग्रता और समस्या-समाधान कौशल का विकास करना है। एआई हमें उत्तर दे सकता है, लेकिन सही प्रश्न पूछने, तर्क करने और परिणामों को समझने की क्षमता मनुष्य को स्वयं विकसित करनी होती है। वैदिक गणित इन क्षमताओं को मज़बूत बनाने में सहायता करता है।

तकनीक पर बढ़ती निर्भरता

आज बच्चे अक्सर कैलकुलेटर, मोबाइल और एआई टूल्स पर निर्भर हो जाते हैं। इससे उनकी मानसिक गणना और विश्लेषण करने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। वैदिक गणित बच्चों को बिना किसी उपकरण के तेज़ी से सोचने और गणना करने का अभ्यास कराता है। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे तकनीक पर पूरी तरह निर्भर नहीं रहते।

भविष्य की तकनीकी शिक्षा

एआई, डेटा साइंस, प्रोग्रामिंग और कंप्यूटर विज्ञान जैसे क्षेत्रों की नींव गणित पर आधारित है। इन क्षेत्रों में सफलता के लिए केवल सूत्र याद करना पर्याप्त नहीं होता, बल्कि गणितीय सोच और तार्किक विश्लेषण आवश्यक होता है। वैदिक गणित विद्यार्थियों में यही सोच विकसित करता है। इसलिए यह भविष्य की तकनीकी शिक्षा के लिए भी उपयोगी है।

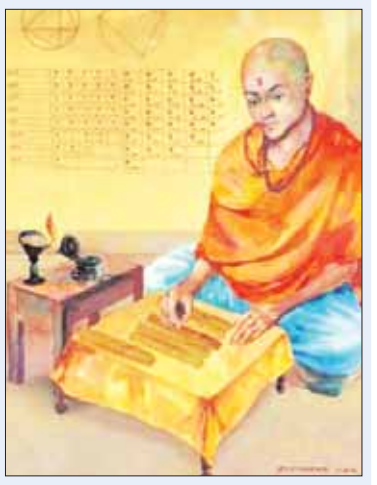
संतुलन की आवश्यकता

हालाँकि यह भी सच है कि आधुनिक वैज्ञानिक और तकनीकी कार्यों में केवल वैदिक गणित पर्याप्त नहीं है। उच्च स्तर की गणित, सांख्यिकी, बीजगणित और कंप्यूटर विज्ञान का अध्ययन भी आवश्यक है। इसलिए वैदिक गणित को आधुनिक गणित का विकल्प नहीं, बल्कि एक सहायक उपकरण के रूप में देखना चाहिए।

दीप्ति शुक्ला

टीचर
बीएमडी हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, दीक्षितपुरा, जबलपुर।

महावीराचार्य, भारत के पहले शुद्ध गणित-ग्रंथ के रचयिता



महावीराचार्य नौवीं सदी के प्रसिद्ध जैन गणितज्ञ थे। माना जाता है कि वे दक्षिण भारत, संभवतः वर्तमान कर्नाटक क्षेत्र के थे। वे राष्ट्रकूट राजा अमोघवर्ष प्रथम के दरबार से जुड़े थे, जो गणित और विद्या के संरक्षक माने जाते थे। उनके बारे में व्यक्तिगत जानकारी बहुत कम मिलती है, लेकिन उनका ग्रंथ आज भी उनकी पहचान है।

गणितसार संग्रह

महावीराचार्य का ग्रंथ गणितसार संग्रह भारत का पहला ऐसा ग्रंथ माना जाता है जो पूरी तरह गणित को समर्पित है। इससे पहले गणित के विषय ज़्यादातर खगोल-शास्त्र के ग्रंथों में ही मिलते थे। इस ग्रंथ को नौ अध्यायों में बाँटा गया है। इनमें संख्याओं की संज्ञाएँ, मूल गणितीय संक्रियाएँ, भिन्न, त्रैराशिक (अनुपात), मिश्रित प्रश्न और क्षेत्रमिति जैसे विषय शामिल हैं। ग्रंथ की शुरुआत में गणित की प्रशंसा की गई है और उसे जीवन के हर क्षेत्र के लिए उपयोगी बताया गया है। प्रश्न पद्य में लिखे गए हैं, ताकि विद्यार्थी उन्हें आसानी से याद रख सकें।

लघुत्तम समापवर्त्य (एलसीएम)

महावीराचार्य ने लघुत्तम समापवर्त्य निकालने की विधि स्पष्ट रूप से दी। आज हम दो या अधिक संख्याओं का एलसीएम निकालते हैं, उसी सोच की नींव उनके ग्रंथ में मिलती है। यह विधि भिन्नों के जोड़-घटाव और समय-आधारित प्रश्नों में बहुत काम आती है।

क्रमचय और संचय

उन्होंने क्रमचय-संचय पर भी काम किया। किसी समूह में से कुछ वस्तुएँ चुनने के कितने तरीके हो सकते हैं, इसके लिए उन्होंने नियम दिए। यही विचार आज प्रायिकता और सांख्यिकी का आधार है।

ज्यामिति और अन्य योगदान

उन्होंने क्षेत्रमिति में आयत, त्रिभुज और वृत्त के साथ चक्रीय चतुर्भुज पर भी चर्चा की। दीर्घवृत्त की परिधि के लिए उन्होंने एक सन्निकट सूत्र भी दिया। वे ऐसे शुरुआती गणितज्ञों में थे जिन्होंने इस आकृति पर ध्यान दिया।

शून्य पर विचार

महावीराचार्य ने शून्य के साथ संक्रियाओं पर भी लिखा। उन्होंने बताया कि किसी संख्या को शून्य से गुणा करने पर शून्य मिलता है। शून्य से भाग के बारे में उनका कथन सही नहीं था। बाद में भास्कराचार्य जैसे गणितज्ञों ने इस विषय को आगे बढ़ाया। यह दिखाता है कि गणित के विचार धीरे-धीरे परिपक्व होते हैं। उनका ग्रंथ दक्षिण भारत में गणित की शिक्षा का प्रमुख आधार बना। बाद में इसका अंग्रेज़ी अनुवाद भी हुआ, जिससे विश्व के विद्वानों को भारतीय गणित की परंपरा की जानकारी मिली।

गणितीय पहेलियां, बूझो तो जानें

सवाल मैं दो अंकों की संख्या हूँ। मेरे अंकों का योग 9 है। मेरे अंकों की अदला-बदली करने पर बनी नई संख्या मुझसे 27 अधिक है।

उत्तर संख्या 36 है। अंक उलटने पर 63 बनता है, और 63 माइनस 36 बराबर 27 होता है।

सवाल पिता की आयु पुत्र की आयु से चार गुनी है। पाँच वर्ष बाद पिता की आयु पुत्र की आयु से तीन गुनी हो जाएगी। दोनों की वर्तमान आयु बताइए।

उत्तर पुत्र की आयु 10 वर्ष और पिता की आयु 40 वर्ष है। पाँच वर्ष बाद पुत्र 15 का और पिता 45 के होंगे।

सवाल एक किसान के बाड़े में मुर्गियाँ और बकरियाँ हैं। कुल सिर 20 और कुल पैर 56 हैं। बताइए मुर्गियाँ कितनी हैं और बकरियाँ कितनी।

उत्तर मुर्गियाँ 12 और बकरियाँ 8 हैं।

सवाल वह सबसे छोटी संख्या बताइए जिसे 5, 6 और 8, तीनों से भाग देने पर हर बार शेष 2 बचे।

उत्तर 122 है। 5, 6 और 8 का लघुत्तम समापवर्त्य 120 है, और उसमें शेष 2 जोड़ने पर 122 मिलता है।

सवाल एक आयताकार बगीचे की लंबाई उसकी चौड़ाई से 4 मीटर अधिक है। उसका परिमाप 56 मीटर है। बगीचे का क्षेत्रफल बताइए।

उत्तर लंबाई और चौड़ाई का योग 28 मीटर है और अंतर 4 मीटर है, इसलिए चौड़ाई 12 मीटर और लंबाई 16 मीटर है। क्षेत्रफल = 16 गुणा 12 बराबर 192 वर्ग मीटर।

सवाल एक संख्या का आधा और उसी का एक-तिहाई जोड़ने पर 25 आता है। संख्या बताइए।

उत्तर संख्या 30 है। 30 का आधा 15 और तिहाई 10 है, और 15 प्लस 10 बराबर 25।

सवाल माँ की आयु बेटी की आयु से तीन गुनी है। छह वर्ष पहले माँ की आयु बेटी की आयु से पाँच गुनी थी। दोनों की वर्तमान आयु बताइए।

उत्तर बेटी की आयु 12 वर्ष और माँ की आयु 36 वर्ष है। छह वर्ष पहले बेटी 6 की और माँ 30 की थीं।



सवाल माना रवि 4 किमी प्रति घंटा की चाल से चलता है तो स्कूल 15 मिनट देर से पहुँचता है। 5 किमी प्रति घंटा की चाल से चले तो 15 मिनट पहले पहुँच जाता है। घर से स्कूल की दूरी बताइए।

उत्तर दूरी 10 किमी है। 4 किमी/घंटा से 10 किमी में 2.5 घंटे लगते हैं और 5 किमी/घंटा से 2 घंटे। दोनों में 30 मिनट का अंतर है, जो 15 मिनट देर और 15 मिनट पहले के बीच का अंतर है।

सवाल 1 से 49 तक की सभी विषम संख्याओं का योग बिना हर संख्या जोड़े निकालिए।

उत्तर योग 625 है।

सवाल तीन क्रमागत संख्याओं का योग 72 है। तीनों संख्याएँ बताइए।

उत्तर संख्याएँ 23, 24 और 25 हैं। बीच की संख्या औसत होती है।

सवाल दो भाइयों की आयु का अनुपात 3 अनुपात 5 है और दोनों की आयु का योग 40 वर्ष है। दोनों की आयु बताइए।

उत्तर छोटे भाई की आयु 15 वर्ष और बड़े भाई की आयु 25 वर्ष है।

सवाल एक दुकानदार ने एक कुर्सी 500 रूपए में खरीदी और 20 प्रतिषत लाभ पर बेची। उसका विक्रय मूल्य कितना है?

उत्तर - विक्रय मूल्य 600 रूपए है। 500 का 20 प्रतिशत यानि 100, इसलिए 500 प्लस 100 बराबर 600।

सवाल 10 मीटर लंबी एक सीढ़ी दीवार के सहारे इस तरह टिकी है कि उसका निचला सिरा दीवार से 6 मीटर दूर है। सीढ़ी दीवार पर कितनी ऊँचाई तक पहुँचती है?

उत्तर ऊँचाई 8 मीटर है। यह समकोण त्रिभुज है, जिसमें सीढ़ी कर्ण है। पाइथागोरस प्रमेय से हल करना होगा।

सवाल यदि 4 मिस्त्री 4 घंटे में 4 साइकिल बनाते हैं, तो 8 मिस्त्री 8 घंटे में कितनी साइकिल बनाएंगे?

उत्तर 16 साइकिल। 4 मिस्त्री 4 घंटे में 4 साइकिल बनाते हैं, यानी 1 मिस्त्री 4 घंटे में 1 साइकिल बनाता है। तो 8 मिस्त्री 8 घंटे में 16 साइकिल बनाएंगे।

सवाल आप 25 में से 5 को कितनी बार घटा सकते हैं?

उत्तर सिर्फएक बार, क्योंकि एक बार 25 में से 5 घटाने के बाद वह संख्या 20 बन जाती है, फि र आप 20 में से घटाएँगे, 25 में से नहीं।

कैलकुलेटर Error क्यों दिखाता है? जानें शून्य से भाग का रहस्य

कक्षा में जब शिक्षक कहते हैं कि किसी भी संख्या को शून्य से भाग नहीं दिया जा सकता, तो अक्सर मन में सवाल उठता है कि आखिर क्यों। कैलकुलेटर पर 5÷0 दबाने पर Error आ जाता है। यह गणित का कोई मनमाना नियम नहीं है। इसके पीछे ठोस तर्क है।

भाग का असली अर्थ- भाग को समझने का सबसे आसान तरीका बँटवारा है। 12 चॉकलेट को 3 बच्चों में बाँटें, तो हर बच्चे को 4 मिलती हैं। यही भाग का उत्तर है। भाग की जाँच गुणा से भी की जाती है। 12÷ 3 = 4 इसलिए सही है, क्योंकि 4 गुणा 3 = 12 होता है।

शून्य से भाग करने पर क्या होता है- अब मान लीजिए हम 5÷ 0 का उत्तर निकालना चाहते हैं। इसका मतलब होगा कि कोई ऐसी संख्या मिले, जिसे 0 से गुणा करने पर 5 आए। लेकिन कोई भी संख्या, चाहे छोटी हो या बहुत बड़ी, शून्य से गुणा करने पर शून्य ही देती है। इसलिए



ऐसी कोई संख्या है ही नहीं। इसीलिए 5÷0 का कोई उत्तर नहीं बनता।

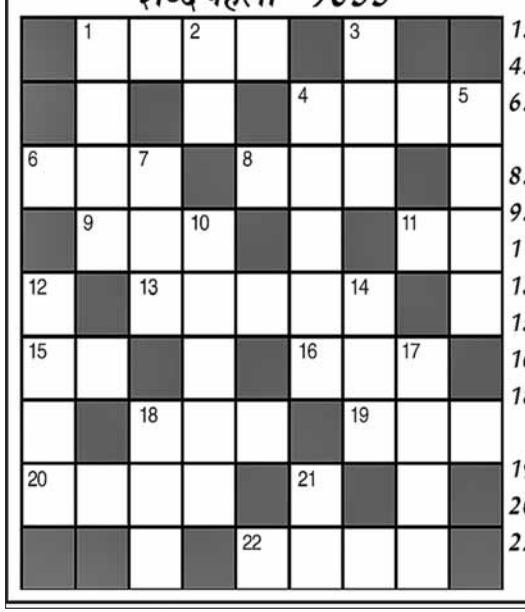
0÷ 0 की उलझन- कुछ विद्यार्थी पूछते हैं कि 0 0 क्यों नहीं हो सकता, क्योंकि शून्य को शून्य से गुणा करने पर शून्य ही आता है। यहाँ समस्या उलटी है। इस स्थिति में कोई भी संख्या उत्तर बन सकती है, क्योंकि कोई भी संख्या गुणा करने पर शून्य ही देगी। जब उत्तर एक निश्चित संख्या न होकर कुछ भी हो सकता हो, तो गणित उसे परिभाषित नहीं मानता। गणित में हर प्रश्न का एक ही निश्चित उत्तर होना ज़रूरी है।

बँटवारे की नज़र से- मान लीजिए आपके पास 5 रोटियाँ हैं और आपको उन्हें शून्य लोगों में बाँटना है। बाँटने के लिए कोई है ही नहीं, इसलिए यह सवाल ही अर्थहीन हो जाता है। यह कहना कि हर व्यक्ति को कितनी मिली, तभी संभव है जब व्यक्ति मौजूद हों।

अनंत वाला जवाब क्यों गलत है- कई लोग कहते हैं कि शून्य से भाग करने पर अनंत आता है। यह बात आंशिक रूप से इसलिए कही जाती है कि जब हम किसी संख्या को बहुत छोटी संख्या से भाग देते हैं, तो उत्तर बहुत बड़ा होता जाता है। लेकिन अनंत कोई साधारण संख्या नहीं है, और शून्य तक पहुँचने पर यह नियम भी काम नहीं करता। इसलिए इसे उत्तर नहीं माना जाता।

शून्य से भाग इसलिए नहीं हो सकता, क्योंकि या तो कोई उत्तर मिलता ही नहीं, या फिर इतने उत्तर मिलते हैं कि कोई एक चुना नहीं जा सकता। यह नियम गणित को सही और भरोसेमंद बनाए रखने के लिए है। अगली बार जब कैलकुलेटर Error दिखाए, तो समझिए कि वह गणित की इसी मर्यादा का पालन कर रहा है।

शब्द पहेली - 9035



बाएँ से दाएँ

1. खटपट, उनाठनी-4
4. पंजाब की एक नदी-4
6. चित्रकमेल, लम्बी गर्दनवाला पशु-3
8. दंड, दम, शामन-3
9. धरा, भूमि-3
11. शासन व्यवस्था, रहस्य-2
13. नवचंद्राकार-5
15. अकेला-2
16. दया, करुणा-3
18. बंदर का खेल दिखाने वाला-3
19. देवर्षि, देवमुनि-3
20. सब्जी, भाजी-4
22. कुंए पर पानी भरने का चबूतरा-4

ऊपर से नीचे

1. गुनाह, दोष, जुर्म-3
2. अपराधमुक्त, निवृत्त-2
3. सौत, दूसरी स्त्री-3
4. होशियार, गुणवान-5
5. भूकम्प-4
7. भेद, तुलना-3
10. परिचर्या-5
12. स्वभाव-4
14. स्थित होना-3
17. श्मशान-4
18. गृह, भवन-3
21. जीवन, जीव, स्फूर्ति-2

शब्द पहेली -9034 का हल

फ	न	का	र	■	ग	ज	रा	■
ला	त	■	वै	■	ज	■	ह	क
हा	■	या	या	व	र	■	■	ल
र	स	द	■	ध	■	प	ला	श
■	■	गा	ल	■	जी	त	■	■
क	हा	र	■	आ	■	झ	र	ना
हा	■	■	ग	ठ	जो	ड़	■	म
नी	र	■	म	■	क	■	ना	व
■	व	द	न	■	र	ह	व	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

फाइनल में भिड़ेंगी केरल-तमिलनाडु की टीमें

जम्मू कश्मीर एवं उप्र की टीमें सेमीफाइनल हारीं, तीसरे स्थान के लिए होंगी आमने-सामने





70वीं राष्ट्रीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन आज

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

प्रदेश के स्कूल शिक्षा व परिवहन मंत्री उदयप्रताप सिंह के उल्लेखनीय प्रयासों से नगर के रूद्र मैदान सहित ग्रामीण क्षेत्रों के मैदानो पर खेली जा रही 70वीं राष्ट्रीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता अंडर 19 बालक वर्ग का फाइनल मुकाबला 17 नवंबर दिन मंगलवार को सुबह 9 बजे से तमिलनाडु एवं केरल की टीमों के मध्य चीचली के खेल मैदान पर खेला जायेगा। इसी दिन एनटीपीसी के खेल मैदान पर सुबह 9 बजे से ही जम्मू कश्मीर एवं उप्र की टीमें तृतीय स्थान के लिए आमने सामने होंगी। यहाँ उल्लेखनीय है कि सोमवार को नगर के रूद्र मैदान पर खेले गये पहले सेमीफाइनल मैच में तमिलनाडु ने उप्र को 6 विकेट से हराकर फाइनल के लिये जगह बनाई। सुबह रोटरी क्लब ऑफ राना, समाजसेवी मुकेश बसेडिया और महिला मोर्चा सदस्यों की उपस्थिति में टॉस जीतकर प्रतियोगिता के पहले सेमीफ़ाइनल मैच में उत्तर प्रदेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट पर 112 रन बनाए। जवाब में तमिलनाडु ने 14.3 ओवर में 4 विकेट खोकर 113 रन बनाते हुए जीत दर्ज की। तमिलनाडु के मोहम्मद रजान ने 38 गेंदों में 65 रन की शानदार पारी खेली। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस मैच के दौरान स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने इस अवसर पर प्रतिभागी टीमों के खिलाड़ियों के शानदार खेल प्रदर्शन का आनंद लिया तथा उनका हौसला बढ़ाते हुए खेल भावना, अनुशासन एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएँ दीं। सोमवार को ही प्रतियोगिता का दूसरा सेमीफ़ाइनल मैच राघव कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोहानी के मैदान पर केरल और जम्मू कश्मीर की टीमों के मध्य खेला गया जिसमे केरल ने 6 विकेट से शानदार जीत दर्ज की और फाइनल के लिए जगह बनाई। इस मैच में मैदान की परम्परा अनुसार अतिथियों एवं खिलाड़ियों का बैंड दल के साथ प्रभारी अजय शर्मा, संजीव पालीवाल एवं स्टॉफ द्वारा तिलक लगाकर स्वागत किया गया एवं मैदान में दानवीर श्री राघव जी, शहीद स्व आशीष शर्मा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। एवं राष्ट्रगान के पश्चात् सेमीफाइनल मैच का टास उछाला गया । टॉस जीतकर केरल ने पहले क्षेत्ररक्षण का निर्णय लिया। जम्मू-कश्मीर की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.2 ओवर में सभी विकेट खोकर 135 बनाये। टीम की ओर से करनवीर शर्मा ने 30 गेंदों में 53 रन की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली, जबकि अथीर रफीक ने 9 गेंदों में 16 और काशिफ ने 20 गेंदों में 13 रन बनाए। केरल की ओर से वैभव ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट हासिल किए, जबकि अनाह और धनुष ने 2-2 विकेट लेकर विपक्षी टीम को बड़ा स्कोर बनाने से रोका। लक्ष्य का पीछा करने उतरी केरल की टीम ने आक्रामक बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। आश्मित ने 22 गेंदों में 37, क्रिस ने 16 गेंदों में 24 तथा श्रवण ने 13 गेंदों में 22 रन बनाकर जीत की राह आसान कर दी और 4 विकेट खोकर निर्धारित लक्ष्य प्राप्त कर लिया।

रुद्र मैदान में सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान नगरपालिका अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा, नवीन अग्रवाल, कुंवर विक्रांत सिंह, डॉ. योगेश कौरव, राव संदीप सिंह, चंद्रकांत शर्मा, प्रियांक जैन, सुरेंद्र गुर्जर, बसंती पालीवाल, सुषमा साहू, स्मृति जैन, श्रीमती पूजा तिवारी, सतीश कौरव, अशोक भार्गव, रीना चौधरी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।बोहानी में खेले गए मुकाबले के दौरान पूर्व विधायक भैयाराम पटेल, अनुज प्रताप सिंह, श्री, रमाकांत शर्मा, मनोज शर्मा, प्रदीप शर्मा, जितेंद्र शर्मा, योगेश मदारिया, आलोक शर्मा, प्रकाश शर्मा, अशोक भार्गव, नीरज शर्मा, नीलेंद्र शर्मा, नीरज कांकर, श्रीमती रुचि राकेशिया, सुमित अग्रवाल सहित जिला शिक्षा अधिकारी डॉ अनिल कुशवाहा उपस्थित रहे।आयोजन समिति के अधिकारी-कर्मचारियों एवं खेलप्रेमियों ने भी खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। दोनों मुकाबलों में एम्पायर सूरज ग्वाला, विराट सिंह, पवन कौल, शेखर पाठक, स्कोरर आदित्य तिवारी, मयंक श्रीवास, शुभम कटारे, विपुल शर्मा एवं कामेंटेटर राजेश त्रिपाठी, राजेश गुप्ता, स्वतंत्र शर्मा, मनोज शुक्ला रहे।

अब फाइनल को लेकर खिलाड़ियों एवं खेलप्रेमियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। सोमवार को जिला शिक्षा अधिकारी डॉ अनिल कुशवाहा ने चीचली पहुँचकर फाइनल मैच की तैयारियो का जायजा लिया एवं आवश्यक निर्देश दिये। प्रतियोगिता का समापन कार्यक्रम फाइनल मैच उपरांत चीचली में स्कूल शिक्षा मंत्री उदयप्रताप सिँह एवं भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर सहित अन्य अतिथियों की उपस्थिति में आयोजित होगा।



गन्ना मूल्य 600 रुपए की मांग को लेकर राष्ट्रवादी किसान आर्मी का धरना जारी

नरसिंहपुर, स्वतंत्र मत। राष्ट्रवादी किसान आर्मी संगठन) के तत्वावधान में गन्ना मूल्य 600 प्रति क्विंटल एवं बोनस की मांग को लेकर जिला मुख्यालय के नगर पालिका चौराहे पर धरना प्रदर्शन तीसरे दिन भी जारी रहा। धरना स्थल पर किसान नेता प्रतीक शर्मा ने कहा कि किसान अब रुकने वाला नहीं है। गन्ना किसानों को 600 रुपए प्रति क्विंटल से कम मूल्य पर कोई समझौता स्वीकार नहीं होगा। उन्होंने कहा कि 72 घंटे का दिया गया अल्टीमेटम पूरा होने जा रहा है। यदि कल दोपहर तक जिला प्रशासन की ओर से कोई ठोस जवाब नहीं मिलता है, तो संगठन अपनी आगामी रणनीति सार्वजनिक करेगा। अब गेंद शासन और प्रशासन के पाले में है। आगे की परिस्थितियों की संपूर्ण जवाबदेही शासन-प्रशासन की होगी। उक्त मौके पर गणेश पटेल, धनीराम पटेल, सतीश पटेल, बसत पटेल , राजकुमार पटेल , सर्वेश पटेल, दीपक पटेल , शुभम पटेल , आशीष पटेल , नीरज साहू , सौरव ठाकुर, सचिन शर्मा, कृष्णकुमार पटेल , संदीप पटेल,सत्यम , मुकेश, सौरभ, अतुल पटेल , शिवांश पटेल ऋषि पटेल, सूरज पटेल हेमंत गोस्वामी , रघुवीर पटेल, दशरथ पटेल , अजय पटेल अंकित, नन्हू भैया सोनू , सुरेन्द्र कुमार के अलावा बड़ी संख्या में किसान मौजूद थे वहीं अनेक किसान संगठनों ने भी इस किसान आंदोलन को समर्थन दिया है।



मुख्य कार्यपालन अधिकारी राजाराम मरावी ने किया छात्रावास का निरीक्षण



मण्डला/घुघरी(स्वतंत्रमत)।

जनपद पंचायत घुघरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी राजाराम मरावी ने नगर के दो प्रमुख छात्रावासों का निरीक्षण किया सीईओ ने वीरांगना रानी दुर्गावती कन्या छात्रावास घुघरी का निरीक्षण किया साथ ही शासकीय उत्कृष्ट सीनियर आदिवासी छात्रावास घुघरी पहुंचे। उनके साथ पंचायत इंस्पेक्टर बसंत राव मरावी विकासखंड शिक्षा अधिकारी आरएल उईके एवं ब्लॉक संयोजक सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे निरीक्षण के दौरान सीईओ ने छात्रावास में बच्चों के लिए बनने वाले भोजन की गुणवत्ता, रसोई घर, पीने के पानी, रहन-सहन, बिस्तर, शौचालय और परिसर की स्वच्छता का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने अधीक्षकों से छात्र-छात्राओं की उपस्थिति स्वास्थ्य और अध्ययन की जानकारी ली तथा कमियां मिलने पर तत्काल सुधार के निर्देश दिए निरीक्षण के उपरांत छात्रावास परिसर में भगवान बिरसा मुंडा की पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद छात्र-छात्राओं द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया सीईओ राजाराम मरावी ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि छात्रावास ही उनका दूसरा घर है यहां अनुशासन और पढ़ाई पर विशेष ध्यान दें।

जनजातीय गौरव दिवस पर महाविद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

सतना, स्वतंत्र मत। बिरसा मुंडा 151वीं की जयंती के अवसर पर जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शहीद पद्मधर सिंह शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय सतना में विभिन्न सांस्कृतिक एवं साहित्यिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। उच्च शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में भगवान बिरसा मुंडा के गौरवशाली योगदान, जनजातीय संस्कृति एवं परंपराओं तथा स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय नायकों की भूमिका से विद्यार्थियों को परिचित कराना और उनमें सांस्कृतिक चेतना एवं राष्ट्रीय गौरव की भावना विकसित करना रहा। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रभारी डॉ. गौहर हुजैफा खान, युवा उत्सव प्रभारी कविता परविंदा एवं जिला संगठक राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ. मनीष प्रताप सिंह सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

जंगल में चल रहा था जुआ 11 आरोपी गिरफ्तार किए

मण्डला (स्वतंत्रमत)।



महाराजपुर थाना पुलिस ने ग्राम रामनगर में मोती महल के पास जंगल में संचालित जुआ फड़ पर दबिश देकर 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से 47 हजार 200 रुपये नकद दो कार पांच मोटरसाइकिल ताश के पत्ते और बैटरी एलईडी लाइट सहित कुल 31 लाख 85 हजार 700 रुपये का मशरूका जब्त किया है। पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार 15 नवंबर को महाराजपुर थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि रामनगर स्थित मोती महल के पास जंगल में कुछ लोग ताश के पत्तों पर हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक डॉ. जयसिंह यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और दबिश देकर 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के दौरान 52 ताश के पत्ते 47 हजार 200 रुपये नकद दो कार पांच मोटरसाइकिल और एक बैटरी एलईडी लाइट जब्त की गई। पुलिस के अनुसार वाहनों एवं अन्य सामग्री की अनुमानित कीमत 31 लाख 38 हजार 500 रुपये है।

नकदी सहित जब्त मशरूका की कुल कीमत 31 लाख 85 हजार 700 रुपये आंकी गई है। गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध जुआ अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना की जा रही है। कार्रवाई में थाना प्रभारी डॉ. जयसिंह यादव, उपनिरीक्षक भीमराव मेश्राम, सहायक उपनिरीक्षक रमेश पाल सहित पुलिस टीम के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

तीन माह से अधिक समय तक लंबित नहीं रहे राजस्व का कोई प्रकरण

समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में कलेक्टर के निर्देश

सतना, स्वतंत्र मत। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने कहा कि नामांकन, बंटवारा, सीमांकन सहित कोई भी राजस्व प्रकरण अधिकतम तीन माह की समय-सीमा में निराकृत हो जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि 19 नवम्बर को राजस्व अधिकारियों की बैठक में आरसीएमएस पोर्टल और राजस्व वसूली की समीक्षा की जायेगी। सोमवार को समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में विभागीय समन्वय के मुद्दों पर कलेक्टर ने कहा कि टीएल की बैठक के मुख्य उद्देश्य के अनुसार विभागों की आपसी समस्यायें और समन्वय संबंधी मुद्दे बैठक में रखे जाये, ताकि उनका मौके पर निराकरण हो सके। सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग अपने यहां लंबित शिकायतों पर फोकस कर ए-ग्रेड में आने और टाप फाइव श्रेणी में रहने का प्रयास करें। इस मौके पर आयुक्त नगर निगम नागार्जुन बी. गौडा, सीईओ जिला पंचायत सपना त्रिपाठी, अपर कलेक्टर विकास सिंह, एसडीएम महिपाल सिंह गुर्जर, सुभाष मिश्रा, एलआर जांगडे, डिप्टी कलेक्टर संदीप परस्ते सहित विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने राजस्व विभाग की सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान डी-श्रेणी में रही तहसीलों के तहसीलदारों को एसीआर की चेतावनी के साथ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। इनमें सतना शहरी, कोटर और नागौद तहसील शामिल है। कलेक्टर ने जनगणना कार्य की तैयारियों की भी समीक्षा की। जिला जनगणना अधिकारी अपर कलेक्टर विकास सिंह ने बताया कि 21 दिसम्बर से चार्ज स्तर पर प्रशिक्षण की शुरूआत होगी। इसके पूर्व गणना ब्लाक के मान से डाटा तैयार किया जायेगा। उन्होंने चार्ज अधिकारियों को प्रशिक्षण स्थलों का चयन कर आवश्यक तैयारी करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी स्कूलों की बोर्ड परीक्षायें मार्च 2027 में प्रारंभ होगी। इन स्कूलों और बोर्ड की कक्षाओं में पढाने वाले विषय शिक्षकों की डयूटी जनगणना कार्य में नहीं लगाई जाये। बाढ राहत और आरबीसी 6-4 के प्रकरणों में विलम्ब पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए कलेक्टर ने कहा कि बाढ से प्रभावित परिवारों को 50 किलो मुफ्त खाद्यान्न का वितरण अतिशीघ्र पूरा करें। इसी प्रकार बाढ सहायता राशि के हितग्राही के खाते में फेल हुए प्रकरणों की समीक्षा करें और शत-प्रतिशत प्रभावित व्यक्तियों को भुगतान सुनिश्चित कराये। एसडीएम इन प्रकरणों की प्रतिदिन समीक्षा करें। अगली टीएल में राहत सामग्री वितरण की पुन: समीक्षा की जायेगी। श्रम विभाग की संबल योजना और अनुग्रह सहायता वितरण की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि अनुग्रह सहायता के प्रकरण अधिकतम 60 दिवस में स्वीकृत हो जाने चाहिए। इसी प्रकार पंजीयन के प्रकरण भी समय-सीमा में किये जाये।

मल्टी स्पोर्टस काम्पलेक्स के संचालन के लिए बनेगा क्लब

सतना, स्वतंत्र मत। स्मार्ट सिटी सतना के अंतर्गत उतैली में निर्मित मल्टी स्पोर्टस काम्पलेक्स के संचालन के लिए कलेक्टर की अध्यक्षता में सतना स्मार्ट सिटी स्पोर्टस क्लब बनाने की योजना को मूर्तरूप दिया जा रहा है। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में सोमवार को सम्पन्न बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ. नागार्जुन बी. गौडा ने स्मार्ट सिटी द्वारा निर्मित मल्टी स्पोर्टस काम्पलेक्स के विधिवत संचालन, संधारण के लिए पीपीपी मोड पर प्रस्ताव रखा। उन्होंने बताया कि क्लब में पुलिस अधीक्षक उपाध्यक्ष और नगर निगम के आयुक्त सदस्य-सचिव रहेंगे। क्लब में जनप्रतिनिधियों को सम्मानित आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल किया जायेगा। इसी प्रकार सहयोगी इच्छुक नागरिक, खिलाडी एवं अधिकारी भी इस क्लब के सदस्य बन सकेंगे। सोमवार को रोड सेफ्टी और हिट एण्ड रन, अत्याचार निवारण की जिला समिति की बैठक भी आयोजित हुई। जिसमें बताया गया कि वर्ष 2023-24 तक के सभी हिट एण्ड रन के प्रकरण निराकृत कर लिये गये है।

नागौद में जनजाति गौरव दिवस एवं भगवान बिरसा मुंडा की जयंती उत्साहपूर्वक मनाई गई

सतना, स्वतंत्र मत। विकासखंड नागौद में जनजाति गौरव दिवस एवं महान जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती उत्साह, श्रद्धा एवं गरिमामय वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम में रमाशंकर एवं जितेंद्र सिंह, नवांकुर संस्था सेक्टर क्रमांक 2 की अध्यक्ष श्रीमती सीमा, सेक्टर क्रमांक 1 की अध्यक्ष श्रीमती कमला कपाड़िया, सुश्री सरोज गुर्जर, सुश्री समीक्षा सिंह, विवेक प्रताप सिंह एवं सुश्री निकिता पांडे उपस्थित रहीं। इस अवसर पर बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान भगवान बिरसा मुंडा के जीवन परिचय, उनके अदम्य साहस, संघर्ष, सामाजिक चेतना एवं देश की स्वतंत्रता तथा जनजातीय समाज के अधिकारों के लिए दिए गए उनके ऐतिहासिक योगदान पर विद्यार्थियों द्वारा प्रेरणादायी प्रस्तुतियां दी गईं। साथ ही जनजाति गौरव दिवस के ऐतिहासिक महत्व, जनजातीय संस्कृति, परंपराओं एवं समाज के विकास में जनजातीय महापुरुषों के योगदान पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से भगवान बिरसा मुंडा के विचारों एवं आदर्शों को आत्मसात करने तथा जनजातीय समाज की गौरवशाली परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों, परामर्शदाताओं एवं विद्यार्थियों ने जनजातीय गौरव और सामाजिक समरसता के मूल्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उद्घोषणा

रा.मा.क्र. 313/ अ-20 (1) सन्-2026-27

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार स्थायी पट्टे के नवीनीकरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 1/12/2026 को प्रातः 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष या स्वंय या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हो या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अनुसूची

नजूल शीट क्र.	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लाट क्र.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में धारक धारकों के नाम/पिता / माता का नाम पूर्ण नाम पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता /माता का नाम पूर्ण नाम पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
16	कंदेली	31/2	487.5 वर्गफुट	राजेश आ. रामनारायण नेमा सा. रेल्वे स्टेशन रौंसरा	राजेश आ. रामनारायण नेमा सा. रेल्वे स्टेशन रौंसरा

इश्तहार आज दिनांक 13/11/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी, नरसिंहपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उद्घोषणा

रा.मा.क्र. 320/ अ-20 (1) सन्-2026-27

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार स्थायी पट्टे के नवीनीकरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 1/12/2026 को प्रातः 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष या स्वंय या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हो या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अनुसूची

नजूल शीट क्र.	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लाट क्र.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में धारक धारकों के नाम/पिता / माता का नाम पूर्ण नाम पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता /माता का नाम पूर्ण नाम पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
15	कंदेली	4/126	1512.5 वर्गफुट	विनोद कुमार आ. अम्बिका प्रसाद दीक्षित सा. कंदेली	विनोद कुमार आ. अम्बिका प्रसाद दीक्षित सा. कंदेली

इश्तहार आज दिनांक 13/11/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी, नरसिंहपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उद्घोषणा

रा.मा.क्र. 318/ अ-20 (1) सन्-2026-27

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार स्थायी पट्टे के नवीनीकरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 1/12/2026 को प्रातः 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष या स्वंय या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हो या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अनुसूची

नजूल शीट क्र.	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लाट क्र.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में धारक धारकों के नाम/पिता / माता का नाम पूर्ण नाम पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता /माता का नाम पूर्ण नाम पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
16	कंदेली	48/6	621 वर्गफुट	अनुप गुप्ता आ. गनेश प्रसाद गुप्ता सा. राम वार्ड, कंदेली	अनुप गुप्ता आ. गनेश प्रसाद गुप्ता सा. राम वार्ड, कंदेली

इश्तहार आज दिनांक 13/11/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी, नरसिंहपुर

आईटीआई में कैंपस आज

मण्डला(स्वतंत्रमत)। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में 17 नवंबर को प्रात: 10 बजे से अडानी सोलर मुंद्रा सोलर पीवी लिमिटेड द्वारा कैंपस ड्राइव आयोजित किया जाएगा। चयनित युवाओं को गुजरात के कच्छ स्थित कंपनी में कार्य करने का अवसर मिलेगा। कैंपस ड्राइव में 18 से 28 वर्ष आयु के पुरुष अभ्यर्थी जिन्होंने 12वीं आईटीआई बीई बीटेक डिप्लोमा अथवा डिप्लोमा से संबंधित पाठ्यक्रम उत्तीर्ण किया हो भाग ले सकेंगे। शैक्षणिक योग्यता के अनुसार चयनित अभ्यर्थियों को 12वीं के लिए 17 हजार 435 रुपये, आईटीआई/बीपी/केमिकल हेतु 17 हजार 978 रुपये तथा डिप्लोमा/डीएमसी के लिए 19,364 रुपये मासिक वेतन निर्धारित है। इसके अतिरिक्त 2 हजार 500 रुपये अटेंडेंस बोनस तथा 585 रुपये फूड सब्सिडी भी प्रदान की जाएगी।

31 दिसंबर तक करें आवेदन

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा प्रतिभा योजना के अंतर्गत वर्ष 2026-27 में अनुसूचित जनजाति वर्ग के पात्र विद्यार्थियों को लाभान्वित करने के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। निर्धारित पाठ्यक्रमों एवं संस्थाओं में अध्ययनरत पात्र विद्यार्थी एमपीटीएएसी पोर्टल के माध्यम से 31 दिसंबर 2026 तक आवेदन कर सकते हैं।

समय-सीमा की बैठक में की समीक्षा

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला योजना भवन में समय-सीमा की बैठक आयोजित की गई बैठक में पराली प्रबंधन आगामी वृहद रोजगार मेला, जनविश्वास शिविर टीएल पत्रक तथा सीएम हेल्पलाइन की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई कलेक्टर ने बताया कि आगामी 28 नवंबर को जिले में वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। आगामी 20 नवंबर को मवई विकासखंड के ग्राम पंचायत घुटास में आयोजित होने वाले जनविश्वास शिविर की सभी विभागीय तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिविर में आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जाए और पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जाए।

सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने 300 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों को शत-प्रतिशत निराकृत करने के निर्देश दिए।

आज जागरूकता रैली

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में विधिक सेवा दिवस के उपलक्ष्य में न्यायोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत आज प्रात: 8 बजे से विधिक जागरूकता रैली एवं मैराथन दौड़ का आयोजन किया जाएगा मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार आयोजित यह कार्यक्रम जिला न्यायालय परिसर मंडला से प्रारंभ होगा। इसका उद्देश्य आम नागरिकों को विधिक अधिकारों कानून एवं नि:शुल्क विधिक सहायता संबंधी प्रावधानों के प्रति जागरूक करना है।

आर्थिक सहायता स्वीकृत

मण्डला। अनुविभागीय अधिकारी द्वारा सर्पदंश से मृत्यु होने पर मृतक के निकटतम वारसान को 4 लाख की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है ।

फाइलों में दफन हो गई महाकौशल की रेल मांग, आदिवासी पिछड़े क्षेत्रों में बेहतर रेल कनेक्टिविटी मिलने का नहीं खुला रास्ता

मण्डला(स्वतंत्र मत)।





महाकौशल के मंडला और आदिवासी अंचलों की रेल कनेक्टिविटी का सवाल वर्षों से उठता रहा है लेकिन दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर जोन रेलवे की कार्यप्रणाली पर अब गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं। एक ओर दूसरे क्षेत्रों में नई रेल लाइनों को स्वीकृति मिल रही है वहीं दूसरी ओर पंडरिया-मंडला-जबलपुर रेल संपर्क की वर्षों पुरानी मांग आज भी सर्वेक्षण समीक्षा और पत्राचार के चक्कर काट रही है। मामला बिलासपुर-मुंगेली-पंडरिया-मंडला-जबलपुर प्रस्तावित रेल लाइन का है। गौरतलब है कि वर्ष 2016 में राजनांदगांव-मंडला-जबलपुर रेल मार्ग का सर्वेक्षण किया गया था। उपलब्ध विवरण के अनुसार इस सर्वेक्षण में रिटर्न की दर 1.77 प्रतिशत तक पहुंचा था। इसके बावजूद इस रेल कॉरिडोर को आगे बढ़ाने की दिशा में कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया। अब सितंबर 2026 में कटघोरा तखतपुर मुंगेली कवलपुर कवर्धा डोंगरगढ़ रेल लाइन को स्वीकृति मिलने के बाद परिस्थितियां बदल चुकी हैं। ऐसे में वर्षों पुरानी पंडरिया-मंडला-जबलपुर रेल मांग को नए सिरे से उठाने का एक महत्वपूर्ण अवसर सामने आया है। इस मुद्दे को लेकर स्वतंत्र रेल एक्टिविस्ट नितिन सोलंकी द्वारा लगातार पत्राचार किया गया। इसी क्रम में 19 जून. 2026 के सीएओ / सी / बीएसपी / सीपीजीआरएएमएस / 26-27 दिनांक 19.06.2026 पत्र को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी निर्माण कार्यालय से लिखित जवाब प्राप्त हुआ था। इस पत्र में स्पष्ट उल्लेख किया गया था कि प्रस्तुत सुझावों को रेलवे के परिचालन विभाग के साथ चर्चा कर आगामी कार्यवाही के लिए अग्रेषित किया जाएगा। लेकिन अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि परिचालन विभाग के साथ चर्चा करने का जो लिखित भरोसा दिया गया था उसका परिणाम आखिर क्या निकला क्या कोई बैठक हुई क्या यातायात संभावनाओं का आंकलन किया गया क्या आर्थिक व्यवहार्यता पर समीक्षा हुई क्या प्रस्ताव रेलवे बोर्ड तक पहुंचा या फिर यह मामला भी रेलवे की फाइलों में ही सीमित रह गया कवलपुर तक रेल लाइन स्वीकृत पंडरिया को जोड़ने में आखिर परेशानी क्या कटघोरा तखतपुर मुंगेली कवलपुर कवर्धा डोंगरगढ़ रेल लाइन को स्वीकृति मिलने के बाद अब एक नया विकल्प सामने है। कवलपुर से पंडरिया की दूरी लगभग 15 किलोमीटर है। ऐसे में कवलपुर से पंडरिया बिछिया मंडला होते हुए जबलपुर तक लगभग 245-250 किलोमीटर के प्रस्तावित रेल कॉरिडोर को विकसित करने की संभावनाओं पर गंभीरता से विचार क्यों नहीं किया जा रहा यदि इस विस्तार को स्वीकृति की दिशा में आगे बढ़ाया जाता है तो छत्तीसगढ़ और महाकौशल के बीच एक महत्वपूर्ण रेल संपर्क विकसित हो सकता है। इससे मंडला आसपास के आदिवासी एवं पिछड़े क्षेत्रों को बेहतर रेल कनेक्टिविटी मिलने का रास्ता खुल सकता है। जब कवलपुर तक रेल नेटवर्क पहुंचाने का रास्ता साफ हो चुका है तो उससे महज 15 किलोमीटर दूर पंडरिया को जोड़कर मंडला और जबलपुर तक रेल विस्तार की संभावनाएं तलाशने में देरी क्यों 2003-04 का सर्वेक्षण 2013-14 में समीक्षा की समय-सीमा पूरी फिर भी नई पहल नहीं रेलवे के 19 जून 2026 के पत्र में उल्लेख है कि इस परियोजना का प्रारंभिक इंजीनियरिंग सह यातायात सर्वेक्षण वर्ष 2003-04 में पूरा हुआ था। रेलवे बोर्ड के 12 मई 2004 के निर्देशानुसार 10 वर्षों के बाद परियोजना की समीक्षा की जा सकती थी। यह अवधि 2013-14 में पूरी हो चुकी थी। वर्ष 2016 में राजनांदगांव-मंडला-जबलपुर सर्वेक्षण के दौरान भी आर्थिक व्यवहार्यता का मुद्दा सामने आया था। अब सितंबर 2026 में नए रेल नेटवर्क की स्वीकृति के बाद क्षेत्र की परिस्थितियों और संभावित यातायात में बदलाव आया है।

ऐसे में पुराने सर्वेक्षणों को आधार बनाकर इस मांग को नजरअंदाज करने के बजाय अद्यतन यातायात सर्वेक्षण और नई आर्थिक व्यवहार्यता समीक्षा कराना आवश्यक है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर जोन रेलवे और जनप्रतिनिधियों से पांच सीधे सवाल जब कटघोरा से तखतपुर-मुंगेली-कवलपुर-कवर्धा होते हुए डोंगरगढ़ तक रेल लाइन स्वीकृत हो चुकी है तो कवलापुर से महज 15 किलोमीटर दूर पंडरिया को जोड़कर बिछिया-मंडला-जबलपुर तक विस्तार की संभावना पर गंभीरता से विचार क्यों नहीं किया जा रहा 19 जून 2026 को परिचालन विभाग के साथ चर्चा के लिए अग्रेषित प्रस्ताव पर अब तक क्या कार्रवाई हुई क्या महाकौशल के आदिवासी अंचलों की रेल कनेक्टिविटी रेलवे की प्राथमिकता में शामिल है क्या कवलपुर पंडरिया बिछिया मंडला जबलपुर रेल कॉरिडोर के लिए अद्यतन यातायात सर्वेक्षण कराया जाएगा।

यदि हां तो इसकी समय-सीमा क्या होगी क्या इस प्रस्ताव को रेलवे बोर्ड के समक्ष नई रेल लाइन के तार्किक विस्तार और महत्वपूर्ण मिसिंग लिंक के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा क्या दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर जोन रेलवे को लगभग 110 किलोमीटर के संभावित रेल संपर्क का महत्व दिखाई नहीं देता, जिससे मालगाड़ियों के साथ यात्री ट्रेनों को भी कम दूरी और कम समय में अपने गंतव्य तक पहुंचने का विकल्प मिल सकता है इस संभावित रेल संपर्क की व्यवहार्यता का आकलन आखिर कब होगा।

ग्राम केहरपुर में छट मड़ई मिलन समारोह

मण्डला(स्वतंत्रमत)। ग्राम केहरपुर में छट मड़ई मिलन समारोह आयोजित किया गया। पारंपरिक मेले में आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। रात्रिकालीन कार्यक्रम में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर पूजा-अर्चना कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा आदिवासी समाज के उत्थान में उनके योगदान को याद किया गया इसके बाद छत्तीसगढ़ के दयाल दास राखी धारवे के संगीत दल ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं मंडला के मिमिक्री कलाकार एवं गायक अभि वंशकार ने अपनी मिमिक्री गायन और विभिन्न आवाजों की प्रस्तुति से दर्शकों का मनोरंजन किया उनकी प्रस्तुतियों पर ग्रामीण झूम उठे कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा कार्यकर्ता जोरावर सिंह एवं जनपद पंचायत उपाध्यक्ष संदीप सिंगौर उपस्थित रहे इस अवसर पर शासकीय एकीकृत हाईस्कूल केहरपुर में वर्ष 2025 में कक्षा दसवीं उत्तीर्ण करने वाले सभी मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया इससे विद्यार्थियों



का उत्साहवर्धन हुआ कार्यक्रम में पौंडी सरपंच राजेंद्र धुर्वे, बेहगा सरपंच रतिराम वरकड़े, केहरपुर सरपंच सतवंत सिंह उलारी उपसरपंच पवन कुमार भांवरे, पंजू लाल उईके, राजेंद्र देशराज एवं गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के संगठन मंत्री जितेंद्र परते सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

सेवादल की सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, 560 बच्चों ने लिया भाग





मण्डला(स्वतंत्रमत)।

देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू एवं डॉ. एनएस हार्डिकर की जयंती के अवसर पर कांग्रेस सेवादल द्वारा आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया जिले के ग्राम खैरी स्थित सरदार पटेल कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस परिसर में आयोजित परीक्षा में 560 विद्यार्थियों ने पंजीयन कर सहभागिता की।

प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को पंडित जवाहर लाल नेहरू के जीवन विचारों और योगदान से परिचित कराने के साथ उनमें सामान्य ज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाना था कांग्रेस सेवादल के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी के निर्देशानुसार तथा प्रदेश अध्यक्ष अवनीश भार्गव के मार्गदर्शन में प्रदेशभर में यह आयोजन किया जा रहा है इसी कड़ी में जिले में सेवादल के जिलाध्यक्ष एवं जनपद पंचायत अध्यक्ष संतोष सोनू भल्लावी के नेतृत्व में प्रतियोगिता आयोजित की गई रविवार का अवकाश होने के बावजूद बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की उपस्थिति ने आयोजन के प्रति उनके उत्साह को दर्शाया प्रतियोगिता के प्रश्नपत्र में पंडित जवाहरलाल नेहरू के जीवन से संबंधित लगभग 50 प्रश्न वैकल्पिक पद्धति से पूछे गए। विद्यार्थियों ने प्रश्नों के उत्तर देकर अपनी ज्ञान क्षमता का प्रदर्शन किया। परीक्षा का संचालन सरदार पटेल कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के प्राचार्य आशीष ज्योतिषी एवं उनके स्टाफ की देखरेख में किया गया परीक्षा के मूल्यांकन के बाद परिणाम भी कॉलेज प्रबंधन द्वारा घोषित किए गए प्रतियोगिता में अनुज विश्वकर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया द्वितीय स्थान पर समान अंक प्राप्त होने के कारण चार प्रतिभागियों को संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान दिया गया इनमें सोमेश्वर झारिया, पिता विश्वेश्वर झारिया, दुर्गा यादव, पिता भारत यादव, मानवी चंद्रौल, पिता मुरली चंद्रौल तथा निशिता चौरसिया, पिता लवलेश चौरसिया शामिल हैं वहीं बम्हनी बंजर निवासी अमूल्य साहू पिता मनीष साहू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 5100 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 3100 रुपये तथा तृतीय पुरस्कार 2100 रुपये निर्धारित किया गया था कार्यक्रम में कांग्रेस जिलाध्यक्ष अशोक मर्सकोले, विधायक नारायण सिंह पट्टा, विधायक चैनसिंह वरकड़े, युवा कांग्रेस अध्यक्ष संजू अहिरवार, सेवादल प्रशिक्षक संतोष मिश्रा, राकेश तिवारी, राजेश कछवाहा, संजय चौरसिया एवं रजनीश उसरोटे, पवन उइके, शम्भूसिंह कोकडे, मनोज बैरागी,मयंक खंडेलवाल, अभिनव चौरसिया सहित लालू कछवाहा, कृष्ण कुमार चौरसिया, राजू वैष्णव, बिन्नू चौरसिया, मेवा धुर्वे, सौरव चंदेला और नारायण जंघेला सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

श्रृद्धा उत्साह से निकाली प्रभात फेरी

मण्डला/अंजनिया (स्वतंत्र मत)।



श्री गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व के अवसर पर अंजनिया में सिंधी समाज द्वारा श्रृद्धा और उत्साह के साथ प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी में मंडला भुआ-बिछिया और माधोपुर सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए सिंधी समाज के लोगों ने सहभागिता कर आयोजन की भव्यता बढ़ाई। इस दौरान नीलू महाराज भी विशेष रूप से शामिल हुए। प्रभात फेरी का शुभारंभ अंजनिया बाईपास से हुआ। प्रभात फेरी विभिन्न मार्गों से होते हुए समाज के सदस्यों के निवास स्थानों तक पहुंची। यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं ने गुरु नानक देव के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। पूरे आयोजन के दौरान धार्मिक उत्साह और सामाजिक एकता का वातावरण बना रहा। प्रभात फेरी संतोष मूलचंदानी, महेश नानकानी, राजू कटारिया, दीपू कटारिया, मयूर क्षत्री और भगवान दास नानकानी सहित समाज के सदस्यों के आवास मार्ग पहुंची इसके बाद प्रभात फेरी वापस संतोष मूलचंदानी एवं ठाकुर मूलचंदानी के घर पहुंचकर संपन्न हुई। कार्यक्रम में मंडला सिंधी समाज के अध्यक्ष चंद्र कुमार असरानी सहित मोहन तलरेजा, शंभू जेठमलानी, हरीश गुरवानी, गुलशन वरदानी, शक्ति क्षतीजा, कैलाश गिलानी, आकाश क्षत्री, हप्पी क्षत्री, प्रदीप तलरेजा और दीपक रोहरा सहित अनेक सामाजिक बंधु एवं नागरिक उपस्थित रहे।

गौरव दिवस पर मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

मण्डला/बिछिया(स्वतंत्रमत)। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर 15 नवंबर को नगर में गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके संघर्ष बलिदान एवं देश की आजादी में दिए गए योगदान को याद किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर परिषद बिछिया अध्यक्ष श्रीमती रजनी मरावी उपस्थित रहीं। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा मंडल अध्यक्ष नीरज भट्ट, भाजपा नेता डॉ विजय आनंद मरावी जिला मंत्री भाजपा शशिकांत श्रीवास्तव, सांसद प्रतिनिधि अशोक नानकानी, मनोनीत पार्षद चंद्र कुमार झारिया एवं बीईओ आतमजीत सिंह अहुवालिया की गरिमामयी उपस्थिति रही इस अवसर पर अतिथियों द्वारा विद्यार्थियों को पदक एवं सम्मान प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। भगवान बिरसा मुंडा के जीवन उनके संघर्ष और समाज के प्रति उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए नगर परिषद बिछिया



अध्यक्ष श्रीमती रजनी मरावी ने कहा कि उनका जीवन हमें अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने समाज को एकजुट रखने तथा अपनी संस्कृति और परंपराओं की रक्षा करने की प्रेरणा देता है कार्यक्रम में जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास शिक्षा के महत्व सामाजिक जागरूकता एवं नई पीढ़ी को महापुरुषों के आदर्शों से जोड़ने का संदेश दिया गया अतिथियों ने विद्यार्थियों को उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए उनके प्रयासों की सराहना की।

22 पेटी अवैध शराब जब्त चार आरोपी गिरफ्तार

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले में नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत मोतीनाला पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए 22 पेटी अवैध देशी-अंग्रेजी शराब जब्त की है पुलिस ने शराब परिवहन में इस्तेमाल की जा रही बोलेरो वाहन को भी जब्त किया है। जब्त शराब और वाहन की कुल अनुमानित कीमत 5 लाख 85 हजार 280 रुपये बताई गई है। मामले में चार आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं एसडी ओपी बिछिया के निर्देशन में जिले में नशे के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 15-16 नवंबर की दरमियानी रात थाना मोतीनाला पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि बैहर जिला बालाघाट की ओर से बोलेरो वाहन में अवैध शराब लाई जा रही है सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्यवाही करते हुए वाहन से कुल 22 पेटी देशी-अंग्रेजी शराब बरामद की पुलिस ने मौके से 174.96 लीटर शराब जब्त की जिसकी अनुमानित कीमत 85 हजार 280 रुपये बताई गई है। शराब परिवहन में प्रयुक्त बोलेरो वाहन क्रमांक एमपी51/टी/0725 की कीमत करीब पांच लाख रुपये आंकी गई है इस मामले में पुलिस ने राजा भानेश्वर निवासी मवई तथा राहुल कुमार साव राजू यादव और मनोज गुप्ता तीनों निवासी औरंगाबाद, बिहार के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी टीआई हेमंत बावरिया, एसआई संतोष उइके, हेड कांस्टेबल दिनेश जंघेला तथा आरक्षक पलाश, संदीप, मयंक और समीर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

ट्रक की चपेट में आया मोटरसाइकिल चालक हादसे में गंभीर रूप से घायल

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। नगर के मुख्य मार्ग मंडला सिवनी पर जेम्स ढाबा के पास 16 चक्का ट्रक ने अतरिया निवासी अनिल कोकड़ियां मोटरसाइकिल चालक को ढोकर मार घायल कर दिया। हादसे में मोटरसाइकिल सवार के हाथ-पैर में गम्भीर चोट आना बताया गया । घटना के बाद घायल को सिविल अस्पताल नैनपुर ले जाकर भर्ती कराया गया। ज्ञात हो रेल्वे फाटक से थावर चौराहे तक मुख्य मार्ग पर दुकानों के सामने बेतरतीब तरीके से वाहनों की पार्किंग की जाती आ रही है। सड़क पर खड़े वाहनों के कारण आवागमन बाधित होता है और दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। अब सवाल यह है कि क्या प्रशासन किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहा है? मुख्य मार्ग पर अव्यवस्थित पार्किंग पर रोक लगाने के लिए यातायात एवं नगर प्रशासन कब ठोस कदम उठाएगा?

बाल दिवस एवं जनजातीय गौरव दिवस पर विद्यार्थियों ने बिखेरी प्रतिभा की छटा

निवारी शासकीय विद्यालय में हुए विविध आयोजन, नृत्य, चित्रकला एवं भाषणों के माध्यम से बाल प्रतिभाओं ने दिया संदेश



नैनपुर (स्वतंत्र मत)।

बाल दिवस एवं जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर विकासखंड नैनपुर के शासकीय विद्यालयों में उत्साह और उल्लास के साथ विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। शासकीय नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय निवारी में आयोजित कार्यक्रमों में विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता, सांस्कृतिक प्रतिभा और वैचारिक अभिव्यक्ति से उपस्थितजनों को प्रभावित किया। कार्यक्रमों में देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के साथ जनजातीय समाज के महानायक भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष, त्याग और राष्ट्र के प्रति योगदान को स्मरण किया गया। शासकीय नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय निवारी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने चित्रकला, कविता, निबंध, प्रश्नोत्तरी एवं विभिन्न सांस्कृतिक नृत्यों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। भगवान बिरसा मुंडा के जीवन चरित्र पर विद्यार्थियों ने अपने विचारों और भावनाओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। कविताओं के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय समाज के योगदान और आदिवासी क्रांतिकारियों के शौर्य एवं बलिदान की गाथा को स्वर दिया गया। वहीं पारंपरिक जनजातीय नृत्यों ने भारतीय लोक एवं आदिम संस्कृति की समृद्ध झलक प्रस्तुत की। प्रश्नमंच के माध्यम से विद्यार्थियों को जिले, प्रदेश और देश के विकास में जनजातीय समुदाय की भूमिका एवं योगदान से परिचित कराया गया। बाल दिवस के अवसर पर पंडित जवाहरलाल नेहरू के जीवन और बच्चों के प्रति उनके स्नेहपूर्ण दृष्टिकोण की जानकारी भी दी गई। इस दौरान शिक्षक समुदाय ने भी अपने विचार साझा करते हुए विद्यार्थियों को शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक चेतना के महत्व से अवगत कराया।

विद्यालय के प्राचार्य दिलीप शरणागत ने अपने उद्बोधन में भगवान बिरसा मुंडा सहित जनजातीय समाज के महान क्रांतिकारियों के संघर्ष और राष्ट्र के प्रति उनके अमूल्य योगदान को रेखांकित किया। साथ ही पंडित जवाहरलाल नेहरू के व्यक्तित्व, विचारों एवं देश के विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों को महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश दिया।

संपादकीय

शिकारी खुद हुए शिकार!

मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण के नाम पर जो एसआईआर किया गया अथवा अब भी जारी है वह गलत, विरोधाभासी और फ्रॉड है। यह बात अब धीरे-धीरे साबित होने लगी है। अब तो सत्ताधारी भाजपा भी इसका शिकार हो रही है। जिन 13 राज्यों, संघशासित क्षेत्रों में एसआईआर किया जा चुका है, वहां भी यह प्रक्रिया फ्रॉड करार दी गई है, लेकिन उसे विपक्ष का 'राजनीतिक प्रलाप' मान लिया गया। अब उप्र के भाजपाई मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'वोट चोरी' तो नहीं कहा, लेकिन सवाल उठाया है कि विधानसभा की मतदाता सूची में 16 करोड़ से अधिक नाम होने चाहिए, लेकिन 13 करोड़ नाम ही हैं। ऐसा क्यों है? चुनाव आयोग के मुताबिक, उप्र के पंचायत, नगर निकाय की मतदाता सूची में 16.90 करोड़ से अधिक नाम हैं, जबकि विधानसभा सूची में 13.56 करोड़ से अधिक मतदाताओं के नाम हैं। अंतर 3.34 करोड़ मतदाताओं का है। यह गंभीर और जनादेश को प्रभावित करने वाला अंतर है। मुख्यमंत्री ने यह भी चिंता जताई है कि सूची से 1.27 करोड़ हिंदुओं के नाम गायब हैं। पंचायत सूची में दर्ज करीब 66 लाख वोटर और सरकारी योजनाओं के करीब 55 लाख लाभार्थियों के नाम और 18-19 साल के करीब 4.50 लाख मतदाताओं के नाम सूची में नहीं जोड़े गए हैं।

सवाल यह नहीं होना चाहिए कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इन आंकड़ों की जानकारी कैसे मिली? क्या इससे चुनाव आयोग और भाजपा की सांठगांठ साबित होती है? संवेदनशील और संवैधानिक सवाल यह किया जाना चाहिए कि इतने व्यापक स्तर पर 'मताधिकार' कैसे छीना जा रहा है? और केंद्र सरकार एसआईआर के समर्थन में राजनीति क्यों कर रही है? अब चुनाव आयोग उप्र में पंचायत, नगर निकाय और विधानसभा की तीनों मतदाता सूचियों का मिलान कर रहा है! यह कवायद बिहार, बंगाल से लेकर तमिलनाडु और केरल तक के राज्यों में नहीं की गई! यहां तक कि महाराष्ट्र, हरियाणा, मप्र, राजस्थान में भी नहीं कराई गई, जहां भाजपा सरकारें हैं! क्या 1.27 करोड़ मतदाताओं को भी घुसपैठिए करार दिया जा सकता है? देश भर में अभी तक 3 करोड़ से कुछ अधिक ऐसे नाम सामने आए हैं, जो मतदाता घर पर नहीं मिले अथवा बार-बार प्रयास करने के बावजूद उनसे संपर्क नहीं हो सका, लिहाजा उन 3 करोड़ नामों को गृहमंत्री अमित शाह ने घुसपैठिए घोषित कर दिया था। उप्र में गृहमंत्री कभी भी ऐसा नहीं करेंगे, क्योंकि भाजपा हिंदू मतदाताओं को तो अपना 'वोट बैंक' मानती है। गौरतलब यह है कि उप्र में जो जिले, इलाके 'भाजपा के गढ़' माने जाते रहे हैं और पार्टी वहां से लगातार जीतती रही है, वहां औसतन 20 फीसदी मतदाता काट दिए गए हैं। यहां कोई 'तार्किक विसंगति' नाम की चिड़िया भी नहीं है। फिर भी हिंदू नाम गायब कर दिए गए हैं, यह बहुत बड़ी राजनीतिक घटना है। भाजपा जरूर चिंतित होगी! क्या मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ऐसा दु:साहस कर सकते हैं कि अपने आकाओं के वोट बैंक पर ही 'लाल लाइन' फेर दें? संभव है कि यह भाजपा के भीतर नेतृत्व की लड़ाई का परिणाम हो और योगी को तीसरी बार जीतने की राह में कांच बिछाए जा रहे हों! हालांकि यह संभावना इसलिए खोखली लगती है, क्योंकि खुद प्रधानमंत्री मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह उप्र से ही लोकसभा सांसद हैं। प्रसंगवश यह भी गौरतलब है कि मुस्लिम मतदाता 1.65 फीसदी बढ़ गए हैं, लिहाजा अखिलेश यादव सरीखे नेताओं ने अब एसआईआर पर बयानबाजी ही बंद कर दी है। मुख्यमंत्री उन्हें उकसा रहे हैं कि अब अखिलेश 'वोट चोरी' और एसआईआर बंद करने का बयान दें। यह मुद्दा इसलिए बेहद नाजुक है, क्योंकि आम नागरिक के मौलिक अधिकार से जुड़ा है। एसआईआर के दौरान कई घोर गंभीर और गलत काम हुए हैं, नामों और ब्यौरों में विसंगतियां सामने आई हैं। यकीनन चुनाव आयोग ही जवाबदेह है।

हिंदी में बिंदी का कितना महत्व

बिंदी हिंदी पर लगे तो हिंदी बदल जाति है, गणित में लगे तो संख्या

राजेन्द्र सिंह जादौन

सरकार का काम उद्योगपतियों को सुविधा देना जरूर है, लेकिन सार्वजनिक संसाधनों और प्राकृतिक विरासत की रक्षा करना भी उतना ही जरूरी है। वैसे आम आदमी के जीवन में भी बिंदी का बड़ा महत्व है।



हिंदी में बिंदी का बड़ा महत्व है। एक छोटी-सी बिंदी किसी शब्द का अर्थ बदल देती है। नारी के माथे पर सज जाए तो खूबसूरती में चार चांद लगा देती है। लेकिन यही बिंदी जब किसी सरकारी फाइल में करोड़ों के आंकड़ों के बीच लग जाए तो अच्छे-अच्छे अर्थशास्त्रियों का गणित बिगाड़ सकती है। अब महाराष्ट्र में अडानी की बिंदी का कमाल देख लीजिए। यहां बिंदी ने ऐसा खेल दिखाया कि पांच हजार छह सौ पचहत्तर करोड़ रुपये का आंकड़ा सीधे छप्पन करोड़ पचहत्तर लाख रुपये पर आ गया। यानी 1500 मेगावाट बिजली पैदा करने वाली परियोजना के लागत संबंधी आंकड़े में सौ गुना का अंतर!

इसे देखकर तो हिंदी के अध्यापक भी कहेंगे कि बच्चों, बिंदी की ताकत समझो। कभी शब्द बदलती है, कभी संख्या और कभी-कभी तो सरकारी खजाने में जमा होने वाली रकम का हिसाब भी बदल देती है। मामला महाराष्ट्र के सतारा जिले की तारली पंप्ड स्टोरेज परियोजना का है। अडानी ग्रीन एनर्जी की इस प्रस्तावित 1500 मेगावाट परियोजना की लागत केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय के 11 फरवरी 2025 के दस्तावेज में 5,675 करोड़ रुपये दर्ज थी। परियोजना कोयना वन्यजीव अभयारण्य के आसपास के संवेदनशील क्षेत्र से संबंधित है, जो सह्याद्री टाइगर रिजर्व का हिस्सा है। 23 फरवरी 2026 को महाराष्ट्र राज्य वन्यजीव बोर्ड ने परियोजना को लेकर 15 शर्तें रखीं। इनमें एक महत्वपूर्ण शर्त थी कि परियोजना की लागत का चार प्रतिशत हिस्सा वन्यजीव संरक्षण के लिए सह्याद्री टाइगर रिजर्व में जमा कराया जाए। अब चार प्रतिशत का गणित भी समझ लीजिए। जब परियोजना की लागत 5,675 करोड़ रुपये थी तो चार प्रतिशत के हिसाब से लगभग 227 करोड़ रुपये जमा कराने की बात सामने आई। मार्च 2026 में वन विभाग के प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एम. श्रीनिवास रेड्डी ने कंपनी से यह राशि जमा कराने को कहा। लेकिन कहानी में असली मोड़ सितंबर में आया। 8 सितंबर 2026 को अडानी ग्रीन एनर्जी की ओर से एक नोटरीकृत हलफनामा प्रस्तुत किया गया। इसमें परियोजना की लागत 5,675 करोड़ रुपये के बजाय 56.75 करोड़ रुपये मानने का अनुरोध किया गया। इसके लिए कंपनी ने 'एनालॉगस एस्टिमेशन' यानी समान प्रकृति की परियोजनाओं के आधार पर अनुमान का हवाला दिया।

बस फिर क्या था! सरकारी गणित की कॉपी में नया आंकड़ा दर्ज हो गया। 12 अक्टूबर को वन विभाग ने संशोधित लागत स्वीकार कर ली। इसके बाद संरक्षण राशि का हिसाब भी बदल गया। पहले जहां 227 करोड़ रुपये जमा कराने की बात थी, वहीं संशोधित लागत के आधार पर कुल चार प्रतिशत राशि लगभग 2.27 करोड़ रुपये रह गई। कंपनी ने इसमें से 56.75 लाख रुपये जमा भी कर दिए। शेष तीन प्रतिशत यानी लगभग 1.7075 करोड़ रुपये राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की मंजूरी के बाद जमा किए जाने हैं। अब जरा इस गणित की खूबसूरती देखिए। परियोजना वही, बिजली उत्पादन की क्षमता वही, लेकिन लागत के आंकड़े में ऐसा बदलाव कि संरक्षण के लिए निर्धारित राशि में लगभग 224.73 करोड़ रुपये का अंतर आ गया। वाह रे बिंदी! माथे पर लगती तो श्रृंगार बढ़ाती, लेकिन यहां तो करोड़ों का हिसाब ही बदल गया! सवाल यह है कि आखिर 1500 मेगावाट बिजली उत्पादन वाली परियोजना की लागत 56.75 करोड़ रुपये कैसे हो सकती है? क्या यह पूरी परियोजना की लागत है या किसी शुरुआती सर्वेक्षण और साइट जांच का खर्च? अगर पहले दस्तावेज में 5,675 करोड़ रुपये दर्ज थे तो संशोधित आंकड़े का आधार क्या है? क्या इसकी स्वतंत्र तकनीकी जांच हुई? क्या लागत का पुनर्मूल्यांकन किसी विशेषज्ञ संस्था से कराया गया? यहां एक बात और समझने की जरूरत है। अडानी समूह ने मीडिया रिपोर्ट सामने आने के बाद अपना पक्ष रखते हुए कहा है कि 56.75 करोड़ रुपये का आंकड़ा केवल साइट जांच और सर्वेक्षण संबंधी खर्च को स्पष्ट करने के लिए दिया गया था, न कि पूरी परियोजना की वास्तविक लागत को कम करके बताने के लिए। समूह का यह भी कहना है कि परियोजना निजी और गैर-वन भूमि पर है तथा कोयना वन्यजीव अभयारण्य से लगभग 3.2 किलोमीटर दूर है। कंपनी ने संरक्षण संबंधी देनदारी कम करने के आरोपों को खारिज किया है। यानी अब सवाल और भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि अगर 56.75 करोड़ रुपये केवल सर्वेक्षण और साइट जांच का खर्च था, तो उसे परियोजना की कुल लागत मानकर संरक्षण राशि का नया हिसाब किस आधार पर स्वीकार किया गया? इस पूरे मामले में दस्तावेजों की व्याख्या और सरकारी प्रक्रिया की पारदर्शिता सामने आनी चाहिए। इस मामले को लेकर मानद वन्यजीव वार्डन रोहन भाटे ने 30 अक्टूबर को प्रधानमंत्री के जन शिकायत पोर्टल और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के समक्ष शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में परियोजना की लागत को गलत तरीके से कम दिखाने का आरोप लगाया गया। 5 नवंबर को कोयना वन्यजीव अभयारण्य के उपसंचालक को शिकायत की जांच करने के लिए कहा गया। इसके बाद 6 नवंबर को केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने महाराष्ट्र के वन विभाग को मामले की प्राथमिकता से जांच करने और उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। राज्य वन विभाग ने भी जांच शुरू कर दी है।

अब जब केंद्र सरकार ने जांच के निर्देश दे दिए हैं तो महाराष्ट्र सरकार को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। आखिर यह मामला किसी निजी कंपनी के मुनाफे या सरकारी विभाग की फाइल तक सीमित नहीं है। यह जंगल, वन्यजीव और भविष्य की पीढ़ियों के पर्यावरण से जुड़ा हुआ है। देश में उद्योग लगने चाहिए, निवेश आना चाहिए, बिजली उत्पादन बढ़ना चाहिए और रोजगार पैदा होना चाहिए। लेकिन विकास के नाम पर पर्यावरण संरक्षण के नियमों की पारदर्शिता से समझौता नहीं होना चाहिए। सरकार का काम उद्योगपतियों को सुविधा देना जरूर है, लेकिन सार्वजनिक संसाधनों और प्राकृतिक विरासत की रक्षा करना भी उतना ही जरूरी है। वैसे आम आदमी के जीवन में भी बिंदी का बड़ा महत्व है। बिजली का बिल आता है तो एक रुपया भी कम नहीं होता। किसान बैंक जाता है तो कर्ज की एक किश्त भी माफ करवाने के लिए चक्कर लगाने पड़ते हैं। गरीब आदमी पेंशन के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटता है। व्यापारी टैक्स में एक रुपये की गलती कर दे तो नोटिस आ जाता है। लेकिन जब हजारों करोड़ की परियोजना के आंकड़ों में इतना बड़ा अंतर सामने आए तो पूरा देश पूछ रहा है कि इस गणित का मास्टर कौन है? क्या देश के छोटे उद्योगपतियों को भी यह गणित सिखाया जाएगा? क्या किसान भी अपनी फसल की लागत का नया हलफनामा देकर कर्ज का आंकड़ा कम कर सकता है? क्या आम आदमी भी बिजली विभाग को बता सकता है कि उसका बिल पुराने अनुमान पर बना था, अब नई बिंदी के हिसाब से जमा करिए? निश्चित ही नहीं! क्योंकि आम आदमी की फाइल में बिंदी लगाने से पहले दस अधिकारियों की अनुमति चाहिए, लेकिन यहां इतने बड़े वित्तीय अंतर का मामला सामने आने के बाद भी जनता को जवाब का इंतजार है।

जलवायु नीति के केंद्र में हो मातृ स्वास्थ्य, कॉप-31 के मंच पर तुर्किये में किन योजनाओं पर हो रहा मंथन?

पत्रलेखा चटर्जी

तुर्किये के अंताल्या में आयोजित जलवायु शिखर सम्मेलन कॉप-31 में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) के कार्यकारी सचिव साइमन स्टिएल ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से निपटने की योजनाओं में लोगों की सेहत को सबसे अधिक महत्व देना जरूरी है। भारत में भीषण गर्मी को आमतौर पर कामकाज के दिनों में कमी, फसलों को नुकसान और अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले असर से जोड़कर देखा जाता है। पर, इसके स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों पर भी गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है। गर्भावस्था और प्रसव जलवायु परिवर्तन से जुड़ी बड़ी चुनौती बनकर उभर रहे हैं, जिसका असर महिलाओं पर पड़ रहा है। इसके बावजूद, सरकारी नीतियों और सार्वजनिक चर्चाओं में इस समस्या को अब भी पर्याप्त जगह नहीं मिल रही है। कई देशों में किए गए सर्वेक्षणों के अनुसार, मातृ स्वास्थ्य से जुड़े लगभग हर स्वास्थ्यकर्मी ने ऐसी गर्भवती महिला या नवजात शिशु का इलाज किया है, जिसकी स्वास्थ्य समस्या के पीछे उन्होंने भीषण गर्मी को एक संभावित कारण माना।

साइमन स्टील ने कुछ ऐसे सवाल उठाए हैं, जिनका जवाब हर राष्ट्रीय जलवायु अनुकूलन योजना के पास होना चाहिए। क्या स्वास्थ्य केंद्र लू के दौरान भी खुले रह सकते हैं? क्या बाढ़ के बाद वहां सुरक्षित पेयजल उपलब्ध होगा? क्या स्वास्थ्यकर्मी किसी बीमारी के प्रकोप को फैलने से पहले पहचान सकते हैं? क्या सबसे अधिक जोखिम वाली महिलाओं को समय पर इलाज मिल पाएगा? ये महज सैद्धांतिक सवाल नहीं हैं। यह इस बात पर निर्भर करता है कि मां और बच्चा सुरक्षित घर लौटेंगे या नहीं। भारत के संदर्भ में ये सवाल कहीं अधिक गंभीर हो जाते हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला है कि गर्भावस्था के पहले तीन महीनों में तेज गर्मी पड़ने से समय से पहले बच्चे के जन्म का खतरा बढ़ता है। वहीं, अगले तीन महीनों में गर्मी के संपर्क में रहने से कम वजन वाले बच्चों के जन्म की आशंका अधिक होती है।



मई 2026 में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) भारत के साथ मिलकर इसी अंतर को लक्षित करते हुए दिशानिर्देश जारी किए। यह दस्तावेज डॉक्टरों, नर्सों और अग्रिम पंक्ति के कर्मियों के लिए है। इसमें साफ कहा गया है कि केवल एक अत्यधिक गर्म दिन भी हृदय-संबंधी तनाव, उच्च रक्तचाप संबंधी विकार, समय से पूर्व जन्म, मृत जन्म, कम जन्म-वजन और जन्मजात विसंगतियों का जोखिम बढ़ा सकता है। भारत की अधिकांश गर्मी से निपटने की योजनाएं गर्भवती महिलाओं को संवेदनशील समूहों में गिनती हैं। समस्या यह है कि इस मान्यता को ठोस रूप में ढाला नहीं गया है। 2026 में राज्यों की गर्मी और जलवायु अनुकूलन योजनाओं के विश्लेषण में पाया गया कि 35 में से 12 राज्यों (करीब 33 फीसदी) की योजनाओं में गर्भवती व स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए कोई सुझाव नहीं दिया गया था। बाकी 23 योजनाओं में कुल 214 उपाय बताए गए थे, जिनमें 102 अलग-अलग तरह के उपाय थे। हालांकि, इनमें से केवल 40 उपाय सीधे तौर पर गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को भीषण गर्मी से बचाने से जुड़े थे। राज्यों की योजनाओं में ज्यादातर सामान्य सलाह दी गई थी। इसके विपरीत, बुनियादी ढांचे और व्यवस्था से जुड़े उपायों को अपेक्षाकृत कम जगह मिली है। इसलिए, गर्मी की योजनाओं में मातृ देखभाल को शामिल करने के कुछ कदम उठाने जरूरी हैं। स्वास्थ्य मंत्रालयों की भागीदारी राष्ट्रीय और राज्य स्तर की जलवायु अनुकूलन योजनाओं को तैयार करने के शुरुआती चरण से ही सुनिश्चित की जानी चाहिए। चरम मौसमी घटनाओं के दौरान तापमान नियंत्रण और जलापूर्ति के स्पष्ट व मापने योग्य मानदंड शामिल होने चाहिए। पूर्व चेतावनी प्रणालियां केवल सलाह तक सीमित न रहें, बल्कि प्रसवपूर्व और प्रसव सेवाओं के लिए जरूरी संसाधन व स्वास्थ्यकर्मियों की उपलब्धता भी सुनिश्चित करें। इसके लिए पर्याप्त बजट भी जरूरी है। शीतलन उपकरण, आशा कार्यकर्ताओं की अतिरिक्त सेवाओं और जोखिमग्रस्त महिलाओं के लिए परिवहन सहायता पर खर्च, नवजातों के इलाज और मातृ स्वास्थ्य से होने वाले आर्थिक नुकसान की तुलना में काफी कम है।

घर में लगी आतंक की आग से दहलता पाकिस्तान

अरविंद रावल

एक कहावत बड़ी मशहूर है कि जब अपने घर में आग लगती है, तभी उसके धुएँ का एहसास आदमी को अच्छी तरह होता है। यह कहावत पिछले पांच दशकों से आतंकियों को पाल पोस रहे पाकिस्तान के सत्ता के हुक्मरानों पर सौ फीसदी सटीक बैठती है। आज उन्हें अपने ही देश में आतंकियों के हमलों से उठती चीख पुकार और आग की ऊँची लपटों से निकलते धुएँ का एहसास अच्छी तरह हो रहा है। लेकिन अफसोस, पाकिस्तानी हुक्मरानों और सेना प्रमुख का अपने ही पाले हुए आतंकियों पर अब कोई नियंत्रण नहीं रह गया है। बल्कि यह कहना अधिक सत्यपरक होगा कि मौजूदा पाकिस्तानी सरकार और सेना पर अब आतंकियों के आकाओं का नियंत्रण हो गया है। भारत विरोधी नीतियों के चलते पाकिस्तान में कभी भी लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकारें अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाईं। भारत को आतंकवाद के बूते कमजोर करने की नीति के चलते पाकिस्तान की सरकारें अपनी आजादी के बाद से ही कट्टरपंथी भारत विरोधी ताकतों के हाथों की कठपुतली बनती रहीं। यही वजह है कि वहाँ की सरकारों पर सेना हमेशा हावी रही और लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकारें आतंक के आकाओं के दबाव में काम करती रहीं। इसके परिणामस्वरूप खनिज संपदा, भरपूर प्राकृतिक संसाधनों और प्राकृतिक सौंदर्य से संपन्न होने के बावजूद पाकिस्तान आर्थिक रूप से सक्षम होने के बजाय साल दर साल बदहाल और कंगाल होता जा रहा है।जिस आतंकवाद के बीज पाकिस्तान ने दशकों पहले अपनी ही कोख में भारत के अस्तित्व और उसकी अर्थव्यवस्था को कमजोर करने के लिए बोए थे, वे आतंकी भारत के अस्तित्व और उसकी अर्थव्यवस्था को तो खत्म नहीं कर पाए, लेकिन पाकिस्तान के अपने ही पाले हुए आतंकी सपोलों ने आज उसके अस्तित्व, अर्थव्यवस्था पर ग्रहण जरूर लगा दिया है। भारतीय सेना और भारत सरकार की आतंकवाद के खिलाफ सख्त नीति के चलते देश में आतंकियों के नेटवर्क को लगातार कमजोर किया गया है। आतंकवाद के खिलाफ सुरक्षा एजेंसियों की कार्रवाई निरंतर जारी है, छिपे हुए आतंकियों तथा उनके नेटवर्क पर भी नजर रखी जा रही है। अभी 2026 समाप्त भी नहीं हुआ है और पाकिस्तान में एक हजार से अधिक छोटे बड़े आतंकी हमले हो चुके हैं, जिनमें करीब दो हजार निर्दोष लोगों के साथ साथ सैकड़ों पाकिस्तानी सेना और पुलिस के जवान अपनी जान गंवा चुके हैं। बेशक पाकिस्तानी हुक्मरान और सेना अपने ही पाले हुए आतंकी सपोलों के डसने से बेहद आहत हैं, लेकिन जनता के बीच अपनी नाकामी छुपाने के लिए इन हमलों को भारत द्वारा प्रायोजित बताने का प्रयास कर रहे हैं। पाकिस्तानी हुक्मरानों, सेना प्रमुख के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती अपने देश का अस्तित्व बचाए रखना है। यदि पाकिस्तानी हुक्मरान और सेना प्रमुख अब भी अपने देश को बचाने के लिए नहीं जागे तो संभव है कि नए वर्ष 2027 में पाकिस्तान का भूगोल और नक्शा ही बदला हुआ दुनिया को दिखाई दे। भारत विरोधी मानसिकता के चलते जिस आतंकवाद को पाकिस्तान ने अपनी कोख में पाला-पोसा था, वही आतंकवाद आज न केवल पाकिस्तान की कोख उजाड़ने पर आमादा है, बल्कि उसके राष्ट्रीय अस्तित्व के लिए भी एक बड़ा संकट बनकर खड़ा हो गया है। आतंकवाद की आग दूसरों के घर जलाने के लिए लगाई जाती है, जब उसकी लपटें अपने ही आँगन तक पहुँचती हैं, तब उसकी भयावहता का वास्तविक एहसास होता है।

दुनिया के नफरती शासकों के लिये सन्देश हैं अमेरिकी उपचुनाव

तनवीर जाफ़री

अमेरिकी मध्यावधि चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी ने शानदार जीत दर्ज करते हुए अमेरिकी संसद (कांग्रेस) के दोनों सदनों यानी सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेज़ेनटेटिव्स पर पूर्ण नियंत्रण हासिल कर लिया है।रिपब्लिकन पार्टी के दोनों सदनों में बहुमत खोने के बाद अब ट्रंप के शेष कार्यकाल के लिए अमेरिका में विभाजित सरकार की स्थिति बन गई है। 13 नवंबर 2026 तक घोषित आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार ऊपरी सदन यानी 100 सीटों वाली यूएस सीनेट ने 55 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है। डेमोक्रेटिक पार्टी में दो निर्दलीय सांसद भी शामिल हैं जो डेमोक्रेट्स के साथ गठबंधन में हैं। जबकि सत्तारूढ़ रिपब्लिकन पार्टी 44 सीटों पर सिमट गई है। इसी तरह कुल 435 सीटों वाले निचले सदन यानी यूएस हाउस ऑफ़ रिप्रेज़ेनटेटिव्स में जहां बहुमत के लिए 218 सीटों की आवश्यकता होती है। अब तक घोषित 424 सीटों में से डेमोक्रेटिक पार्टी ने 255 सीटें जीत ली हैं, जबकि रिपब्लिकन पार्टी को 169 सीटें मिली हैं। यह पिछले 112 वर्षों में हाउस चुनावों में डेमोक्रेट्स की दूसरी सबसे बड़ी जीत बताई जा रही है। कई रिपब्लिकन गढ़ों में सेंध लगाते हुये डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों ने उन रायों में भी कई सीनेट सीटें जीतीं जिन्हें पारंपरिक रूप से रिपब्लिकन गढ़ माना जाता है। इनमें आयोवा,नॉर्थ कैरोलिना, मेन (ट्रॉय डेल जैक्सन), साउथ कैरोलिना (एनी एंड्रयूज़) और मिसिसिपी (स्कॉट कोलोम) जैसी सीटें शामिल हैं। इसी तरह जॉर्जिया में डेमोक्रेट कीशा लांस बॉटम्स अमेरिका के किसी भी राय की गवर्नर चुनी जाने वाली पहली अश्वेत महिला बनीं। वहीं न्यू मैक्सिको में डेब हैलैंड अमेरिका की पहली मूल अमेरिकी महिला गवर्नर चुनी गईं। मिशिगन से अब्दुल अल-सैयद देश के पहले मुस्लिम सीनेटर और न्यू हैम्पशायर से क्रिस पप्पास पहले खुले तौर पर समलैंगिक पुरुष सीनेटर चुने गए हैं। माना जा रहा है कि जनवरी 2027 में नई कांग्रेस के शपथ लेने के बाद राष्ट्रपति ट्रंप के लिए अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाना अब बेहद कठिन हो जाएगा। सीनेट और हाउस दोनों पर नियंत्रण होने के कारण डेमोक्रेटिक पार्टी अब राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा की जाने वाली न्यायिक और कैबिनेट नियुक्तियों को रोकने की शक्ति रखेगी। इसके साथ ही, डेमोक्रेटिक नेतृत्व वाली संसदीय समितियां व्हाइट हाउस के कामकाज और नीतियों की जांच भी शुरू कर सकेंगी।



अब सवाल यह है कि क्या शांतिप्रिय अमेरिकी जनता को ट्रंप की मागा Make America Great Again मुहीम रास नहीं आयी या फिर वे MAGA की आड़ में छुपे ट्रंप के नफ़रती व पूंजीवादी एजेंडे को पहचान गये ? दरअसल ईरान पर अमेरिका द्वारा अकारण युद्ध थोपे जाने और ग़ज़ा नरसंहार के नायक बेंजमिन नेतन्याहू के लगभग हर मानवता विरोधी मिशन में उसका साथ देते रहने वाले ट्रंप ने अपने भाषणों में साम्प्रदायिकता का ज़हर उगलकर पिछले दिनों हुये अमेरिकी उपचुनावों को भी नफ़रती रंग देने की भरपूर कोशिश की। उन्होंने चुनाव अभियानों के दौरान डेमोक्रेटिक पार्टी के मुस्लिम उम्मीदवारों के ख़िलाफ़ कई तीखे और विवादास्पद बयान दिए। इनमें आतंकवाद से जोड़ना, नागरिकता पर सवाल उठाना, नाम बिगाड़ना और धार्मिक क़ानून का डर दिखाना आदि शामिल था। मिसाल के तौर पर मिशिगन से यूएस सीनेट का चुनाव जीतने वाले डेमोक्रेटिक उम्मीदवार अब्दुल अल-सैयद चुनाव प्रचार के दौरान ट्रंप के निशाने पर रहे। ट्रंप ने मिशिगन की चुनावी रैलियों में अल-सैयद को बार-बार क्रूर, हिंसक व जिहादी कहा। ट्रंप ने कहा कि वे मिशिगन इसलिए आए हैं ताकि एक जिहादी मुस्लिम ब्रदरहुड सदस्य को अमेरिकी सीनेटर बनने से रोका जा सके। चुनाव से ठीक पहले 1 नवंबर 2026 को एक रैली में ट्रंप ने कहा था कि यदि अल-सैयद चुनाव जीत जाते हैं, तो सीनेट में प्रवेश करने से पहले उनकी जांच करने के लिए वहां मेटल डिटेक्टर लगाने पड़ेंगे। उन्होंने अपने भाषणों में जानबूझकर अब्दुल अल-सैयद को मोहम्मद कहकर संबोधित किया। ट्रंप के नफ़रती बयान की हद तो यह है कि ट्रंप ने मतदाताओं से अपील की कि वे अल-सैयद को हराकर उन्हें वापस वहीं भेज दें जहां से वे आए हैं। जबकि अल-सैयद का जन्म अमेरिका के मिशिगन में ही हुआ है। इसके अतिरिक्त ट्रंप ने अल-सैयद का विरोध करने के लिए 9/11 आतंकी हमलों की तस्वीरों का भी इस्तेमाल किया।

इतना ही नहीं बल्कि ट्रंप ने हाउस ऑफ़ रिप्रेज़ेनटेटिव्स अर्थात प्रतिनिधि सभा की वर्तमान मुस्लिम सदस्यों इल्हान उमर और रशीदा तालिब पर भी तीखे व्यक्तिगत और राजनीतिक हमले किए। उन्होंने उमर के मूल देश सोमालिया का उपहास उड़ाते हुए कहा कि वह एक ऐसे देश से आती हैं जो असल में एक देश भी नहीं है। अगस्त 2026 में ट्रंप ने सोमाली मूल के लोगों और नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा था कि वे बुद्धिमान नहीं हैं, उनमें कोई योग्यता नहीं है और वे हमें बता रहे हैं कि हमें अपना देश कैसे चलाना है। इसी दौरान उन्होंने ओवल ऑफ़िस में कहा कि हमारे यहां हर जगह जिहादी चुने जा रहे हैं। इसी तरह ट्रंप ने मिशिगन से सांसद रशीदा तालिब और इल्हान उमर के लिए बार-बार कहा कि उन्हें अपने मूल देशों (फ़िलिस्तीन और सोमालिया) वापस चले जाना चाहिए, जबकि रशीदा तालिब का भी जन्म अमेरिका में ही हुआ है। ट्रंप द्वारा केवल कुछ मुस्लिम उम्मीदवारों पर व्यक्तिगत रूप से ही नहीं, बल्कि पूरे डेमोक्रेटिक खेमे के मुस्लिम नेताओं को लेकर ट्रंप और उनके सहयोगियों ने एक व्यापक नैरेटिव तैयार किया था। ट्रंप और रिपब्लिकन नेताओं ने चुनाव प्रचार में यह दावा किया था कि मुस्लिम उम्मीदवारों के जीतने से अमेरिका में शरिया क़ानून लागू हो जाएगा। नफ़रती ट्रंप ने बिना किसी सबूत के मुस्लिम उम्मीदवारों पर कई प्रतिबंधित संगठनों और मुस्लिम ब्रदरहुड से जुड़े होने तक के झूठे व बेबुनियाद आरोप लगाए और अमेरिका के प्रति उनकी निष्ठा पर सवाल उठाए। ग़ौरतलब है कि 2025 के न्यूयॉर्क शहर के मेयर चुनाव अभियान के दौरान उन्होंने ज़ोहरान ममदानी के ख़िलाफ़ भी कई तीखे, व्यक्तिगत,नस्लवादी व अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था।उन्होंने ममदानी को 100 पागल कम्युनिस्ट ,आपदा, अनाकर्षक,विदेशी,देश विरोधी, न्यूयार्क को बर्बाद करने वाला बताते हुए उनपर इस्लामोफ़ोबिक हमले किए थे। परन्तु ममदानी को भी न्यूयार्क के लोगों ने मेयर चुनाव में विजयी बनाया।

रिपब्लिकन पार्टी विशेषकर ट्रंप द्वारा अमेरिकी चुनाव के इतिहास में किये गये इस तरह के सांप्रदायिकतावादी दुष्प्रचार का अमेरिका में पुरज़ोर विरोध किया गया। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और बिल क्लिंटन जैसे कई बड़े नेताओं ने ट्रंप द्वारा मुसलमानों के विरुद्ध किये जाने वाले दुष्प्रचार की आलोचना की। अनेक संगठनों ने भी ट्रंप की इस नफ़रती बयानबाज़ी की निंदा करते हुए इसे नस्लवादी क़रार दिया। उधर इस आक्रामक और इस्लामोफ़ोबिक प्रचार का उल्टा असर यह हुआ कि इसने मुस्लिम और अल्पसंख्यक मतदाताओं को तो लामबंद किया ही साथ ही उदारवादी अमेरिकन ईसाईयों ने भी डेमोक्रेटिक पार्टी का समर्थन किया जिसके परिणामस्वरूप 2026 के चुनावों में रिकॉर्ड 7 मुस्लिम उम्मीदवार अमेरिकी कांग्रेस के लिए चुने गए। नि:संदेह अमेरिका के चुनाव दुनिया के नफ़रती शासकों के लिये साफ़ सन्देश हैं कि नफ़रत की सियासत अधिक समय तक परवान नहीं चढ़ती।

एनवीडिया ही नहीं, ड्रैगन के निशाने पर पूरी दुनिया

कैसे काम करता है चीन का सबसे बड़ा खुफिया नेटवर्क ?

वाशिंगटन

एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग से जुड़े ताजा मामले ने चीनी जासूसी के दायरे को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा की है। इस घटना ने दुनिया भर की सरकारों द्वारा बताए जा रहे उस चीनी अभियान की ओर ध्यान खींचा है, जिसका मकसद व्यावसायिक-तकनीकी जानकारियों को जुटाना और सैन्य योजनाओं की खुफिया जानकारी चुराना है। वहीं बीजिंग ने इन आरोपों को खारिज करते हुए इसे बदनामी की साजिश करार दिया है. चीन ने कहा है कि अमेरिका तकनीक निर्यात प्रतिबंधों को जायज ठहराने के लिए चीनी जासूसी की कहानियां गढ़ रहा है।

अधिकारियों का कहना है कि यह गतिविधि वैश्विक स्तर पर चल रही है। जर्मनी का आरोप है कि एक कपल ने यहां अनुवादक और ऑटो-उद्योग के कर्मचारी बनकर ड्रोन, कंप्यूटर विज्ञान और एयरोस्पेस के जानकारों से संपर्क बढ़ाया।

उन्होंने इनमें से कुछ लोगों को चीन ले जाकर वहां की सरकारी



हथियार कंपनियों के लिए नागरिक (सिविलियन) विषयों पर व्याख्यान दिलवाए।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, न्यूजीलैंड की खुफिया एजेंसी का कहना है कि सरकार से करीबी संबंध रखने वाली एक चीनी (ऑब्जर्वेटरी) ने एक स्थानीय कंपनी के जरिए अंतरिक्ष-ट्रैकिंग उपकरण लगाने की कोशिश की, जिसका मकसद सैन्य खुफिया जानकारी जुटाना था। ताइवान का कहना है कि चीनी एजेंट सोशल मीडिया पर कर्ज में डूबे सैनिकों को निशाना बनाते हैं। वे उन्हें लोन का लालच देकर फंसाते हैं और फिर उनसे गोपनीय जानकारियां निकलवाते हैं या उनके साथियों से परिचय मांगते हैं।

एफबीआई ने चीनी जासूसी को अमेरिका की आर्थिक भलाई के लिए एक गंभीर खतरा बताया है। ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी स्ख्ठ ने 2022 में कहा था कि वह चीन से जुड़ी सात गुना अधिक जांच कर रही है, जितनी चार साल पहले कर रही थी कनाडा की खुफिया एजेंसी चीन को अपना %सबसे बड़ा काउंटर-इंटेलिजेंस खतरा% मानती है, जबकि डच खुफिया एजेंसी का कहना है कि चीनी डिजिटल जासूसी, जो तकनीकी कंपनियों को निशाना बनाती है।

ब्रिटेन की संसदीय निगरानी संस्था ने चीन की व्यवस्था को दुनिया का सबसे बड़ा सरकारी खुफिया तंत्र बताया है, जिसमें सेना, पुलिस और पार्टी के अंग भी शामिल हैं।

फिलीपींस में, संदिग्ध जासूसों ने युद्धपोतों और नौसैनिक अड्डे के पास ड्रोन का इस्तेमाल किया। इसके अलावा, उन्होंने ऐसे वाहनों का भी उपयोग किया जिनमें नकली सेलफोन टावर, कैमरे और मैपिंग तकनीक लगी थी, ताकि संवेदनशील जगहों की निगरानी की जा सके। अधिकारियों का कहना है कि इन एजेंटों ने रक्षा प्रतिष्ठान के लोगों को अपने साथ मिलाया और नौसैनिक कर्मियों के नाम हासिल किए। साथ ही, उन्होंने विवादित दक्षिण चीन सागर की चौकियों पर सैनिकों की अदला-बदली और जरूरी सामान पहुंचाने के मिशनों का शेड्यूल भी पता कर लिया। एक जांचकर्ता के अनुसार, इस नेटवर्क में सैकड़ों लोग शामिल थे। चीन ने इन आरोपों को बेबुनियाद बताया है।

चीन के मिनिस्ट्री ऑफ स्टेट सिक्योरिटी% (स्ख्स्) जो उसकी मुख्य असैन्य खुफिया एजेंसी है का दायरा विदेशों तक फैला हुआ है। अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, संदिग्ध चीनी जासूसों ने फर्जी कंसल्टेंसी फर्मों, आकर्षक नौकरी के प्रस्तावों और ड्ढ से बनी तस्वीरों का इस्तेमाल किया।

इसके जरिए उन्होंने सुरक्षा मंजूरी (सिक्योरिटी क्लीयरेंस) वाले अमेरिकियों को फंसाया और उन्हें एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप्स पर बातचीत करने के लिए राजी किया। अक्टूबर में, अमेरिकी काउंटर-इंटेलिजेंस अधिकारियों ने चेतावनी दी थी कि बीजिंग ऐसे टूल्स का इस्तेमाल कर रहा है, जिससे अमेरिकी अधिकारियों और सरकारी कर्मचारियों की प्रोफाइल बनाई जा सके और उनकी कमजोरियों का पता लगाया जा सके।

ब्रिटेन के 100 से अधिक शिक्षाविदों ने ऐसे प्रोजेक्ट्स में योगदान दिया, जिन्हें अंततः स्ख्स् द्वारा फंड किया गया था। जून में, स्ख्ठ्ठ और अमेरिकी न्याय विभाग ने बताया कि संदिग्ध चीनी जासूसों ने अमेरिकियों को फंसाने के लिए फर्जी कंसल्टेंसी और नौकरी के प्रस्तावों का सहारा लिया।

तुम्हें ढूंढ निकालेंगे, मीनाब हमले का आदेश देने वाले दो अमेरिकी अधिकारियों को ईरान की चेतावनी

तेहरान

ईरान ने अमेरिकी नौसेना के दो अधिकारियों को खुली चेतावनी दी है। दक्षिण अफ्रीका स्थित ईरानी दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बयान जारी कर दो अधिकारियों पर फरवरी संघर्ष के दौरान मिनाब स्कूल पर हुए हमले का आरोप लगाया है, जिसमें 168 बच्चों की मौत हो गई थी।

ईरान ने साफ कहा है कि वह इन दोनों को ढूंढ निकालेगा। दूतावास ने आठ महीने पुरानी अपनी उस पोस्ट को भी फिर से शेयर किया है, जिसमें इन अमेरिकी अधिकारियों को अपराधी बताया गया था।

दूतावास ने अपनी पुरानी पोस्ट का हवाला देते हुए चार शब्दों में लिखा, हम तुम्हें ढूंढ निकालेंगे। दूतावास ने इन अधिकारियों की पहचान कमांडर ली आर टेट (जो स्स् स्प्रांस के कमांडिंग ऑफिसर हैं) और लेफ्टिनेंट कमांडर जेफ्री ई यॉर्क (जो इसी युद्धपोत के एग्जीक्यूटिव ऑफिसर हैं) के रूप में की है।

29 मार्च की उस पोस्ट में लिखा था, इन दो अपराधियों को



याद रखें। कमांडर ली आर टेट और स्स् स्प्रांस के एग्जीक्यूटिव ऑफिसर जेफ्री ई यॉर्क, जिन्होंने तीन बार टोमाहॉक मिसाइलें दागने का आदेश दिया था। फरवरी में ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजरायल युद्ध की शुरुआत में अमेरिका की एक मिसाइल मिनाब के शजरे तैय्यबेह स्कूल पर गिरी, जिसमें 123 बच्चों सहित कम से कम 168 लोग मारे गए थे। ईरान ने साफ कहा है कि वह इन दोनों को ढूंढ निकालेगा। दूतावास ने आठ महीने पुरानी अपनी उस पोस्ट को भी फिर से शेयर किया है, जिसमें इन अमेरिकी अधिकारियों को अपराधी बताया गया था।

यह धमकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप द्वारा तेहरान को अमेरिकी अधिकारियों पर हमला न करने की चेतावनी देने के एक दिन बाद आई है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान, ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी थी कि अगर किसी वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी की हत्या की जाती है, तो ईरान का अस्तित्व ज्यादा लंबे समय तक नहीं बचेगा। यह ताजा धमकी ऐसे समय में आई है जब अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट को तेहरान से जुड़ी लगातार मिल रही जान से मारने की धमकियों के कारण, वाशिंगटन स्थित उनके आवास से हटाकर एक सैन्य अड्डे पर ले जाया गया है।

ताइज़ में सैनिकों की फिर से तैनाती कर रही है यमनी सेना

अदन, (वार्ता) । यमन की सेना हूती विद्रोहियों की घेराबंदी तोड़ने के लिए ताइज़ में सैनिकों की फिर से तैनाती कर रही है। वहीं, हूती विद्रोहियों ने दावा किया कि सरकारी बलों को रणनीतिक बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य के आसपास के ठिकानों से पीछे हटना पड़ा है। यमनी सेना ने कहा कि वह खतरों का मुकाबला करने और नागरिकों की सुरक्षा के लिए दक्षिणी तथा दक्षिण-पश्चिमी मोर्चों पर सैनिकों की तैनाती में बदलाव कर रही है। उसने बताया कि ताइज़, मारिब और अल-जौफ में लड़ाई जारी है। यह बयान सरकार समर्थक बलों की ओर से लाल सागर तट पर बाब अल-मंदेब और पड़ोसी धुबाब इलाके से पीछे हटने की घोषणा के बाद आया है। सूचना मंत्री सालेम अबुबक्र मोहम्मद साबित अल-अवलाकी ने कहा कि इस कदम से सरकार की अस्थायी राजधानी अदन और आसपास के प्रांतों को हूतियों की सैन्य गतिविधियों से बचाने में मदद मिलेगी। सूचना मंत्री सालेम अबुबक्र मोहम्मद साबित अल-अवलाकी ने कहा कि इस कदम से सरकार की अस्थायी राजधानी अदन और आसपास के प्रांतों को हूतियों की सैन्य गतिविधियों से बचाने में मदद मिलेगी। पीछे हट रहे सैनिकों ने कहा है कि वे खतरे वाले मोर्चों पर अपनी ताकत बढ़ाएंगे और ताइज़ की घेराबंदी खत्म करने के प्रयास जारी रखेंगे। हूतियों ने इससे अलग दावा करते हुए कहा है कि सरकारी बलों ने अपने ठिकाने और आपूर्ति मार्ग खो दिए हैं तथा दबाव में अदन की ओर पीछे हट रहे हैं।

दिल्ली में छठपूजा : मुख्यमंत्री भी हुयी पूजा-अर्चना में शामिल

नयी दिल्ली, (वार्ता)

छठ महापर्व के अंतिम दिन सोमवार को दिल्ली में विभिन्न घाटों पर बड़ी संख्या में छठ व्रती महिलाओं और श्रद्धालुओं ने उगते सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित कर चार दिवसीय कठिन व्रत का समापन किया। इस पावन अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने हाथी घाट पहुंचकर छठ व्रतियों के साथ पूजा-अर्चना में शामिल होकर भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया । इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि छठ महापर्व केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध लोक संस्कृति, पारिवारिक एकजुटता, अनुशासन, स्वच्छता और सामाजिक समरसता का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि छठ महापर्व



दिल्ली में रहने वाले पूर्वांचल के लाखों भाई-बहनों के लिए आस्था और भावनाओं से जुड़ा एक अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है। आज यमुना के घाटों पर पूरा समाज एक साथ छठी मैया की आराधना कर रहा है। पूर्वांचल के लोगों ने अपनी मेहनत और योगदान से दिल्ली को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वे दिल्ली परिवार का अभिन्न हिस्सा हैं और उनकी संस्कृति, परंपराओं व त्योहारों का सम्मान करना सरकार का दायित्व है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छठ महापर्व केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध लोक संस्कृति, पारिवारिक एकजुटता, अनुशासन, स्वच्छता और सामाजिक समरसता का भी प्रतीक है। यह पर्व हमें प्रकृति के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का भाव सिखाता है। उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर व्रती जीवन में नई ऊर्जा, आशा और सकारात्मकता का स्वागत करते हैं। उन्होंने छठी मैया के चरणों में प्रार्थना करते हुए कहा कि उनका आशीर्वाद देश और दिल्ली के सभी नागरिकों पर बना रहे ताकि विकसित भारत और विकसित दिल्ली का संकल्प साकार हो तथा देश का हर परिवार सुख, समृद्धि और खुशहाली प्राप्त करे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने छठ व्रतियों की हर छोटी-बड़ी सुविधा का ध्यान रखा है। हमारी कोशिश है कि किसी भी व्रती की पूजा में कोई बाधा न आए।

यहां आपका स्वागत नहीं है, फिलीपींस में ट्रंप के दौरे से पहले सड़कों पर उतरे प्रदर्शनकारी, पुलिस से हुई झड़प



मनीला। रविवार को फिलीपींस की राजधानी मनीला में सैकड़ों प्रदर्शनकारियों की पुलिस से झड़प हो गई। ये प्रदर्शनकारी आसियान नेताओं के शिखर सम्मेलन स्थल की ओर मार्च कर रहे थे और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की यात्रा और मिडिल ईस्ट में चल रहे संघर्ष का विरोध कर रहे थे। ट्रंप की फिलीपींस दौरा ऐसे समय में हो रही है जब उनकी रिपब्लिकन पार्टी को मिडटर्म इलेक्शन में बड़ी हार का सामना करना पड़ा है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, फिलीपींस में लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के लिए काम करने वाले समूहों के संगठन %यू पैट्रियटिक अलायंस के प्रदर्शनकारियों ने शिखर सम्मेलन स्थल तक पहुंचने की कोशिश की लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया, जिसके बाद झड़प शुरू हो गई। यह विरोध प्रदर्शन 49वें आसियान नेताओं के शिखर सम्मेलन के दौरान होने वाले कई प्रदर्शनों में से एक था। प्रदर्शनकारियों ने ट्रंप की प्रस्तावित यात्रा का विरोध करने और क्षेत्रीय मुद्दों को उठाने का संकल्प लिया। विरोध प्रदर्शन के नेता टेडी कैसीनो ने फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर की आलोचना की।

उन्होंने कहा कि मार्कोस विदेशी नेताओं का स्वागत तो कर रहे हैं, लेकिन फिलीपींस के लोगों की चिंताओं को दूर करने में विफल रहे हैं। प्रदर्शनकारी नेताओं ने कहा, डोनल्ड ट्रंप के लिए संदेश यह है कि यहां आपका स्वागत नहीं है।

अमेरिका और चीन के बीच अपना प्रभाव बढ़ाने की बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच, दुनिया भर के नेता इस हफ्ते कई उच्च-स्तरीय शिखर सम्मेलनों के लिए फिलीपींस आ रहे हैं।

फिलीपींस के अधिकारियों के अनुसार, मुख्य आसियान शिखर सम्मेलन की बैठकें खत्म होने के बाद, मंगलवार दोपहर को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ मनीला पहुंचने की उम्मीद है। उनकी यह यात्रा तब होगी, जब मार्कोस इस क्षेत्रीय समूह की वार्षिक अध्यक्षता सिंगापुर को सौंप देंगे।

जनगणना में एक भी व्यक्ति छूटा तो विकास की योजना अधूरी, सटीक आंकड़ों से तय होगी जरूरत : योगी

लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लोक भवन सभागार में जनगणना-2027 के दूसरे चरण के तहत स्वगणना और घर-घर गणना अभियान की शुरुआत की।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर कहा कि प्रदेश में विकास की अगली दशक की तस्वीर अब जनगणना के आंकड़ों से तय होगी। किस क्षेत्र में स्कूल और अस्पताल की जरूरत है, कहां सड़क बननी चाहिए और किन वर्गों तक सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं पहुंच पा रहा है, इसका खाका सटीक जनगणना से ही तैयार होगा। कहा कि गणना में कोई भी पात्र व्यक्ति छूटना नहीं चाहिए। आंकड़ों में दर्ज न होने का खामियाजा कई बार लोगों को सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित रहकर भुगतना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि विकास योजनाएं अनुमान के आधार पर नहीं, बल्कि वास्तविक जरूरतों के आकलन पर बननी चाहिए। जनगणना से मिलने वाले आंकड़े सरकार को यह समझने में मदद करेंगे कि किस इलाके में किस सुविधा की कमी है और किन वर्गों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने की जरूरत है। मुसहर समुदाय का उदाहरण देते हुए बताया कि पहले इस समाज के



लोगों के पास न पक्के मकान थे और न राशन कार्ड।

यदि पिछली जनगणनाओं में उनकी वास्तविक स्थिति और अभावों को ठीक से दर्ज किया गया होता तो उन्हें पहली पंचवर्षीय योजना से ही सरकारी सहायता मिल सकती थी। वर्ष 2017 में सरकार बनने के बाद ऐसे वंचित वर्गों के लिए अलग से योजनाएं बनाकर उन्हें लाभ पहुंचाने का काम किया गया।

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि वर्ष 2021 में कोरोना महामारी के कारण यह प्रक्रिया नहीं हो सकी थी। उन्होंने सही जानकारी उपलब्ध कराने की अपील की। निदेशक एवं मुख्य जनगणना अधिकारी शीतल वर्मा ने बताया कि जनगणना-2027 की प्रक्रिया डिजिटल माध्यम से पूरी की जा रही है।

पहले चरण में मकानों की सूचीकरण का काम पूरा हो चुका है। अब दूसरे चरण में प्रत्येक व्यक्ति से 40 सवालों के जवाब लेकर जनसंख्या से जुड़े आंकड़े जुटाए जाएंगे। उन्होंने जनगणना में लगे अधिकारियों और कर्मचारियों से कहा कि वे इसे महज सरकारी ड्यूटी न समझें, बल्कि राष्ट्रीय जिम्मेदारी मानकर निभाएं। यदि कोई परिवार अपनी जानकारी देने में संकोच करता है तो उसे धैर्यपूर्वक समझाएं कि जनगणना में दी गई जानकारी गोपनीय रखी जाती है।

जिलाधिकारी प्रतिदिन आधे घंटे प्रगति की समीक्षा करेंगे। उन्होंने युवाओं से स्वगणना अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की। साथ ही कहा कि जनप्रतिनिधि लोगों को जागरूक करें और आम नागरिक सही जानकारी देकर सहयोग करें।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

विशाल ददलानी की आवाज में रिलीज हुआ फिल्म प्रताप का गाना कैसे जियेंगे



बॉलीवुड अभिनेता अमित साध और ईशा धर्मेंद्र देओल अभिनीत फिल्म प्रताप का नया गाना कैसे जियेंगे रिलीज कर दिया गया है। गायक विशाल ददलानी की दमदार और भावपूर्ण आवाज में सजे इस गाने में जुदाई का दर्द, टूटते रिश्तों और बिछड़ने के बाद जिंदगी में आगे बढ़ने के संघर्ष को दर्शाया गया है।प्रदीप रंगवानी और यूवी फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत इस गाने का संगीत रोहन रोहन ने तैयार किया है, जबकि इसके बोल रोहन गोखले ने लिखे हैं। संगीत और गायकी का मेल गाने को भावनात्मक गहराई प्रदान करता है। विशाल ददलानी ने गाने के बारे में कहा कि कैसे जियेंगे अपनी भावनाओं के कारण सीधे दिल से जुड़ने वाला गीत है। उन्होंने अपनी आवाज के जरिए इसके दर्द और तड़प को महसूस कराने की कोशिश की है। उन्हें उम्मीद है कि श्रोता इस गाने में अपनी भावनाओं की झलक पाएंगे। संगीतकार रोहन प्रधान ने कहा कि इस गाने के माध्यम से किसी की याद और भावनात्मक नुकसान के एहसास को खूबसूरती से प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। रोहन गोखले के शब्दों और विशाल ददलानी की आवाज ने इस भावना को प्रभावशाली बनाया है। अभिनेता अमित साध ने कहा कि यह गाना फिल्म की भावनात्मक गहराई को सामने लाता है। इसमें किरदारों के निजी संघर्ष, दर्द और संवेदनशीलता को अभिव्यक्ति मिली है। फिल्म प्रताप में कर्तव्य, वफादारी और जवाबदेही जैसे विषयों के साथ मानवीय रिश्तों और भावनाओं को भी प्रमुखता दी गई है। कैसे जियेंगे इसी भावनात्मक पक्ष को उजागर करता है। प्रदीप रंगवानी और यूवी फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत तथा यूवी म्यूजिक लेबल के तहत रिलीज यह गाना फिल्म की कहानी की एक महत्वपूर्ण झलक पेश करता है।

मातृभूमि के एक्शन दृश्यों को ट्रेलर से दूर रखेंगे सलमान और निर्माता

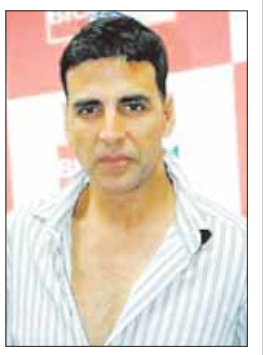


बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की आगामी फिल्म मातृभूमि मे वॉर रेस्ट इन पीस को लेकर निर्माताओं ने खास प्रचार रणनीति तैयार की है। फिल्म के कई बड़े एक्शन दृश्यों को प्रचार अभियान और ट्रेलर में शामिल नहीं करने का फैसला लिया गया है, जिससे दर्शकों को सिनेमाघरों में कुछ अप्रत्याशित देखने को मिले।

फिल्म का पहला टीजर और पोस्टर जारी होने के बाद से ही दर्शकों के बीच इसे लेकर उत्सुकता बनी हुई है। शुरुआती झलकियों में फिल्म की दुनिया की झलक दिखाई गई है, जबकि अब दर्शकों को इसके ट्रेलर का इंतजार है।

फिल्म से जुड़े एक सूत्र के अनुसार, सलमान खान और निर्माताओं ने जानबूझकर फिल्म के कुछ सबसे प्रभावशाली दृश्यों को प्रचार सामग्री से दूर रखने का निर्णय लिया है। इनमें खास तौर पर हाई-ऑक्टेन एक्शन और हाथों से मुकाबले वाले दृश्य शामिल हैं। सूत्र का दावा है कि फिल्म में कई दमदार और रोमांचक एक्शन दृश्य हैं, जिन्हें बड़े पर्दे पर पहली बार देखने का अनुभव दर्शकों के लिए खास होगा।

अक्षय कुमार की फिल्म समुक 28 मई 2027 को सिनेमाघरों में होगी रिलीज



बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की आगामी फिल्म समुक की रिलीज की तारीख घोषित कर दी गई है। विज्ञान आधारित रोमांच, एक्शन और विषम परिस्थितियों में जीवन बचाने के संघर्ष पर आधारित यह फिल्म 28 मई 2027 को देशभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। फिल्म निर्माताओं ने रविवार को एक विशेष मोशन पोस्टर जारी कर इसकी रिलीज की तारीख का ऐलान किया। इससे पहले अक्षय कुमार, फिल्म के निर्देशक कनिष्क वर्मा और अन्य कलाकारों ने रहस्यमयी संदेशों के जरिए दर्शकों की उत्सुकता बढ़ाई थी। फिल्म निर्माता विपुल अमृतलाल शाह ने भी दोपहर 2:07 बजे एक खास घोषणा का संकेत दिया था।

विपुल अमृतलाल शाह के प्रोडक्शन हाउस सनशाइन पिक्चर्स के बैनर तले निर्मित इस फिल्म के सह-निर्माता आशिन ए शाह हैं। फिल्म का निर्देशन कनिष्क वर्मा कर रहे हैं। समुक में विज्ञान आधारित रोमांचक कहानी के साथ एक्शन और जीवन बचाने के संघर्ष को बड़े पैमाने पर प्रस्तुत किया जाएगा।

फिल्म में अक्षय कुमार के साथ रुक्मिणी मैत्र, विनीत कुमार सिंह, रजत कपूर, बनिता संधू और स्वानंद किरकिरे भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी और कलाकारों के किरदारों को लेकर निर्माताओं ने फिलहाल सस्पेंस बरकरार रखा है।

ए प्रोजेक्ट में रोमांटिक अंदाज में नजर आएंगी निर्मित कौर अहलूवालिया

अभिनेत्री निर्मित कौर अहलूवालिया अपने आगामी प्रोजेक्ट में नए रोमांटिक अंदाज में नजर आएंगी।निर्मित कौर अहलूवालिया ने हाल ही में भोपाल में इस प्रोजेक्ट की शूटिंग पूरी की है। अभिनेत्री अपने इस नए रूप को दर्शकों के सामने पेश करने को लेकर उत्साहित हैं।

निर्मित ने सोशल मीडिया पर शूटिंग के दौरान की कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिन्हें प्रशंसकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। उनकी इन तस्वीरों पर अभिनेत्री मौनी रॉय और कृष्णा श्रॉफ ने भी प्रतिक्रिया देते हुए उन्हें नए प्रोजेक्ट के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

निर्मित ने कहा कि भोपाल में शूटिंग पूरी करना उनके लिए खास अनुभव रहा। एक कलाकार के तौर पर अलग-अलग भूमिकाओं को निभाना हमेशा चुनौतीपूर्ण और रोमांचक होता है। इस बार रोमांटिक भूमिका में काम करना उनके लिए एक नया अनुभव रहा है।

उन्होंने मौनी रॉय और कृष्णा श्रॉफ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि दोनों हमेशा उनका समर्थन करती रही हैं। उनका प्यार और प्रोत्साहन उनके लिए काफी मायने रखता है।

इस नए प्रोजेक्ट के जरिए निर्मित कौर अहलूवालिया दर्शकों के सामने अपने अभिनय का एक अलग पक्ष पेश करने की तैयारी में हैं। हालांकि, निर्माताओं ने फिलहाल प्रोजेक्ट से जुड़ी अन्य जानकारियों का खुलासा नहीं किया है।



60 लाख रुपये की रकम बनी पहेली

आर्थिक लेन-देन को लेकर परिवार ने जताई हत्या की आशंका

एयर होस्टेस वर्षा तुरकर की चाकू गोदकर निर्मम हत्या का मामला



बालाघाट। जिस घर में दीपावली की खुशियां गूंज रही थीं, जहां बेटी के आने से माता-पिता और परिजनों के चेहरे खिले हुए थे, उसी घर में अब मातम पसरा है। जिस बेटी को माता-पिता ने बड़े अरमानों से पाल-पोसकर काबिल बनाया, जिसने एयर होस्टेस बनकर आसमान में अपने सपनों को उड़ान दी, उसकी जिंदगी का अंत इतनी बेरहमी से होगा, इसकी किसी ने कल्पना भी नही की थी। महाराष्ट्र के बोंडरानी में वैनगंगा नदी के किनारे 35 वर्षीय एयर होस्टेस वर्षा तुरकर की धारदार हथियार से गोदकर हत्या कर दी गई। पीठ पर किए गए चार वार और खून से लथपथ मिला उसका शरीर इस वारदात की भयावहता बयां कर रहा है। अब इस हत्याकांड में परिजनो की ओर से 60 लाख रुपये के लेनदेन की कहानी सामने आने के बाद मौत की गुत्थी और उलझ गई है। दरअसल, वर्षा तुरकर पुणे में एयर होस्टेस के रूप में कार्यरत थी। दीपावली पर्व मनाने वह अपनी ढाई साल की मासूम बेटी के साथ खैरलांजी के किन्ही गांव अपने मायके आई हुई थी। जहां उसने मायके पक्ष के परिवार के साथ त्योहार की खुशियां बांटी। लेकिन 14 नवंबर की शाम उनका परिचित नितेश अग्रवाल उनके बीच आया, जिसने वर्षा तुरकर को घूमने चलने का प्रस्ताव रखा। जहां वर्षा अपने परिचित नितेश अग्रवाल निवासी गोंदिया के साथ घूमने के लिए महाराष्ट्र के दौनीवाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत बोंडरानी स्थित वैनगंगा नदी तट पर पहुंची थी। लेकिन परिवार को क्या पता था कि हंसते-बोलते घूमने निकली वर्षा अब कभी वापस नहीं लौटेगी। परिजनो ने बताया कि शाम करीब 04 बजे नितेश के साथ वह घूमने निकली थी, लेकिन करीब 06 बजे नितेश का फोन वर्षा के बहनोई अश्विनी उर्फ पप्पू पटले के पास पहुंचा। फोन पर बताया गया कि उनके साथ लूटपाट हुई है और वर्षा पर चाकू से हमला कर दिया गया है। सूचना मिलते ही परिजन घटनास्थल पर पहुंचे। जहां पाया कि अधेरे में कार का इंडीकेटर जल रहा था, वर्षा खून से लथपथ पड़ी थी और नितेश करीब ही खडा था। जहां परिजनो ने खून से लथपथ वर्षा को तत्काल खैरलांजी अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन यहां पहुंचते ही चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस खबर के साथ ही तुरकर परिवार की दीपावली की सारी खुशियां चीख-पुकार और आंसुओं में बदल गईं। मामले की सुचना पुलिस तक पहुंची। पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही के बाद शव का पीएम करवाया और मामले की डायरी संबंधित महाराष्ट्र के दौनीवाड़ा थाना पुलिस को भेजी गई। अब बालाघाट और महाराष्ट्र पुलिस संयुक्त रूप से मामले की जांच कर रही है। इधर, इस हत्याकांड से परिवार पूरी तरह टूट चुका है। घर में मातम पसरा है और परिवार जनो के आंखो में वर्षा में चेहरा बार बार झलकता है। जहां वर्षा को याद करके उसके अपनो की आंखे बार बार आंसूओ में डूब जाती है। क्योकि चिंता वर्षा की ढाई साल की बेटी के भविष्य की भी है। 16 नवंबर को मीडिया टीम मृतिका वर्षा तुरकर के दुखी परिवार के बीच पहुंची। जहां परिजनो ने हत्या के पीछे रूपयो का लेनदेन की आशंका जाहिर की है। परिजनों के मुताबिक, वर्षा ने नागपुर में अपनी जमीन बेचकर प्राप्त रकम में से करीब 60 लाख रुपये अपने परिचित नितेश अग्रवाल को बिजनेश में आर्थिक मदद करने के तौर पर दिए थे। अब परिवार को आशंका है कि इतनी बड़ी रकम का लेन-देन हत्या के पीछे की वजह हो सकता है। क्या रुपयों का कोई विवाद था? क्या रकम वापस करने को लेकर कोई तनाव था? या फिर इस वारदात के पीछे कोई दूसरी साजिश छिपी है? इन सवालो को जवाब पुलिस जांच में खुलकर स्पष्ट होगा, लेकिन अब आर्थिक लेन-देन का पहलू खूब चर्चा में है। हालांकि 60 लाख रुपये के लेनदेन और हत्या के बीच संबंध होने की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। एयर होस्टेस वर्षा तुरकर की हत्या से पूरा तुरकर परिवार गहरे सदमे में है। माता-पिता के सामने जवान बेटी की मौत का दर्द है, वहीं ढाई साल की मासूम बच्ची के सिर से मां का साया उठ चुका है। परिजनों का कहना है कि उनकी बेटी को बेरहमी से मारने वाले दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाना चाहिए। उन्होंने महाराष्ट्र पुलिस से निष्पक्ष जांच करते हुए 60 लाख रुपये के लेन-देन सहित सभी पहलुओं की गहराई से पड़ताल करने और दोषी को फांसी की सजा दिलाने की मांग की है। फिलहाल घटनास्थल महाराष्ट्र के दौनीवाड़ा थाना क्षेत्र में होने के कारण मामले की जांच दौनीवाडा थाना पुलिस कर रही है। वर्षा के साथ मौजूद नितेश उसके बहनोई से भी पूछताछ की गई है। आखिर वर्षा की हत्या के पीछे लूटपाट थी या रुपयो के लेनदेन की कोई अनकही कहानी? उस शाम वैनगंगा नदी के किनारे आखिर क्या हुआ था? एक परिवार की खुशियां उजाड़ने वाले इस हत्याकांड का सच कब सामने आएगा? इन सवालों के जवाब पुलिस की निष्पक्ष जांच के बाद ही मिल सकेंगे।

भव्य शोभायात्रा के साथ पिच्छिका परिवर्तन संपन्न

लखनादौन, स्वतंत्र मत। आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागर जी महाराज आचार्य गुरुवर श्री समयसागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से आज्ञानुवर्ती शिष्य मुनि श्री निर्वेगसागर जी महाराज ससंघ का चातुर्मास एवं पिच्छिका परिवर्तन समारोह सम्पन्न हुआ। सर्वप्रथम लखनादौन के प्रमुख मार्गो में दिग्विजय यात्रा निकाली, एवं बाजार प्रांगण में देशना पंडाल पर कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चित्र का अनावरण हुआ। पूज्य मुनि श्री के पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेट हुए। पूज्य मुनि श्री के मंगल प्रवचन हुए मुनि श्री 108 निर्वेगसागर जी महाराज ने अपने मंगल प्रवचन में लखनादौन चातुर्मास की सफलता के लिए समस्त समाज, युवाओं, मातृशक्ति एवं श्रद्धालुओं के सहयोग की सराहना करते हुए सभी को मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। पिच्छिका परिवर्तन के महत्व को समझाते हुए गुरुदेव ने कहा कि यह केवल पिच्छिका बदलने का नहीं, बल्कि अपने जीवन में भी परिवर्तन लाने का अवसर है। हमें अपने विचारों, व्यवहार और आचरण को शुद्ध बनाकर संयम एवं धर्म के मार्ग पर आगे बढ़ना चाहिए।

स्कूल में मनाया गया न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह

सिवनी। स्वतंत्र मत। सनाइडोंगरी के विद्यालय में बीते दिन 14 नवंबर 2026 को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिवनी अनिल कुमार सोहने के अनुसार तहसील विधिक सेवा समिति लखनादौन के अध्यक्ष माननीय सीता कन्नौजे के नेतृत्व मे सुश्री अपूर्वा ताम्रकार न्यायाधीश रिशु भगत एवं एसडीओपी लखनादौन, थाना लखनादौन एवं धूमा ने संयुक्त रूप से सुरक्षा व्यवस्था का कियान्वयन किया, शासकीय हाई स्कूल सनाईडोंगरी के प्राचार्य एवं



समस्त शिक्षक गण विधिक सेवा का स्टाफ एवं समस्त पी एल व्ही,छात्र छात्राएं व अन्य सभी लोग उपस्थित रहे कार्यक्रम में सरस्वती पूजन,वंदना, अतिथि परिचय, स्वागत,एस डी ओ पी द्वारा छात्र छात्राओं को, पुलिस प्रशासनिक व्यवस्थाओ एवं सभी हेल्प लाइन नं संबंधित जानकारी दी तत्पश्चात न्यायाधीश सीता कन्नौजे द्वारा नालसा, सालसा की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के विषय में,पाक्सो एक्ट, मोटर व्हीकल एक्ट, गुड टच-बेड टच पर कानूनी जानकारी सहज एवं सरल भाषा में दी गई एवं आयोजित विद्याओं पर जैसे -निबंध प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता ड्राइंग प्रतियोगिता पर प्रतिभागियों को पुरस्कार/प्रशस्ति पत्र के रूप में दिया गया।

आभार प्राचार्य द्वारा किया गया, छात्र-छात्राओं से प्रश्न उत्तरी प्रश्न काल किया गया मंच संचालन पी एल व्ही संतोष कुमार राय द्वारा किया गया।

विशाल पट प्रति योगिता मे उमडा जन सैलाब

सिवनी। स्वतंत्र मत।

धारनाकला से लगे ग्राम कौडिया घीसी मे पट प्रति योगिता के आयोजन मे हजारो की तादाद मे बैल जोडियो की रेस रफ्तार देखने के जन सैलाब उमड़ता देखा गया भारी संख्या मै बैल जोडी मालिक अपनी अपनी जोड़िया लेकर इस पट प्रतियोगिता का हिस्सा बनने अपने पहुचे पट प्रति योगिता की सबसे बडी विशेषता यह थी की इस आयोजन मे सिवनी बालाघाट तथा छिंदवाड़ा कै अतिरिक्त पंजाब तथा हरियाणा की सुन्दर बैल जोडीयो की रेस और रफ्तार देखने का नजारा भी लोगो ने देखा

पट प्रति योगिता के इस आयोजन मे प्रथम पुरूस्कार के



रूप मै एक लाख रूपये की नगद राशि आयोजन समिति द्वारा रखी गई थी इसके अतिरिक्त द्वितीय तथा तृतीय पुरूस्कार के अतिरिक्त पच्चीसवा पुरूस्कार तक हजारो मे राशि रखी गई थी और यह पट प्रति योगिता जिले मे सबसे बडी प्रति योगिता के रूप मे मानी जा रही है।

यहा यह बताना भी लाजिमी है बैल जोडियो का शौक जिले तथा खासकर बरघाट विकास खंड मे विशेष महत्व रखता है यही कारण है की इस शौक से जुडे लोगो के द्वारा मैदान मे दौड़ने वाले बैलो को अपने परिवार के हिस्से की तरह लालन पालन करते है इनकी मैदान मे रफ्तार भी इतनी होती है की 2200 वर्ग फिट के मैदान को अच्छी रेस की बैल जोडी 25से 26 सेकंड मे पार कर लेती है जो रफ़्तार आज के समय मे टू व्हीलर तथा फोर व्हीलर वाहन की नही होती यही कारण है अच्छी रेस और रफ्तार के बैल को इस शौक से जुडे लोग बीस से पच्चीस लाख रूपये की कीमत मे खरीद लेते है और इसका सीधा लाभ शौक से जुडे किसान तथा एक गरीब को भी मिल जाता है।

नाबालिग के साथ सामुहिक दुष्कर्म आधा दर्जन आरोपीयों पर अपराध दर्ज

बालाघाट। जिले के लांजी थाना क्षेत्र अंतर्गत एक नाबालिक लड़की के साथ आधा दर्जन युवक के द्वारा सामूहिक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। जहां 13 एवं 14 नवंबर की दरमियानी रात करीब 1.30 से 2 बजे के बीच घटित इस वारदात को लेकर लांजी पुलिस ने पीड़िता की गई रिपोर्ट पर आधा दर्जन आरोपियों के विरुद्ध नामजद अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। इस मामले में कुछ आरोपियों को हिरासत में लेने की भी जानकारी सामने आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 17 वर्षीय नाबालिक पीड़िता मूलतः लांजी थाना क्षेत्र की निवासी है। लेकिन वह नागपुर में रहकर बीएससी होम साइंस प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रही है। 13 नवंबर को यह लड़की अपने माता-पिता भाई-बहन के साथ अपने मामा के घर ग्राम बड़गांव मंडई में गई थी। जो रात 10ः00 बजे अपने परिवार के साथ मंडई से अपने मामा के घर आ गए थे। रात्रि करीब 12ः30 बजे लड़की ने अपने दोस्त राजू दशरिया से फोन पर बात की। जो उससे मिलने के लिए बड़गांव आ रहा था। रात्रि 1ः30 बजे वह घर से बाहर निकली, तो राजू दशरिया उसे अपने साथ मोटरसाईकिल पर बिठाकर खेत तरफ ले गया, जहां दोनों बातचीत कर रहे थे। तभी आधे एक घंटे बाद तीन अनजान लड़के उनके पास आए और उनसे नाम पता पूछने लगे। इसी बीच बदमाशो ने लडके का भगा दिया और लड़की को उसके मामा के घर छोड़ देने का भरोसा दिलाते हुए लड़की को खेत तरफ ले गए और मोबाइल का टोर्च जलाएं। इस दौरान बदमाशो ने लड़की को धक्का देकर जमीन पर गिराया और बारी बारी से घिनौनी वारदात को अंजाम दिया।वारदात के बाद पीड़िता ने सहेली का फोन लगाकर जानकारी दी। जिसके बाद उसकी सहेली अपने भाई के साथ मौके पर पहुंची और घर लेकर गई। लड़की ने डर और सदमे में स्वास्थ्य ठीक नहीं होने के कारण घटना के संबंध में तत्काल में परिवार वालों को कोई जानकारी नही दी। लेकिन 15 नवंबर को पीड़िता रिपोर्ट करने लांजी थाना पहुंची।

पेंच टाइगर रिजर्व में वन अमले को दिया गया शस्त्र संचालन का प्रशिक्षण

वन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए मैदानी कर्मचारियों की दक्षता और सुरक्षा बढ़ाने की पहल



सिवनी, स्वतंत्र मत। पेंच टाइगर रिजर्व प्रबंधन का मानना है कि दक्ष, प्रशिक्षित एवं सुरक्षित मैदानी अमला ही वन एवं वन्यजीव संरक्षण की सबसे मजबूत आधारशिला है।पेंच टाइगर रिजर्व, सिवनी में वन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा को और अधिक प्रभावी बनाने तथा मैदानी वन अमले की कार्यक्षमता, दक्षता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज दिनांक 13 नवंबर 2026 को वन विभाग के मैदानी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए शस्त्र संचालन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।यह प्रशिक्षण जिला पुलिस विभाग, सिवनी के समन्वय से आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य वनकर्मियों को शस्त्रों के सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग, संचालन संबंधी तकनीकी जानकारी तथा आपातकालीन परिस्थितियों में आवश्यक सावधानियों से परिचित कराना था। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत पेंच टाइगर रिजर्व के सभी 09 परिक्षेत्रों से चयनित 39 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसमें मैदानी स्तर पर कार्यरत वनरक्षक, वनपाल एवं परिक्षेत्र अधिकारियों ने भी सहभागिता की।पेंच टाइगर रिजर्व में उपलब्ध शस्त्रों में रिवॉल्वर,पम्प एक्शन गन, बारह बोर डबल बैरल गन तथा .315 स्पोर्टिंग राइफल शामिल हैं।

इन विभिन्न प्रकार के शस्त्रों के सुरक्षित संचालन एवं रखरखाव संबंधी प्रशिक्षण को कार्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया।पेंच टाइगर रिजर्व का मैदानी अमला वन एवं वन्यजीव संरक्षण, अवैध शिकार की रोकथाम, वन अपराधों पर नियंत्रण, गश्ती एवं निगरानी तथा मानव-वन्यजीव द्वंद्व की परिस्थितियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। दुर्गम वन क्षेत्रों में कार्य के दौरान कई बार विषम एवं चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में कर्मचारियों का प्रशिक्षित, सतर्क एवं आत्मविश्वास से परिपूर्ण होना अत्यंत आवश्यक है।

इस प्रशिक्षण के माध्यम से मैदानी कर्मचारियों की व्यावसायिक दक्षता बढ़ाने के साथ-साथ उनकी व्यक्तिगत सुरक्षा एवं वन संरक्षण संबंधी कार्यों में बेहतर तत्परता विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया।पेंच टाइगर रिजर्व प्रबंधन द्वारा वनकर्मियों के निरंतर क्षमता संवर्धन, आधुनिक प्रशिक्षण एवं कार्यस्थल पर सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है।

टीएल बैठक में कलेक्टर ने समय-सीमा के प्रकरणों की समीक्षा की

जन शिकायतों का शत-प्रतिशत निराकरण करने के निर्देश

बालाघाट। कलेक्टर आदित्य सिंह की अध्यक्षता में 16 नवंबर को जिला स्तरीय टीएल (समय-सीमा) बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों में लंबित समय-सीमा के प्रकरणों, जन शिकायतों के निराकरण और शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करने तथा शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक में सर्वप्रथम मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत आयोजित शिविरों में प्राप्त शिकायतों के निराकरण की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी एसडीएम से अनुभाग स्तर पर लंबित प्रकरणों की जानकारी लेते हुए उनका शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एसडीएम अपने-अपने क्षेत्रों में प्राप्त शिकायतों की नियमित समीक्षा करें और प्रत्येक शिकायत का शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करें। इसके साथ ही सीएम हेल्पलाइन एवं जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन प्रकरणों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखें और समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण करें।कर्मचारियों की समस्याओं का प्राथमिकता से करें निराकरण-- कलेक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकासखंड स्तर पर परामर्शदात्री समिति की बैठक शीघ्र आयोजित की जाए। इन बैठकों में कर्मचारियों से प्राप्त शिकायतों एवं समस्याओं पर गंभीरता से विचार कर उनका तत्परता से निराकरण किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक में इस कार्य की समीक्षा की जाएगी। साथ ही सभी एसडीएम को अनुभाग स्तर पर अनुश्रवण समिति की बैठक भी शीघ्र आयोजित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी जनपद पंचायतों के सीईओ एवं नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि उनके क्षेत्र में निवासरत प्रत्येक व्यक्ति की समग्र आईडी बनना सुनिश्चित किया जाए तथा सभी की ई-केवाईसी अनिवार्य रूप से पूर्ण कराई जाए। उन्होंने कहा कि समग्र आईडी नहीं बनने अथवा ई-केवाईसी लंबित रहने के कारण यदि किसी पात्र व्यक्ति को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं



मिल पाता है, तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित जनपद पंचायत के सीईओ अथवा नगरीय निकाय के सीएमओ की होगी। ऐसे मामलों में संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। बैठक में शासकीय निर्माण कार्यों के लिए भूमि आवंटन की स्थिति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री सिंह ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों के लिए भूमि आवंटन के प्रस्ताव बिना विलंब किए प्रस्तुत किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि भूमि आवंटन के अभाव में कोई भी स्वीकृत निर्माण कार्य अप्रारंभ नहीं रहना चाहिए। सभी संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय से आवश्यक प्रक्रियाएं शीघ्र पूरी करें, ताकि विकास कार्यों में अनावश्यक देरी न हो।

अब रविवार को भी खुला रहेगा प्रधान डाकघर बालाघाट का आधार सेवा केंद्र

बालाघाट।

आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए डाक विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। अब प्रधान डाकघर बालाघाट में रविवार को भी आधार सेवा केंद्र संचालित किया जाएगा। इसके तहत प्रत्येक रविवार को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक नागरिकों को आधार कार्ड से संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। डाक विभाग की इस पहल से उन नागरिकों को विशेष सुविधा मिलेगी, जो नौकरी अथवा अन्य व्यस्तताओं के कारण सामान्य कार्यदिवसों में आधार संबंधी कार्य नहीं करा पाते हैं। अब उन्हें रविवार के दिन भी आधार सेवा केंद्र पहुंचकर अपने आधार कार्ड से संबंधित आवश्यक अपडेट कराने का अवसर मिलेगा। डाक विभाग के अनुसार प्रधान डाकघर बालाघाट में संचालित आधार केंद्र पर नागरिकों के आधार कार्ड से संबंधित अपडेट का कार्य किया जाएगा। इस सुविधा के शुरू होने से आम नागरिकों को आधार संबंधी कार्यों के लिए अतिरिक्त समय और सुविधा मिल सकेगी। डाक विभाग ने अधिक से अधिक नागरिकों से प्रधान डाकघर बालाघाट के आधार सेवा केंद्र पहुंचकर उपलब्ध सेवाओं का लाभ उठाने की अपील की है।

राम भरोसे चल रहा गठिया का बैगा आदिवासी कन्या आश्रम

बच्चे रहते है नदारद लेकिन हाजिरी फुल

लाखों रुपये के बिल पास कराने दिखाई जा रही शत-प्रतिशत उपस्थिति



बालाघाट। जिले के आदिवासी बाहुल्य बिरसा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत मछुरदा के ग्राम गठिया में संचालित चानी दुर्गावती आदिवासी कन्या आश्रमज् शासन के दावों की पोल खोल रहा है। विशेष पिछड़ी बैगा जनजाति की बालिकाओं की शिक्षा और सुरक्षा के लिए खोला गया यह आश्रम वर्तमान में पूरी तरह से अव्यवस्थाओं और भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुका है। आलम यह है कि आश्रम में न तो छात्राएं मौजूद रहती हैं और न ही आश्रम अधीक्षिका, लेकिन रजिस्टर में प्रतिदिन बच्चों की पूरी हाजिरी दर्ज कर शासन को लाखों रुपये का चूना लगाया जा रहा है। ग्रामीणों और पालकों ने आश्रम प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि आश्रम में छात्राओं की वास्तविक संख्या न के बराबर रहती है। इसके बावजूद आश्रम अधीक्षिका शशिकला जामधाड़े द्वारा उपस्थिति पंजी में सभी बच्चों की नियमित हाजिरी भरी जाती है। ग्रामीणों का आरोप है कि फर्जी हाजिरी के दम पर हर महीने राशन और अन्य मदों के लाखों रुपये के बिल तैयार किए जाते हैं, ताकि इस राशि का बंदरबांट किया जा सके। नियमानुसार आवासीय आश्रम में अधीक्षिका का रात्रि विश्राम अनिवार्य है, लेकिन ग्रामीणों के अनुसार अधीक्षिका शशिकला जामधाड़े कभी भी आश्रम में रात नहीं रुकतीं। बैगा आदिवासी समाज की छोटी-छोटी बच्चियों को उनके हाल पर छोड़ दिया जाता है, जिससे उनकी सुरक्षा को लेकर हमेशा खतरा बना रहता है। दूसरी ओर, आश्रम में पदस्थ चपरासी राम मेरावी भी अपनी ड्यूटी से नदारद रहता है। उसने अपने स्थान पर चेलगुज् नामक एक स्थानीय ग्रामीण को महज कुछ रुपये के मानदेय पर काम करने के लिए रखा हुआ है, जो अपने पूरे परिवार के साथ आश्रम परिसर में ही निवास कर रहा है। इस मामले में प्रशासन की कार्यप्रणाली भी संदेह के घेरे में है। बीते अगस्त माह में जब पूरा गांव गंभीर बीमारी एवं कुपोषण से जूझ रहा था जिसमें तीन दर्जन से अधिक आदिवासी बच्चों की मौत हो गयी। उस समय स्वयं सहायक आदिवासी आयुक्त शकुंतला डामोर और बिरसा बीआरसी ने आश्रम का औचक निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान अधीक्षिका की घोर लापरवाही और आश्रम की बदहाली उजागर हुई थी, जिस पर सहायक आयुक्त ने कड़ी नाराजगी जताते हुए सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बाद बिरसा बीआरसी ने भी मामले की विस्तृत जांच कर लापरवाही का पंचनामा तैयार किया और कार्रवाई के लिए सहायक आयुक्त कार्यालय भेज दिया। हैरानी की बात यह है कि पुख्ता प्रमाण और जांच रिपोर्ट होने के बावजूद आज दिनांक तक अधीक्षिका पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। बताया जा रहा है कि आश्रम की दुर्दशा और अधीक्षिका के रवैये से पालकों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि वे लंबे समय से अधीक्षिका शशिकला जामधाड़े को हटाने की मांग कर रहे हैं, जिसके प्रमाण के तौर पर उनके पास आश्रम की बदहाली के फोटो और वीडियो भी मौजूद हैं। पालकों ने प्रशासन को दो-टूक चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही लापरवाह अधीक्षिका को पद से नहीं हटाया गया और व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ, तो वे अपनी बच्चियों को इस आश्रम में भेजना पूरी तरह बंद कर देंगे।

15 करोड़ की चोरी का आरोपी कोलकाता एयरपोर्ट से गिरफ्तार

8 दिन की रिमांड पर भेजा, आरोपी से पुलिस कर रही सघन पूछताछ







कटनी (स्वतंत्रमत)

बरगवां स्थित किसना ज्वेलर्स में हुई 15 करोड़ रूपए की चोरी की वारदात के एक आरोपी को कोलकाता एयरपोर्ट से गिरफ्तार करने में कटनी पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस ने आरोपी को कटनी लाकर न्यायालय में पेश कर रिमांड मांगा। न्यायालय ने मामले में पूछताछ के लिए 8 दिन का रिमांड दिया है। अब कटनी पुलिस आरोपी से वारदात के संबंध में पूछताछ कर रही है। आरोपी बदरूद्दीन शेख से पूछताछ के बाद पुलिस इस मामले में कई बड़े खुलासे कर सकती है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक यह गिरोह बंगाल और झारखंड की बार्डर में स्थित सुल्तानगंज का है। जो आरोपी पकड़ा गया है, वो मुंबई से चलकर कलकत्ता में फ्लाइट से उतरा। पुलिस ने सूचना के आधार पर उसे फ्लाइट से उतरते ही गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि यह गिरोह चड्डी बनियान गिरोह की तर्ज पर पूरे देश में चोरी करता है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक इस वारदात को 7 लोगों ने मिलकर अंजाम दिया। घटना के 2 दिन पहले गिरोह के सदस्य जबलपुर में रुके थे। इसके बाद इन लोगों ने दमोह और कटनी में रैकी की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य ने बताया कि पुलिस ने तकनीकी सर्विलांस और मुखबिरों की मदद से बदरुद्दीन का पता लगाया। फिर शनिवार को उसे पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से चोरी का माल नहीं मिला है। फिलहाल उससे गिरोह के दूसरे सदस्यों और जेवरात के बारे में पूछताछ की जा रही है। अभी तक की पूछताछ में जो जानकारी सामने आई है, उसके मुताबिक अंतरराज्यीय चोर गिरोह के सदस्य झारखंड के साहिबगंज निवासी बदरुद्दीन शेख ने ही दीवार तोड़ने के उपकरण मुंबई से खरीदे थे। कटनी में अन्य साथियों के साथ रुककर शोरूम की रेकी करने से लेकर वारदात की तैयारी तक में उसकी भूमिका सामने आई है। चोरी के बाद आरोपी ट्रेन से मुंबई पहुंचा और वहां से फ्लाइट पकड़कर कोलकाता चला गया। कोलकाता में चोरी के आभूषणों का बंटवारा होना था और बदरुद्दीन अपना हिस्सा लेने कोलकाता एयरपोर्ट पहुंचा था। कटनी पुलिस ने स्थानीय पुलिस के साथ समन्वय बनाकर उसे दबोच लिया।

गिरोह के नेटवर्क और माल का पता लगा रही पुलिस

बताया जाता है कि कोलकाला एयरपोर्ट से गिरफ्तार आरोपी बदरूद्दीन शेख को रविवार को कटनी लाया गया और मेडिकल परीक्षण कराया गया। न्यायालय में पेश कर आठ दिन की रिमांड पर लिया गया है। पुलिस अब आरोपी से वारदात में शामिल सदस्यों, चोरी के माल के बंटवारे, संभावित ठिकानों के बारे में पूछताछ करेगी। पुलिस यह भी पता लगाएगी कि मुंबई से उपकरण खरीदने में आरोपी की मदद किसने की और कटनी में गैस, ऑसीजन सिलेंडर व अन्य सामान खरीदने के दौरान कौन उसके संपर्क में था। पुलिस की कोशिश है कि बद्रुद्दीन से मिली जानकारी के आधार पर गिरोह के बाकी सदस्यों तक पहुंचकर माल की बरामदगी की जाए। शोरूम के अंदर 32 सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। इसके बावजूद चोरी की पूरी वारदात रिकॉर्ड नहीं हो सकी। चोरों ने कैमरों के कनेक्शन काट दिए थे। पुलिस के अनुसार बदमाशों ने पहले कैमरों का कनेक्शन बंद किया और फिर शोरूम में चोरी की। सीसीटीवी में सामने आया कि एक बदमाश के मुंह पर कपड़ा बंधा हुआ है। शोरूम की पिछली दीवार को सबल से तोड़ दिया गया था। दीवार में करीब दो फीट काटा गया।

होटल के दो कमरों में रूके थे चार आरोपी

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार किसना ज्वेलर्स में चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी सब्जी मंडी के पास स्थित होटल गणपति प्लाजा के कमरा नंबर 101 और कमरा 109 में रूके थे। चारों बदमाश 10 नवंबर की शाम साढ़े 4 बजे होटल गणपति प्लाजा पहुंचे और 350 रूपए वाले कमरे में रूके। कोलकाता में पकड़ा गया बदरुद्दीन भी इन्हीं चार बदमाशों में शामिल था। उन्होंने अपनी पहचान के लिए जो आधार कार्ड दिया था, वह भी फर्जी निकला है। बताया जाता है कि 11 की रात किसना ज्वेलर्स में वारदात को अंजाम देने के बाद दूसरे दिन 12 नवंबर की सुबह 5 बजे सभी बदमाश होटल पहुंचे और कमरा खालीकर चले गए।

इस मामले में बदरुद्दीन शेख की बड़ी भूमिका सामने आई है। बताया जा रहा है कि वह मुंबई से दीवार तोड़ने के उपकरण खरीदकर कटनी आया था जबकि गैस और ऑसीजन सिलेंडर सहित अन्य सामान कटनी में खरीदा गया था। इन्हीं उपकरणों की मदद से शोरूम के पीछे की दीवार में छेद किया गया और बदमाश अंदर दाखिल हुए। गिरोह ने वारदात को अंजाम देने के लिए पहले से तैयारी की थी। पुलिस के अनुसार आरोपी कोलकाता में अपने दूसरे साथियों से मिलने पहुंचा था। यहां चोरी के आभूषणों का बंटवारा होना था और वह अपने हिस्से के लिए वहां पहुंचा था। पुलिस को यह भी आशंका थी कि गिरोह के अन्य सदस्य भी कोलकाता पहुंच सकते हैं। इसी आधार पर वहां निगरानी रखी गई, लेकिन दूसरे आरोपियों का पता नहीं चल सका।

इनका कहना है

किसना ज्वेलर्स में चोरी के मामले में शामिल आरोपी बदरूद्दीन शेख को गिरफ्तार कर अन्य आरोपियों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। पुलिस रिमांड के दौरान वारदात, अन्य सदस्यों और चोरी गए आभूषणों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की उमीद है। जल्द ही चोरी में शामिल अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर जेवर बरामद किए जाएंगे।

अभिनय विश्वकर्मा
पुलिस अधीक्षक

सेक्रेड हार्ट स्कूल में कैरियर कॉन्क्लेव



कटनी (स्वतंत्रमत)। विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा तय करने और उन्हें उच्च शिक्षा एवं रोजगार के बेहतर अवसरों से परिचित कराने के उद्देश्य से सेक्रेड हार्ट इंग्लिश मीडियम स्कूल में कैरियर कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। इस विशेष आयोजन में देशभर के करीब 30 प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता करते हुए विद्यार्थियों को विभिन्न प्रोफेशनल कोर्सेस, उच्च शिक्षा के विकल्पों और भविष्य में उपलब्ध कैरियर संभावनाओं की विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कक्षा 10वीं एवं 12वीं के बाद विद्यार्थियों के सामने आने वाली कैरियर चयन की चुनौती को आसान बनाना था। अक्सर विद्यार्थी और उनके अभिभावक इस बात को लेकर असमंजस में रहते हैं कि आगे किस विषय या क्षेत्र का चयन किया जाए और कौन-सा पाठ्यक्रम भविष्य के लिहाज से बेहतर साबित हो सकता है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए स्कूल प्रबंधन द्वारा कैरियर कॉन्क्लेव की पहल की गई। आयोजन के दौरान विभिन्न विश्वविद्यालयों के अलग-अलग काउंटर लगाए गए थे। यहां विद्यार्थियों को संबंधित संस्थानों में संचालित पाठ्यक्रमों, प्रवेश प्रक्रिया, शैक्षणिक सुविधाओं और प्रोफेशनल शिक्षा के विभिन्न विकल्पों के बारे में जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों से सीधे संवाद कर अपनी रुचि के अनुसार पाठ्यक्रमों को समझा और कैरियर से जुड़े सवालों के जवाब प्राप्त किए। इस पहल से विद्यार्थियों को एक ही स्थान पर उच्च शिक्षा के अनेक विकल्पों को जानने और समझने का अवसर मिला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा उपस्थित रहे। दोनों अतिथियों ने अपने उद्बोधन में स्कूल प्रबंधन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक दौर में केवल किताबी ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को समय रहते अपने भविष्य और कैरियर के प्रति जागरूक करना भी बेहद आवश्यक है। सही मार्गदर्शन और अपनी रुचि एवं क्षमता के अनुरूप विषय तथा पाठ्यक्रम का चयन ही सफलता की मजबूत आधारशिला बनता है।

अमृतवेला ट्रस्ट माधवनगर द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)

गुरु नानक देव जी के सेवा और मानवता के संदेश को आत्मसात करते हुए अमृतवेला ट्रस्ट, माधवनगर पॉपटानी हॉल, कटनी द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 164 लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर रक्तदान किया और मानव सेवा के इस पुनीत कार्य में अपना अमूल्य योगदान दिया। इस अवसर पर रक्तदाताओं के लिए नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। शिविर में युवाओं सहित समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने बढ-चढ़कर हिस्सा लिया। ट्रस्ट के सदस्यों ने बताया कि रक्तदान महादान है। हमारे द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद





व्यक्ति को नया जीवन देने में सहायक बन सकता है। इसी भावना के साथ ट्रस्ट समय-समय पर सामाजिक एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों का आयोजन करता रहता है। अमृतवेला ट्रस्ट ने सभी रक्तदाताओं, चिकित्सकीय टीम, सहयोगियों एवं समस्त संगत का हृदय से आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से यह सेवा कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

धान के अवैध परिवहन, भंडारण पर जिला प्रशासन सख्त

कलेक्टर ने अधिकारियों को धान उपार्जन शुरू होने के पहले से व्यापारियों, दलालों और बिचौलियों पर कड़ी नजर रखने के दिये निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)

जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होने के पहले से ही अवैध रूप से धान का भंडारण व परिवहन करने वाले व्यक्तियों, दलालों, व्यापारियों और बिचौलियों पर अभी से कड़ी नजर रखने कलेक्टर आशीष तिवारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है। कलेक्टर ने सोमवार को समय-सीमा बैठक में अवैध धान के भंडारण व परिवहन पर निगरानी रखने उड़नदस्ता दल गठित करने और नियम विरुद्ध गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वाले लोगों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने अवैध अनाज विशेषकर धान परिवहन और क्रय-विक्रय के मामलों की निगरानी हेतु संबंधित अनुविभाग के एसडीएम के नेतृत्व में उड़नदस्ता दल गठित करने और दल में राजस्व, खाद्य एवं कृषि उपज मंडी के अधिकारियों को शामिल करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने उड़नदस्ता दल को धान परिवहन खासतौर पर जिले में अन्य जिलों से लाकर यहां समर्थन मूल्य पर धान बेचने की चेष्टा करने वाली हर गतिविधि पर नजर रखने की हिदायत दी है। ताकि उपार्जन केन्द्रों में केवल जिले के किसानों की ही धान खरीदी की जा सके और जिले के किसानों को ही उनकी उपज का उपार्जन मूल्य का लाभ मिल सके।



उड़न दस्ता दल की तैनाती

जिले में समर्थन मूल्य पर अन्य जिलों से धान लाकर बेचने के संभावित कुत्सित मंसूबों पर लगाम लगानें हेतु कलेक्टर ने उड़नदस्ता दल गठित करनें के निर्देश दिए है। यह उड़नदस्ता दल जिले के वन एवं खनिज जांच नाकों सहित जिले भर मे अनाज के अवैध परिवहन पर नजर रखेगा। इसके साथ ही दलालों और बिचौलियों पर भी कड़ी नजर रखेगा। यह उड़नदस्ता दल जिले के मुख्य मार्गो सहित जिले भर मे पेट्रोलिंग कर धान के अवैध परिवहन पर नियंत्रण और रोकथाम की कार्यवाही करेगा।

दर्ज कराई जाएगी एफआईआर

कलेक्टर ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया है कि जिले मे अवैध रूप से धान के परिवहनकर्ताओं के विरूद्ध बिना किसी हिचक के कड़ी कार्यवाही की जाए। इनके विरूद्ध पुलिस थानों में एफआईआर भी दर्ज करायें। उड़नदस्ता दल अधिसूचित कृषि उपज के अवैध परिवहन पर नजर रखते हुए कृषि उपज मंडी फीस और निराश्रित शुल्क के अपवंचन पर भी रोक लगानें का कार्य करेगा। साथ ही अवैध परिवहन पर मंडी अधिनियम के नियमानुसार पेनाल्टी शुल्क की भी वसूली करेगा। जिससे मंडी की आमदनी में भी इजाफा होगा।

सेवा और समर्पण की मिसाल बनीं महिलाएं

कटनी (स्वतंत्रमत)। सर्वशक्ति महिला सेवा समिति कटनी द्वारा 14 नवंबर को बाल दिवस के अवसर पर स्काईलाइट, संत नगर, नई बस्ती में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। समिति के वर्ष 2025-26 के दो वर्षीय कार्यकाल के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में समाजसेवा, धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों में निस्वार्थ भाव से योगदान देने वाली महिलाओं, सामाजिक संस्थाओं और सहयोगियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कटनी की आराध्य देवी मां जालपा, कालका एवं शारदा के पूजन-वंदन के



साथ हुआ। मुख्य अतिथि जिला पंचायत कटनी के उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा, श्वेता पाठक, ममता तोमर एवं कीर्ति मालवीय तथा समिति की ओर से संस्थापिका अध्यक्ष माही वीरेन तिवारी, श्रुति चौदहा, श्रद्धा पांडे, सोनाली गुप्ता एवं पूनम त्रिपाठी ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। इसके पश्चात अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया। बाल दिवस के अवसर पर बच्चों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिन्होंने उपस्थित अतिथियों एवं दर्शकों का मन मोह लिया। समारोह में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं के साथ सामाजिक संस्थाओं, पत्रकारों, समाचार पत्रों, ब्लॉगर्स एवं फोटोग्राफर्स को भी उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

साहित्यकार मनोहर मनोज काका हाथरसी सम्मान-हास्य रत्न की उपाधि से सम्मानित

कटनी (स्वतंत्रमत)। नगर के प्रतिष्ठित ख्यातिलब्ध हास्य-व्यंग्य कवि मनोहर मनोज को रविवार, 15 नवम्बर गांधी स्मृति, नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कविसम्मेलन में काका हाथरसी पुरूस्कार एवं हास्य रत्न से नवाजा गया काका हाथरसी सम्मान में 1 लाख की सम्मान निधि भेंट की गयी। काका हाथरसी सम्मान साहित्यिक जगत में श्रेष्ठ सम्मान माना जाता है, और कटनी नगर के लिये ख्यातिलब्ध कवि मनोहर मनोज को सम्मान से सम्मानित किये जाने पर कटनी नगर का नाम दिल्ली तक गौरवान्वित हुआ। काका हाथरसी सम्मान-हास्य रत्न समारोह में मुख्य अतिथि विजय गोयल उपाध्यक्ष, गांधी स्मृति, नई दिल्ली विशिष्ट अतिथि एवम् संरक्षकगण देश के लोकप्रिय हास्त कवि सुरेन्द्र शर्मा एवं प्रो. अशोक चक्रधर डॉ गिरिराज शरण अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। सम्मान समारोह में काका हाथरसी पुरस्कार ट्रस्ट अध्यक्ष अशोक गर्ग ने मनोज का शाल श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया तथा एक लाख की पुरूस्कार राशि भेंट की। हास्य कवि चेतन चर्चित ने सम्मानित कवि मनोज के जीवन परिचय से अवगत कराते हुये उनके साहित्यिक क्षेत्र में समर्पण निष्ठा और सफर सहित उनकी विमोचित कृतियों में सामाजिक विसंगतियों पर आधारित जनप्रिय कविताओं का उल्लेख किया।

मंगल नगर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया छठ महापर्व

कटनी (स्वतंत्रमत)। लोक आस्था और सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा मंगल नगर निवासी संजय सिंह गोरा के परिवार द्वारा बड़े ही श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर परिवार के सभी सदस्यों ने मिलकर छठी मैया की पूजा-अर्चना की तथा भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और मंगलकामना की प्रार्थना की। छठ पूजा उत्तर प्रदेश और बिहार सहित देश के कई राज्यों में बड़े ही



श्रद्धा-भाव से मनाया जाने वाला एक प्रमुख महापर्व है। यह पर्व केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि आस्था, विश्वास, पवित्रता, अनुशासन और पारिवारिक एकता का प्रतीक है। पूरे परिवार ने इस महापर्व को परंपराओं और उत्साह के साथ मनाकर भक्तिमय वातावरण बना दिया।

सजाई आकर्षक रंगोली, जलाए खुशियों के दीप

कटनी (स्वतंत्रमत)

अग्रसेन उद्यान घंटाघर कटनी में दीपोत्सव के पावन पर्व पर 15 नवंबर दिन रविवार शाम 6 बजे दीप उत्सव एवं महाराजा अग्रसेन जी की महा आरती का आयोजन किया गया सर्वप्रथम अग्रसेन जी महाराज व कुलदेवी माता महालक्ष्मी जी की पूजन कर भोग अर्पित किया गया पवन मित्तल, सुरेंद्र कुमार, मुरली मनोहर, केशव प्रसाद, रामेश्वर प्रसाद, दुर्गा प्रसाद, पुरुषोत्तम, आदित्य मित्तल, एवं अन्य उपस्थित लोगों द्वारा पूजा की गई तत्पश्चात अग्रसेन जी की महा आरती की गई दीप प्रज्वलित किया गया सभी अग्र बंधुओ ने आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर दीपावली पर्व की शुभकामनाएं दी इसके उपरांत युवाओं ने आतिशबाजी की महा आरती समाज के सभी अग्रवालो द्वारा की गई। दीपावली की बधाई पवन मित्तल मोहन अग्रवाल सतीश बजाज आनंद राज अग्रवाल वैभव अग्रवाल द्वारा दी गई उपस्थित सभी जनों को मासिक महा आरती के सहयोग के लिए अग्रवाल जनों का सम्मान किया गया। 24 वीं मासिक महा आरती 29 नवंबर 25 संतोष पुष्पा, पुत्र सागर ऋषि राज (चूड़ी वाले)द्वारा 25वीं मासिक महा आरती 28 दिसंबर 2025 बसंत अग्रवाल पुत्र वैभव वंश अग्रवाल (गल्ला मंडी) 26 वी मासिक महा आरती 25 जनवरी 2026 रामेश्वर प्रसाद पुत्र सुमित अग्रवाल द्वारा 27 वी मासिक महा आरती 22 फरवरी 2026 दुर्गा प्रसाद पुत्र आशीष मनीष 28 वी मासिक महा आरती 29 मार्च 2026 अशोक कुमार अनुराग अग्रवाल द्वारा 29 वी मासिक महा आरती 26 अप्रैल 2026 विष्णु संजय आशीष अग्रवाल द्वारा 30वी मासिक महा आरती 31 मई 2026 राजकुमार पुत्र नमन गगन (चूड़ी वाले) द्वारा 31 वी



मासिक महा आरती धन्य कुमार अग्रवाल पुत्र हरीश अग्रवाल कृष्ण कोल्ड स्टोरेज 28 जून 2026 32 वी मासिक महा आरती 26 जुलाई 2026 आपसी सहयोग राशि से 33 वी मासिक महा आरती 30 अगस्त 2026 पवन मित्तल परिवार द्वारा 34 वी मासिक महा आरती 27 सितंबर 2026 अशोक अग्रहरि पुत्र आशीष अभिषेक अंकित अग्रहरि द्वारा 35 वी मासिक महा आरती 25 अक्टूबर 2026 आपसी सहयोग राशि से 36 वी मासिक महा आरती 15 नवंबर 2026 सभी के सहयोग से आचार्य मुकेश, नरेश अग्रवाल एल्डरमैन पार्षद, केशव प्रसाद अग्रवाल ,अनिरुद्ध अग्रवाल को श्रीफल और स्मृति चिन्ह द्वारा सम्मानित किया गया महा आरती के पश्चात प्रसाद वितरण से कार्यक्रम का समापन हुआ सरपंच पुरुषोत्तम अग्रवाल, दुर्गा प्रसाद अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, कंछेदी लाल, राजकुमार चूड़ी, सुरेश चंद्र अग्रवाल, अतुल अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल कैटरस, रामकुमार अग्रवाल, संजीव बंसल, स्वामी प्रसाद, श्याम बिहारी, भरत, विजय मोदी, नर्मदा प्रसाद, संतोष (चूड़ी), श्यामसुंदर बजाज, सतीश बजाज, ज्ञान प्रकाश, नरेंद्र, सूरज दीन, कमल राज, बसंत, अमित, रतन, अनुराग खुईया पान, गोपाल कृष्ण, जीवन, अंबिकेश, प्रदीप, विकास, पंकज, कमलकांत, घनश्याम, महिलाओं की उपस्थिति रही पुष्पा, निमिषा अलका मोदी, सरिता, अल्पना, अलका, सरोज, रेखा, तृप्ति, अनीता, नीति, स्वाति एज्योति, मालती, मनीता, शशि, उर्मिला, वर्षा, उमा, एडवोकेट रश्मि, मीनू, साधना, नेहा, रश्मि।

19 साल की मीरा एंड्रीवा ने जीता टेनिस डब्ल्यूटीए फाइनल्स

यूक्रेन की स्वितोलिना को सीधे सेटों में हराया

नई दिल्ली



रूस की 19 साल की टेनिस खिलाड़ी मीरा एंड्रीवा ने रविवार को डब्ल्यूटीए (विमेंस टेनिस एसोसिएशन) फाइनल्स का खिताब जीत लिया। अमेरिका के इंडियन वेल्स में खेले गए फाइनल में उन्होंने यूक्रेन की 32 साल की एलिना स्वितोलिना को 7-5, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ एंड्रीवा करियर की सर्वश्रेष्ठ वर्ल्ड नंबर-2 रैंकिंग पर पहुंच गई हैं। चैंपियन बनने पर उन्हें 33.7 लाख डॉलर (करीब 28.4 करोड़ रुपए) की इनामी राशि और अल्ट्रावॉयलेट पर्पल रंग की मर्सिडीज-बेंज कन्वर्टिबल कार मिली।मैच के बाद मर्सिडीज-बेंज कार को कोर्ट पर लाया गया। एंड्रीवा खुशी-खुशी उसकी ड्राइविंग सीट पर बैठ गईं। हालांकि, 19 साल की इस खिलाड़ी के पास अभी ड्राइविंग लाइसेंस नहीं है।

एंड्रीवा ने कहा, यह मेरे लिए जल्द से जल्द ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने का शानदार मोटिवेशन है। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो मेरी टीम में पांच लोग हैं। मैं हमेशा के लिए पैसेंजर प्रिंसेस बनकर रह सकती हूं। यह भी एक विकल्प है। एंड्रीवा बिना कोई सेट गंवाए डब्ल्यूटी फाइनल्स का खिताब जीतने वाली 11वीं खिलाड़ी बन गई हैं। उनसे पहले क्रिस एवर्ट, मार्टिना नवरातिलोवा और सेरेना विलियम्स जैसी दिग्गज खिलाड़ी भी यह उपलब्धि हासिल कर चुकी हैं। इस उपलब्धि पर एंड्रीवा ने कहा, इस खास ग्रुप में अपना नाम शामिल कर मैं खुद को बेहद खुशकिस्मत मानती हूं। अवॉर्ड सेरेमनी के दौरान एंड्रीवा ने एक खास जैकेट पहनी थी, जिस पर लिखा था- आई वांट टू थैंक माईसेल्फ यानी मैं खुद को धन्यवाद देना चाहती हूं। उन्होंने कहा कि वे कड़ी मेहनत करने, कभी हार नहीं मानने, खुद पर भरोसा रखने और हर दिन अपने खेल को बेहतर बनाने के लिए मेहनत करने पर खुद को धन्यवाद देना चाहती हैं।

एंड्रीवा ने आखिरी गेमों में जीत पक्की की

इंडियन वेल्स टेनिस गार्डन के स्टेडियम-2 पर खेला गया फाइनल करीब दो घंटे चला। मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। एंड्रीवा ने आखिरी छह में से पांच गेम जीतकर खिताब अपने नाम किया।

दूसरे सेट में स्वितोलिना ने वापसी की कोशिश की, लेकिन आखिरी दो गेम में वे सिर्फ दो पॉइंट ही जीत सकीं। मैच के आखिरी पॉइंट पर उनका स्मैश नेट में उलझ गया और एंड्रीवा चैंपियन बन गईं। जीत के बाद एंड्रीवा ने स्टैंड्स में बैठीं अपनी कोच कोंचिता मार्टिनेज को गले लगा लिया।



बेल्जियम के लुकाकू ने इंटरनेशनल फुटबॉल से लिया संन्यास

बेल्जियम। बेल्जियम के स्ट्राइकर रोमेलु लुकाकू ने 33 साल की उम्र में इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास ले लिया है। उन्होंने सोमवार को इंस्टाग्राम पर ऐलान किया। लुकाकू ने बेल्जियम के लिए 16 साल के करियर में 135 मैच खेले और रिकॉर्ड 94 गोल किए। वह देश के सबसे ज्यादा गोल करने वाले फुटबॉलर हैं। पुरुषों के इंटरनेशनल फुटबॉल में सबसे ज्यादा गोल करने वालों में वह 5वें नंबर पर हैं। लुकाकू ने लिखा कि उन्होंने राष्ट्रीय टीम के साथ हर तरह का भाव महसूस किया। उन्होंने अपने साथियों, कोच और बेल्जियम के समर्थकों का शुक्रिया अदा किया।लुकाकू ने बेल्जियम के लिए 16 साल की उम्र में डेब्यू किया था। उन्होंने देश की ओर से 4 फीफा वर्ल्ड कप और 3 यूरोपियन चैंपियनशिप में हिस्सा लिया। वह बेल्जियम की उस टीम का हिस्सा रहे, जिसे फुटबॉल की गोल्डन जनरेशन कहा गया। लुकाकू ने मार्च 2010 में क्रोएशिया के खिलाफ डेब्यू किया था। उस मैच में बेल्जियम को 1-0 से हार मिली थी। 16 साल, 9 महीने और 18 दिन की उम्र में वह बेल्जियम के इतिहास में तीसरे सबसे कम उम्र के डेब्यू करने वाले खिलाड़ी बने थे। उन्होंने अपना पहला इंटरनेशनल गोल 17 नवंबर 2010 को रूस के खिलाफ 2-0 की जीत में किया था।

-16 साल का करियर रहा,135 मैच में सबसे ज्यादा 94 गोल किए

पहले बल्ले से लेकर उनके आखिरी टेस्ट तक



वानखेड़े में मना सचिन तेंदुलकर की विरासत का जश्न

मुंबई (वार्ता) मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने बैटोग्राफी पेश की है। यह एमसीए शरद पवार क्रिकेट संग्रहालय का एक अनोखा हिस्सा है, जो भारत रत्न सचिन तेंदुलकर को समर्पित है। इसमें 25 ऐसे बल्ले शामिल हैं जो 1978 से 2013 तक के उनके शानदार क्रिकेट सफर को दर्शाते हैं। इसके साथ ही, उनके निजी संग्रह से कुछ खास टोपियां और कपड़े भी रखे गए हैं। 16 नवंबर को एक विशेष कार्यक्रम में सचिन तेंदुलकर और मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने मिलकर बैटोग्राफी का अनावरण किया। यह दिन उस घटना के 13 साल पूरे होने का प्रतीक है, जब वानखेड़े स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ सचिन तेंदुलकर का 200वां और आखिरी टेस्ट मैच खत्म हुआ था (16 नवंबर 2013 को)। इसी मैदान पर, 27 नवंबर 1983 को 10 साल के तेंदुलकर ने पहली बार कोई टेस्ट मैच देखा था और अपने हीरो विवियन रिचर्ड्स को शतक लगाते हुए देखा था। बैटोग्राफी को इस सोच के साथ तैयार किया गया है कि एक क्रिकेटर की कहानी उसके खेल के सबसे अहम उपकरण (बल्ले) के जरिए बताई जाए। इसमें हर बल्ले को तेंदुलकर के जीवन और करियर के एक अध्याय के रूप में पेश किया गया है। इस संग्रह की शुरुआत उस कश्मीर विलो बल्ले से होती है, जो 1978 में उनकी बड़ी बहन सविता ने उन्हें तब गिफ्ट किया था, जब वे 5 साल के थे। और इसका समापन उस बल्ले के साथ होता है, जिसका इस्तेमाल उन्होंने वानखेड़े में अपनी आखिरी टेस्ट पारी में किया था। इसमें कुछ बेहद खास चीजें भी शामिल हैं, जैसे- वह बल्ला जिससे उन्होंने 1990 में मैनचेस्टर में 17 साल की उम्र में अपना पहला टेस्ट शतक लगाया था; सर डोनाल्ड ब्रैडमैन द्वारा उन्हें 1998 में गिफ्ट किया गया बल्ला; और वह बल्ला जिसका इस्तेमाल उन्होंने आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2003 में किया था, जिसके बाद उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया था। और वह बल्ला, जिससे उन्होंने 16 मार्च 2012 को मीरपुर में बांग्लादेश के खिलाफ अपना 100वां अंतरराष्ट्रीय शतक लगाया था। बल्लों के इस संग्रह के साथ-साथ यहाँ कुछ ऐसी यादगार चीजें (मेमोराबिलिया) भी हैं, जो तेंदुलकर के करियर के खास पलों को दर्शाती हैं।

कोहली के टेस्ट संन्यास पर कपिल देव ने उठाए सवाल

कहा- 10 साल बाद फैसले पर पछताएंगे, फिटनेस के दम पर खेल सकते थे

नई दिल्ली



भारत के पूर्व कप्तान कपिल देव ने विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के फैसले को उनके करियर की सबसे बड़ी गलती बताया है। कपिल ने मिड-डे को दिए इंटरव्यू में कहा, टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का पछतावा कोहली को 10 साल बाद होगा। वे फिटनेस के दम पर अभी और खेल सकते थे।कोहली ने 12 मई 2025 को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया था। उनका टेस्ट करियर 14 साल चला। उन्होंने 123 मैच में 9,230 रन बनाए। औसत 46.85 का रहा। उन्होंने 30 शतक और 31 अर्धशतक लगाए।उनका आखिरी टेस्ट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में 3 जनवरी 2025 था। यह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का पांचवां टेस्ट था। भारत यह सीरीज 3-1 से हार गया था।कोहली टेस्ट क्रिकेट में 10 हजार रन पूरे करने से 770 रन दूर थे। वे भारत के लिए टेस्ट में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उनसे आगे सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और सुनील गावस्कर हैं। कोहली के संन्यास से पहले टेस्ट क्रिकेट में उनका प्रदर्शन पहले जैसा नहीं रहा था। नवंबर 2024 में पर्थ टेस्ट में नाबाद शतक लगाने से पहले उन्होंने जुलाई 2023 के बाद टेस्ट में शतक नहीं लगाया था। उनके करियर का औसत 55.10 तक पहुंचा था, लेकिन उससे पहले के 24 महीनों में यह घटकर 32.56 रह गया था। उन्होंने इंग्लैंड दौरे से पहले टेस्ट क्रिकेट छोड़ने का फैसला किया था। उनके संन्यास से कुछ दिन पहले रोहित शर्मा ने भी टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। दोनों ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में खराब प्रदर्शन के बाद यह फैसला लिया था।

पाटीदार का नाबाद शतक, मप्र ने असम को 131 रनों से हराया

नयी दिल्ली। रजत पाटीदार ने 48 गेंदों में नाबाद 135 रन की तूफानी शतकीय पारी की बदौलत मध्य प्रदेश ने सोमवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 में असम पर 131 रनों की बड़ी जीत हासिल की। जम्मू और कश्मीर ने भी अपने एलीट ग्रुप मुकाबले में जीत हासिल की। पाटीदार की जबरदस्त पारी, जिसमें कई बाउंड्री शामिल थीं, ने मध्य प्रदेश को न्यू चंडीगढ़ के पीसीए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 250/6 का बड़ा स्कोर बनाने में मदद की। उन्हें शिवांग कुमार का शानदार साथ मिला, जिन्होंने 38 गेंदों में 61 रन बनाए, और इस जोड़ी ने एक मज़बूत स्कोर की नींव रखी। अंकुश सिंह ने 13 गेंदों पर 23 रन बनाए, जबकि अक्षत रघुवंशी ने 19 रन बनाए। असम के लिए आकाश सेनगुप्ता ने तीन विकेट लिए, जबकि मृण्मय दत्ता ने दो विकेट लिए। जवाब में असम की टीम 17.4 ओवर में 119 रन पर आउट हो गई।

स्पेन का लगातार 44 मैच न हारने का सफर थमा

नई दिल्ली

इंग्लैंड ने 3-2 से हराया; केन, कोंसा और व्हाइट ने गोल किए



मैड्रिड में खेले गए नेशंस लीग के मुकाबले में वर्ल्ड चैंपियन स्पेन को 3-2 से हरा दिया। इस हार के साथ स्पेन का लगातार 44 कॉम्पिटिटिव मैचों में नहीं हारने का रिकॉर्ड टूट गया। टीम को आखिरी बार मार्च 2023 में किसी कॉम्पिटिटिव मैच में हार मिली थी। फ्रेंडली मुकाबलों को शामिल करें तो स्पेन लगातार 43 मैचों में नहीं हारा था। ग्रुप-3 के इस मुकाबले में इंग्लैंड की ओर से हैरी केन, एजरी कोंसा और बेन व्हाइट ने गोल किए। वहीं, स्पेन के लिए मिकाएल ओयारजबाल और निको विलियम्स ने गोल दागे। इस जीत के साथ इंग्लैंड ग्रुप में टॉप पर पहुंच गया और मार्च में होने वाले क्वार्टर फाइनल के लिए सीडेड टीम बन गया। दोनों टीमें पहले ही अगले राउंड के लिए क्वालिफाई कर चुकी थीं। एटलेटिको मैड्रिड के मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम में इंग्लैंड ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। गोलकीपर उनाई सिमोन ने जूड बेलिंगहैम का शानदार शॉट रोककर स्पेन को शुरुआती झटका लगने से बचाया। एंथनी गॉर्डन का शॉट भी डिफेंडर्स ने ब्लॉक कर दिया।पहले हाफ के आखिरी मिनट में स्पेन के डिफेंडर पाउ कुबार्सी ने पेनल्टी एरिया में हैरी केन को गिरा दिया। रेफरी ने इंग्लैंड को पेनल्टी दी। केन ने इसे गोल में बदलकर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी।

रेड कार्ड के बाद स्पेन ने 2 गोल किए

तीन गोल से पिछड़ने के बाद स्पेन ने वापसी की कोशिश की। इसी दौरान इंग्लैंड के मिडफील्डर इलियट एंडरसन ने पेनल्टी एरिया में लामिन यामल को फाउल कर दिया। रेफरी ने एंडरसन को रेड कार्ड दिखाया। इसके बाद इंग्लैंड को 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। मिकाएल ओयारजबाल ने पेनल्टी को गोल में बदलकर स्पेन का खाता खोला। इसके बाद एंथनी गॉर्डन की गलती का फायदा उठाते हुए यामल ने निको विलियम्स को पास दिया।

विलियम्स का शॉट पोस्ट से टकराकर गोल में चला गया। स्कोर 3-2 हो गया। स्पेन ने बराबरी के लिए लगातार हमले किए, लेकिन इंग्लैंड के गोलकीपर जेम्स ट्रैफर्ड ने यामल और मार्क कुकुरेला के शॉट रोक दिए। इस मैच में ट्रैफर्ड को जॉर्डन पिकफोर्ड की जगह मौका मिला था।

जिंस बाजार में त्योहारी मांग की गहमा गहमी के बाद सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों में नरमी का रुख

नयी दिल्ली। दिल्ली थोक जिंस बाजार में पिछले सप्ताह सीमित दायरे के कारोबार में घट-बढ के बीच चावल , अधिकतर दालों और खाद्य तेलों में कुल मिला कर गिरावट का रुख रहा। त्योहारी मांग का दबाव कम होने से आटा भी एक सप्ताह पहले की तुलना में सप्ताहांत 13 रुपये नीचे आ गया था पर गेहूं के भाव में हल्की तेजी दिखी। सप्ताह के दौरान चीनी में कुल 21 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी दर्ज की गयी जबकि गुड़ का भाव करीब करीब पिछले सप्ताह के स्तर पर ही बंद हुआ। साप्ताहिक कारोबार में सामान्य किस्म का चावल इससे पिछले सप्ताहांत के करीब 4379 रुपये प्रति क्विंटल की जगह इस सप्ताहांत 4367 पर बंद हुआ। बीच के दिनों में हल्की घट-बढ़ के साथ चावल में कुल मिला कर 12 रुपये की नरमी दिखी। गेहूं पिछले सप्ताहांत के 2955 रुपए से कुल मिलाकर छह रुपये तेज हो कर इस सप्ताहांत लगभग 2961 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। सप्ताह के दौरान आटा 13 रुपये नीचे आ गया। तुअर एक सप्ताह पहले के 12624 रुपये क्विंटल से 28 रुपये नीचे खिसक कर 12596 के स्तर पर आ गयी। मांग और पूर्ति में अंतर के चलते मूंग एक सप्ताह पहले की तुलना में 43 रुपये प्रति क्विंटल नीचे आ गयी थी जबकि मसूर दाल सीमित दायरे में घट बढ़ के बीच 8233 -8234 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर बनी रही। खाद्य तेलों में घट बढ़ के बीच मूंगफली पिछले सप्ताहांत की तुलना में इस सप्ताहांत के प्रति क्विंटल 99 रुपये घट कर 19847 रुपये , सरसों 63 की गिरावट के साथ 19971 , वनस्पति 62 घटकर 15926, सोया आयल 42 गिरकर 15895 , तेल सूरज मुखी 61 रुपये नीचे खिसक कर लगभग 18228 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर आ गया था। इसके विपरीत पाम आयल कुल मिला कर करीब 175 रुपये की तेजी के साथ 14529 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर था।

अशोक लेलैंड का अब तक का सर्वश्रेष्ठ तिमाही प्रदर्शन

चेन्नई।



हिंदुजा समूह की दिग्गज वाहन विनिर्माता कंपनी अशोक लेलैंड ने वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री, राजस्व और मुनाफे के मामले में अब तक का सर्वश्रेष्ठ तिमाही प्रदर्शन दर्ज किया है।

अशोक लेलैंड के दूसरी तिमाही के प्रदर्शन पर रविवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनी की कमर्शियल व्हीकल (सीवी) की बिक्री दूसरी तिमाही में सालाना आधार पर 32 प्रतिशत बढ़कर 64,677 यूनिट हो गई, जबकि पिछले वर्ष की समान तिमाही में यह 49,116 यूनिट थी। दूसरी तिमाही में कंपनी का राजस्व भी 39 प्रतिशत की शानदार वृद्धि के साथ 13,364 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 9,588 करोड़ रुपये था। इस वृद्धि में बाजार की मजबूत मांग, बेहतर मूल्य प्राप्ति और उत्पादों की बाजार अनुकूल सूची का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कंपनी का प्रावधानों से पूर्व परिचालन लाभ (एबिटडा) 1,350 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 1,162 करोड़ रुपये था। तिमाही के दौरान कर पूर्व लाभ 14 प्रतिशत बढ़कर 1,187 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 1,043 करोड़ रुपये था। वहीं, कंपनी का कर पश्चात लाभ (शुद्ध) 13 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 869 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में 771 करोड़ रुपये था। कंपनी ने कहा कि उसने मध्यम एवं भारी वाणिज्य वाहनों और हल्के वाणिज्यिक वाहनों के खंड में शानदार प्रदर्शन किया ।

दूसरी तिमाही में मध्यम एवं भारी वाणिज्य वाहनों की श्रेणी में बेहतर प्रदर्शन किया। कंपनी की बिक्री सालाना आधार पर 44 प्रतिशत बढ़कर 37,958 यूनिट हो गई, जबकि पिछले वर्ष की समान तिमाही में यह 26,307 यूनिट थी। इसके मुकाबले उद्योग की वृद्धि दर 39 प्रतिशत रही।

मुंबई में सीएनजी 1.50 रुपये प्रति किलो महंगी



मुंबई। महाराष्ट्र में मुंबई और मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में रविवार को यात्रियों, वाहन चालकों और सार्वजनिक परिवहन संचालकों पर महंगाई का अतिरिक्त बोझ पड़ गया। संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) की कीमत में 1.50 रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी की गई है, जिससे इसकी खुदरा कीमत बढ़कर 91.50 रुपये प्रति किलो हो गयी है। बढ़ी हुई कीमत शनिवार आधी रात से लागू हो गयी और रविवार सुबह से मुंबई तथा आसपास के क्षेत्रों के सभी सीएनजी केंद्रों पर इसी दर से गैस की बिक्री शुरू हो गयी। इससे पहले एक नवंबर को सीएनजी की कीमत में एक रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी की गयी थी। पिछले 75 दिनों में इसकी कीमत कुल 5.50 रुपये प्रति किलो बढ़ चुकी है। साल की शुरुआत में सीएनजी की कीमत 80.50 रुपये प्रति किलो थी, जो अब 11 रुपये बढ़ चुकी है। कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी का सबसे अधिक असर ऑटो रिक्शा और टैक्सी चालकों पर पड़ने की आशंका है, क्योंकि वे रोजमर्रा के कामकाज के लिए काफी हद तक सीएनजी पर निर्भर हैं। निजी वाहन चालकों और सीएनजी से चलने वाले व्यावसायिक वाहनों के संचालकों को भी हर बार गैस भरवाने के लिए अधिक पैसे खर्च करने होंगे। सीएनजी की ताजा कीमत बढ़ने के बाद ऑटो रिक्शा यूनियनों ने एक बार फिर यात्री किराया बढ़ाने की मांग की है। यूनियन प्रतिनिधियों का कहना है कि ईंधन की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी से उनकी कमाई पर असर पड़ा है। मुंबई रिक्शा मेन यूनियन के थम्पी कुरियन ने कहा कि सीएनजी की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी से हाल में किए गए किराया संशोधन का आर्थिक लाभ कम हो गया है।

इलेवन पावर करेगी 4,717 करोड़ के निवेश

नूंह ,गुरुग्राम में स्वतंत्र बिजली वितरण नेटवर्क स्थापित करने की योजना

नई दिल्ली। नयी प्रौद्योगिकी आधारित निजी क्षेत्र की विद्युत वितरण कंपनी इलेवन पावर ने हरियाणा के नूंह और गुरुग्राम में स्वतंत्र बिजली वितरण नेटवर्क स्थापित करने की योजना बनाई है। कंपनी ने रविवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि वह पांच वर्षों में 4,716.73 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। यह नेटवर्क घरेलू, व्यावसायिक, औद्योगिक तथा कृषि उपभोक्ताओं की बढ़ती बिजली जरूरतों को पूरा करेगा। प्रस्तावित नेटवर्क मौजूदा बिजली वितरण कंपनी दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के साथ समानांतर वितरण व्यवस्था का



परिचालन करेगा। इस व्यवस्था में उपभोक्ताओं को भी अपने बिजली वितरक का चयन करने का विकल्प मिलेगा। हालांकि, यह विकल्प संबंधित नियामकीय प्रक्रिया और उनके क्षेत्र में वितरण नेटवर्क की उपलब्धता के अधीन होगा। इसमें बिजली की दरें पहले की तरह हरियाणा विद्युत नियामक आयोग द्वारा निर्धारित नियामकीय ढांचे के अनुसार तय की जाती रहेंगी। इलेवन ग्रुप के चेयरमैन सुनील सचदेवा ने अपने पेशेवर करियर की शुरुआत 1980 के दशक के मध्य में बिजली पारेषण और वितरण क्षेत्र से की थी। इलेवन पावर के एक प्रवक्ता ने कहा, नूंह और गुरुग्राम में सभी श्रेणियों के उपभोक्ताओं की बिजली जरूरतें लगातार बढ़ रही हैं। हमारा प्रस्तावित निवेश इन जरूरतों को पूरा करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे और क्षमताओं के विकास पर केंद्रित है। हम सभी श्रेणियों के उपभोक्ताओं को बिना किसी भेदभाव के बिजली आपूर्ति करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

शेयर बाजारों में तेजी लौटी, सेंसेक्स 0.63 प्रतिशत, निफ्टी 0.58 प्रतिशत चढ़ा

मुंबई। बैंकिंग और एफएमसीजी शेयरों में लिवाली के जोर तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी प्रवाह के समर्थन से स्थानीय शेयर बाजार में पिछले सप्ताहांत की गिरावट के सोमवार को तेजी लौट आयी और प्रमुख सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। विश्लेषकों के अनुसार आईटी शेयरों में चुनिंदा लिवाली और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आने से भी बाजार को बल मिला। बीएसई का 30 प्रमुख शेयरों वाला सेंसेक्स 512.34 अंक (0.63 प्रतिशत) सुधर कर 82,104.79 अंक पर तथा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 भी 146.80 अंक (0.58 प्रतिशत) सुधर कर 25,291.10 पर बंद हुआ। बीएसई आज तेजी की धारणा से 81,810.98 पर खुल कर दिन में ऊपर में 82,311.65 और नीचे में 81,762.82 पर तक गया । शुक्रवार को यह 81,592.45 पर बंद हुआ था। एनएसई 50 सुबह 25,206.15 पर खुल कर नीचे में 25,172.10 तक और ऊपर में 25,337.60 तक गया था। पिछले सप्ताहांत निफ्टी 25,144.30 पर बंद हुआ था। सेंसेक्स के 30 में से 20 शेयर लाभ और 10 हानि में तथा निफ्टी के 50 में से 31 शेयर लाभ और 19 हानि में रहे। लाभ में रहे प्रमुख शेयरो में आईटीसी (3.78 प्रतिशत), भारती एयरटेल (2.16 प्रतिशत), एटर्नल (1.74 प्रतिशत), पावरग्रिड (1.69 प्रतिशत),



एचडीएफसी बैंक (1.61 प्रतिशत), अल्ट्रा टेक सीमेंट (1.32 प्रतिशत) और एशियन पेंट्स 1.30 प्रतिशत लाभ में बंद हुआ। टाइटन, कोटक बैंक, टेक महिंद्रा, एसबीआई, एनटीपीसी, हिंदुस्तान लीवर , एक्सिस बैंक , महिंद्रा एंड महिंद्रा , एचसीएल टेक और इन्फोसिस जैसे शेयर भी लाभ में रहे। घाटे में रहे शेयरों में टाटा स्टील (2.81 प्रतिशत), मारुति (2.36 प्रतिशत) और इंडिगो (1.14 प्रतिशत) प्रमुख हैं। मिडकैप 100 में 0.5 प्रतिशत और स्मॉलकैप 100 में 1.1 प्रतिशत की गिरावट रही। निफ्टी एफएमसीजी में 1.9 प्रतिशत की तेजी आई। इस तेजी में आईटीसी का प्रमुख योगदान रहा, जिसके शेयर में 3 प्रतिशत से अधिक की बढ़त दर्ज की गई। कंपनी के दूसरी तिमाही के नतीजों के बाद नवंबर में अब तक आईटीसी का शेयर लगभग 11 प्रतिशत चढ़ चुका है। इसके विपरीत, निफ्टी ऑटो में 1.3 प्रतिशत की गिरावट आई, जिसका मुख्य कारण टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के शेयर में कमजोरी रही। वहीं, मेटल और माइनिंग शेयरों में व्यापक मुनाफावसूली के चलते निफ्टी मेटल 1.5 प्रतिशत गिर गया। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के अनुसंधान प्रभाग के प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने एक संक्षिप्त टिप्पणी में कहा, भारतीय शेयर बाजार में सकारात्मक रुख बने रहने की संभावना है। विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार खरीदारी और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से बाजार को समर्थन मिल सकता है। हालांकि, व्यापक बाजार में तेजी कुछ चुनिंदा शेयरों और सेक्टरों तक सीमित रह सकती है।

हर वर्ग के कल्याण के लिए काम कर रही है राज्य सरकार : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

जनजातीय समाज को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना ही हमारा संकल्प



भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार प्रदेश के हर वर्ग के विकास और कल्याण के लिए संकल्पित है। जनजातीय समाज का गौरव, स्वाभिमान, संस्कृति और आत्मनिर्भरता राज्य सरकार की विशेष प्राथमिकता है। राज्य सरकार जनजातीय वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़कर उनके कल्याण, समृद्धि और सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। जनजातीय समाज की सहज जीवनशैली, गौरवशाली परम्पराओं और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए भी सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आत्मनिर्भर होना ही विकास की पहली सीढ़ी, पहली जरूरत होती है। हमारा संकल्प है कि जनजातीय समाज अपनी पुरातन परम्पराओं को सहेजते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और कौशल विकास के हर अवसर से जुड़े तथा आत्मनिर्भरता के साथ नई ऊंचाइयों को प्राप्त करे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को खंडवा में हुए राज्यस्तरीय जनजातीय गौरव दिवस सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। राज्यस्तरीय जनजातीय गौरव सम्मेलन से पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नगर निगम खंडवा में 16.97 करोड़ रूपए की लागत से 30 हजार वर्गफीट में नवनिर्मित पांच मंजिला कार्यालय भवन का लोकार्पण कर खंडवावासियों को सौगात दी।

जनजातीय वीर नायकों का योगदान अतुलनीय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्रीय अस्मिता की रक्षा और स्वाधीनता संग्राम में जनजातीय वीर नायकों का योगदान अतुलनीय रहा है, लेकिन दुर्भाग्यवश इतिहास के पन्नों में उन्हें अपेक्षित स्थान नहीं मिला। हमारी सरकार ने इन महानायकों के शौर्य, संघर्ष और बलिदान को समुचित सम्मान देने के लिए इनके नाम पर गौरव दिवस, स्मारक, उच्च शिक्षण संस्थान स्थापित करने के साथ ही इनकी कर्मस्थली में कैबिनेट मीटिंग्स करने का निर्णय लिया है।

वीरांगना रानी दुर्गावती के सम्मान में दो (जबलपुर एवं सिंग्रामपुर में) और राजा भभूत सिंह की स्मृति में पचमढ़ी में हम कैबिनेट मीटिंग कर चुके हैं। रानी दुर्गावती के नाम पर हमने कोदो-कुटकी (श्रीअन्न) प्रोत्साहन योजना प्रारंभ की है।

हम जनजातीय महापुरूषों के नाम पर विश्वविद्यालय और मेडिकल कॉलेज भी खोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि मंडला में राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह के नाम पर मे?डिकल कॉलेज बनाया जा रहा है। हमने खरगोन में क्रांतिसूर्य टंट्या भील के नाम पर और गुना में तात्या टोपे के नाम पर विश्वविद्यालय स्थापित किए हैं। महू में रेलवे स्टेशन भी बनाया है।

किसानों सहित हर वर्ग का कल्याण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2021 से 15 नवंबर को बिरसा मुंडा जी की जयंती को राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की। प्रधानमंत्री श्री मोदी अपने मन में सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास का भाव रखते हुए कार्य करते हैं। इसीलिए भारत के राष्ट्रपति के पद पर आज

धर्मनगरी ओंकारेश्वर के विकास के लिए हो रहे 2500 करोड़ रूपए के कार्य

जनजातीय समुदाय से आने वाली श्रीमती द्रोपदी मुर्मु आसीन हैं। हम जनजातीय अंचलों के विकास के लिए संकल्पित हैं। उन्होंने कहा कि मां नर्मदा के जल से खंडवा में सिंचाई सुविधाओं का विकास हो रहा है। इससे खंडवा सहित निमाड़ अंचल के तापमान में गिरावट आई है। यहां के किसानों द्वारा उगाई मिर्च देश-दुनिया में अपनी पहचान रखती है।

राज्य सरकार किसानों सहित हर वर्ग के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नर्मदा मैया के जल का भरपूर उपयोग किया जा रहा है। आजादी के बाद से वर्ष 2002-03 तक प्रदेश में सिंचाई का रकबा केवल साढ़े 7 लाख हेक्टेयर था। प्रदेश में जब सुश्री उमा भारती, बाबूलाल गौर, शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में सरकारें बनीं तो प्रदेश में धीरे-धीरे सिंचाई और बिजली उत्पादन में बढ़ोतरी हुई। वर्ष 2023 के बाद अब प्रदेश में उत्पादन 32 हजार मेगावॉट तक पहुंच गया है।



विद्यार्थियों के लिए किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक अनुभव, तकनीकी दक्षता और नवाचार जरूरी : राज्यपाल

राज्यपाल जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर के दीक्षांत समारोह में हुए शामिल, विद्यार्थियों को प्रदान किए स्वर्ण पदक एवं उपाधि

भोपाल (स्वतंत्र मत)। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रहना चाहिए। जीवन की वास्तविक चुनौतियों के प्रभावी ढंग से समाधान के लिए व्यवहारिक अनुभव, तकनीकी दक्षता और नवाचार की क्षमता भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों का दायित्व है कि वे शिक्षा और रोजगार के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में ठोस प्रयास करें। शिक्षा की समग्रता, गुणवत्ता और रोजगार आधारित होने के साथ ही वर्तमान संदर्भों में प्रासंगिक हो। विद्यार्थियों को वर्तमान की आवश्यकताओं के अनुरूप सक्षम बनाए। भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए भी तैयार करें। राज्यपाल श्री पटेल सोमवार को जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर के 62वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने समारोह में विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और उपाधियां प्रदान की। इस अवसर पर राज्य मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह भी मौजूद थे। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का महान संकल्प है, जो भारत को एक बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के साथ हर नागरिक के सम्मान और समृद्धि से जुड़ा है। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे अपने कर्म, चरित्र और नवाचार से विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में योगदान दें। राज्यपाल श्री पटेल ने विद्यार्थियों को कहा कि सरल और सफल जीवन जीने के लिए शिक्षा व संस्कार आचरण में दिखने चाहिए। व्यक्तिगत प्रगति के साथ माता-पिता, परिवार, गुरूजन एवं समाज और देश के कल्याण के लिये भी काम करना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि विद्यार्थी हमेशा ध्यान रखें कि मशीनें काम को सरल बना सकती हैं, पर मानवीय संवेदना, विवेक और नैतिकता का स्थान कभी नहीं ले सकतीं। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वे विद्यार्थियों में तकनीकी दक्षता के साथ संवाद की कला, टीम भावना, समझ और कठिन समय में सही निर्णय लेने के लिए जरूरी गुणों का विकास करें। राज्यपाल श्री पटेल ने सरस्वती पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन कर दीक्षांत समारोह का शुभारंभ किया। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में पौधा रोपा।

अनुकंपा नियुक्ति संकट की घड़ी में परिवारों को संबल प्रदान करने का संवेदनशील माध्यम

जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने 37 आश्रितों को प्रदान किए अनुकंपा नियुक्ति पत्र



भोपाल (स्वतंत्र मत)। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने आज भोपाल स्थित अपने निवास कार्यालय में विभाग के दिवंगत शासकीय सेवकों के 37 आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति के आदेश प्रदान किए। इनमें सहायक वर्ग-3 के 23 तथा भृत्य के 14 पदों पर नियुक्तियां शामिल हैं। मंत्री श्री सिलावट ने नवनियुक्त कर्मचारियों एवं उनके परिजनों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अनुकंपा नियुक्ति केवल एक शासकीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि संकट की घड़ी में परिवारों को संबल प्रदान करने और उनके भविष्य को सुरक्षित बनाने का संवेदनशील माध्यम है। राज्य सरकार प्रत्येक ऐसे परिवार के साथ खड़ी है, जिसने अपने प्रियजन को खोया है। सरकार का प्रयास है कि दिवंगत शासकीय सेवकों के परिवारों को कठिन परिस्थितियों में आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जा सके। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार संवेदनशीलता, मानवीय दृष्टिकोण और जनकल्याण की भावना के साथ कार्य कर रही है। अनुकंपा नियुक्ति के माध्यम से आश्रित परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने तथा उन्हें सम्मानपूर्वक जीवनयापन का अवसर उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी नवनियुक्त कर्मचारियों से अपने दायित्वों का निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ निर्वहन करने का आह्वान किया। मंत्री श्री सिलावट ने आश्वस्त किया कि सरकार आपके साथ है। किसी भी परिवार को विपरीत परिस्थितियों में अकेला महसूस नहीं होने दिया जाएगा।

राज्य परिवहन प्राधिकरण को मिली पूरी वैधानिक शक्ति, मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के मार्गों के सूत्रीकरण को मिलेगी गति

अंतर्राज्यीय परमिट जारी करने और नवीनीकरण का रास्ता साफ, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, गुजरात एवं छत्तीसगढ़ तक बस सेवा संचालन को मिलेगी गति

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की ग्वालियर खण्डपीठ ने रिट याचिका क्रमांक 15560/2026, हरिशंकर सिंह पटेल एवं अन्य विरुद्ध मध्यप्रदेश शासन एवं अन्य में 14 अक्टूबर 2026 को महत्वपूर्ण निर्णय पारित किया है। राज्य परिवहन प्राधिकरण के पुनर्गठन संबंधी राज्य शासन की 10 अगस्त 2026 की अधिसूचना को वैध एवं विधिसम्मत ठहराया है। राज्य परिवहन प्राधिकरण की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका निरस्त कर दी गई है। इससे राज्य परिवहन प्राधिकरण पर लगी रोक भी समाप्त हो गई है। इस निर्णय के बाद प्रदेश में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के मार्गों के सूत्रीकरण को गति मिलेगी। राज्य परिवहन प्राधिकरण के गठन को चुनौती देते हुए उक्त याचिका दायर की गई थी, जिसमें माननीय उच्च न्यायालय द्वारा पूर्व में दिनांक 16 जून 2026 एवं 20 अगस्त 2026 को अंतरिम स्थगन आदेश पारित किए गए थे, जिसके कारण राज्य परिवहन प्राधिकरण का वैधानिक रूप से संचालन नहीं हो पा रहा था। प्रदेश सरकार ने न्यायालय में मजबूती से अपना पक्ष रखा। मोटरयान अधिनियम 1988 के प्रावधानों के संबंध में राज्य परिवहन प्राधिकरण के संबंध में जारी अधिसूचना की वैधानिकता के समर्थन में ठोस तथ्य, विधिक आधार एवं सशक्त तर्क न्यायालय के समक्ष शासन द्वारा मजबूती से प्रस्तुत किया गया। माननीय न्यायमूर्ति श्री जी. एस. अहलूवालिया एवं माननीय न्यायमूर्ति श्रीमती अनुराधा शुक्ला की खण्डपीठ द्वारा दोनों पक्षों के अभिवचनों एवं विधिक तर्कों पर विस्तृत विचार करते हुए राज्य शासन द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 10 अगस्त 2026 को विधि के अनुरूप एवं वैध माना गया।

पथरिया में मनाई गई बिरसा मुंडा की जयंती

दमोह (स्वतंत्र मत)। पथरिया में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के तत्वावधान में जनजातीय गौरव दिवस और धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस आयोजन में जिपं अध्यक्ष प्रतिनिधि गौरव पटेल मौजूद रहे। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा के अद्वितीय बलिदान को याद करते हुए उनके द्वारा किये गए जल, जंगल और जमीन की रक्षा हेतु प्रयासों को याद किया। पथरिया थाना प्रभारी ने बिरसा मुंडा के जीवन के उन अनछुए पहलुओं पर प्रकाश डाला जिन्हें जानकर आज के युवाओं और विद्यार्थियों को उनके मार्ग पर चलने हेतु प्रेरित किया। इस दौरान दिलीप कुमार पटेल, शैलेंद्र पाराशर, जीवन यादव, कृष्णा पटेल, पुष्पा दुबे, राघवेन्द्र पटेल, श्री शुक्ला, रोहित जैन सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक गण मौजूद रहे।

चैक अनादरण प्रकरणों की विशेष लोक अदालत का आयोजन 21 को

दमोह (स्वतंत्र मत)। मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुभाष सोलंकी के मार्गदर्शन में 21 नवम्बर को धारा 138 नेगोशियेबल इन्सट्रूमेन्ट एक्ट चैक अनादरण के अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण हेतु विशेष लोक अदालत का आयोजन जिला एवं तहसील स्तर पर किया जा रहा है। उक्त विशेष लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित बैंक अनादरण प्रकरण एवं प्रिलिटिगेशन प्रकरण भी रखे जावेगे। जिला न्यायाधीश/ सचिव पंकज वर्मा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि चैक अनादरण की विशेष लोक अदालत हेतु प्रथम जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश संतोष गुप्ता को समस्त गतिविधियां का समन्वय, पर्यवेक्षण एवं निगरानी हेतु जिला समन्वयक नियुक्त किया गया है, विशेष लोक अदालत हेतु न्यायालयों में लबित चैक अनादरण के प्रकरणों में न्यायालय द्वारा संबंधित पक्षकारों को सूचना पत्र जारी कर पक्षकारों से विशेष लोक अदालत में प्रकरण के निराकरण हेतु प्रयास किये जाकर उनकी सहमति बनाने का प्रयास किया जा रहा है, ऐसे पक्षकार जिन्हें नोटिस प्राप्त नहीं हुआ है और वे अपना प्रकरण विशेष लोक अदालत के माध्यम से निपटाना चाहते है तो वे संबंधित न्यायालय अथवा कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दमोह से सम्पर्क कर सकते है। जिला विधिक सहायता अधिकारी रजनीश चौरसिया ने बताया कि मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर इस विशेष लोक अदालत का आयोजन अवकाश दिवस में किया जा रहा है। इस हेतु जिला एवं तहसील स्तर पर विशेष खण्डपीठों का गठन किया जावेगा। साथ ही आपने बताया कि विशेष लोक अदालत के माध्यम से निराकरण होने वाले प्रकरणों में लगाये गये न्याय शुल्क की वापिसी होगी एवं दीर्घ कालीन कानूनी प्रक्रिया से भी पक्षकारों को निजात मिलेगी।

सांसद के बंगले के सामने पुतला दहन और हंगामे के विरोध में भाजपा ने सौंपा ज्ञापन

दमोह (स्वतंत्र मत)। सांसद राहुल सिंह लोधी के बंगले के सामने कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा बिना पूर्व सूचना एवं अनुमति के पुतला दहन किए जाने और इस दौरान हंगामे की स्थिति निर्मित होने के विरोध में भारतीय जनता पार्टी द्वारा जिला उपाध्यक्ष अमित बजाज के नेतृत्व में समस्त पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पुलिस अधीक्षक दमोह को ज्ञापन सौंपा। भाजपा जिला महामंत्री रामेश्वर चौधरी ने कहा कि सांसद के निवास के सामने कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा अचानक किए गए प्रदर्शन और हंगामे से वहां भय एवं असहजता का माहौल निर्मित हुआ। प्रर्दशन के समय सांसद की पुत्रीए माताजी एवं धर्मपत्नी बंगले में मौजूद थीं। प्रदर्शन के दौरान उत्पन्न स्थिति से परिवार के सदस्यों में भय और चिंता का वातावरण बना। जिला उपाध्यक्ष अमित बजाज ने पुलिस अधीक्षक से मांग की कि जनप्रतिनिधि के निजी आवास के सामने इस प्रकार प्रदर्शन कर उनके परिवार के सदस्यों को भयभीत करने तथा शांति व्यवस्था प्रभावित करने की घटना को गंभीरता से लिया जाए। पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर घटना में शामिल व्यक्तियों की पहचान की जाए और तथ्यों के आधार पर संबंधित दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाए। जिला उपाध्यक्ष संजय सेन ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन करना सभी का अधिकार है लेकिन विरोध के नाम पर किसी जनप्रतिनिधि के



निजी आवास पर हंगामा करना और उनके परिवार की सुरक्षा एवं निजता को प्रभावित करना उचित नहीं है। पुलिस प्रशासन भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने कठोर कार्रवाई करें। ज्ञापन में जिला उपाध्यक्ष मनीष तिवारी, मनीष सोनी, कृष्णा राज दीनदयाल उपाध्याय नगर मंडल अध्यक्ष राजेंद्र चौरसिया मोनू, कृष्णा राज, संतोष रोहित, पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रमोद विश्वकर्मा, अनुसूचित जाति मोर्चा जिलाध्यक्ष बिजेंद्र अहिरवार, देवल कोरी, मोंटी रैकवार, विकास गुप्ता, रितेश सोनी, संदीप शर्मा, रिंकू गोस्वामी, रमाकांत सोनी, शिवेंद्र तिवारी, कृष्णा पटेल, राजुल चौरहा, वैभव तिवारी, कपिल राजपूत, सैफ खान सहित कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

सामान्य प्रशासन स्थाई समिति की बैठक कल

दमोह (स्वतंत्र मत)। मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार सुभाष सोलकी, प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दमोह के मार्गदर्शन में जिला जेल दमोह में उक्त सप्ताह अतर्गत 16 नवम्बर को बंदियों को प्राप्त विधिक अधिकारों व विधिक सहायता के प्रकरणों की अध्यतन जानकारी उपलब्ध कराये जाने के उददेश्य से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन जिला जेल दमोह में किया गया। कार्यक्रम में जिला न्यायाधीश/सचिव पंकज



वर्मा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, विधिक सहायता अधिकारी रजनीश चौरसिया, डिप्टी चीफ एलएडीसी गदन जैन, ऋचा त्रिपाठी, असिस्टेट एलएडीसीएस शिवानी पाराशर, जेल अधीक्षक एमएल पटेल, बंदीगण तथा जेल स्टाफ उपस्थित रहे। जिला न्यायाधीश/सचिव पंकज वर्मा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बंदियों को संबोधित करते हुए कहा कि जैसी भी परिस्थितियों के कारण आपने जेल में प्रवेश लिया है उन परिस्थित्तियों से सबक लेकर आगागी जीवन में अपराध न करने का प्रण ले, ऐसे बंदी जो नशे के आदी थे अब चूंकि जेल में रहने के दौरान नशा छूट चुका है इसीलिए वे भी प्रण ले कि जेल से निकलने के बाद नशे से दूर रहेगे।

ऐसे बंदी जिन्हें न्यायालय द्वारा दंडित किया गया है और वे विधिक सहायता के माध्यम से अपील करना चाहते है तो समय सीमा में अपने आवेदन जेलर के माध्यम से विधिक सहायता कार्यालय में प्रेषित करे ताकि उनकी अपील समय सीमा में प्रस्तुत करायी जा सके। जिला विधिक सहायता अधिकारी रजनीश चौरसिया ने बताया कि विधिक सेवा सप्ताह के उपलक्ष्य मे न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह अंतर्गत आज बंदियों को प्राप्त विधिक अधिकारों की जानकारी दिये जाने तथा उन्हे प्राप्त विधिक सहायता के प्रकरणों की अघतन जानकारी लीगल एड डिफेस काउंसिल के द्वारा दी जावेगी।

मतदाता जागरूकता को लेकर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित

सतना। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश भोपाल से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में सोमवार को शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धवारी में मतदाता जागरूकता संबंधी जिला स्तरीय निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन अपराह्न 2 बजे से 3 बजे तक किया गया, जिसमें विधानसभा स्तर से चयनित प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

बिरसा मुंडा का गौरवशाली इतिहास जनजातीय समाज की पहचान : सांसद कुलस्ते

महादेव घाट और इमलिया घाट में भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पर मूर्ति का हुआ अनावरण



दमोह (स्वतंत्र मत)। भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस के तहत इमलिया घाट और महादेव घाट में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का भव्य अनावरण किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने भगवान बिरसा मुंडा को नमन कर उनके योगदान का स्मरण किया। कार्यक्रम में पहुंचे सभी आदिवासी भाइयों-बहनों, नागरिकों का पुष्प पंखुड़ियां से स्वागत सम्मान किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2021 में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लेकर जनजातीय समाज के सम्मान और गौरवशाली इतिहास को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की पहल की थी। यह बात पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं मंडला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने बिरसा मुंडा की 151वी जयंती के अवसर पर इमलिया घाट और महादेव घाट में आयोजित मूर्ति अनावरण कार्यक्रम में कही। सांसद श्री कुलस्ते ने कहा कि जनजातीय समाज के महापुरुषों और उनके ऐतिहासिक योगदान को सम्मान देने के उद्देश्य से देश में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं।

3 करोड़ की लागत से होगा शहीद स्मारक का निर्माण-इसी क्रम में रानी कमलापति के सम्मान में हबीबगंज रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर रानी कमलापति रेलवे स्टेशन किया गया। ऐसे प्रयास जनजातीय समाज के गौरव, सम्मान और इतिहास को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम हैं। उन्होंने कहा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण कराना हम सभी के लिए गौरव का विषय है। विधायक जयंत मलैया और सांसद श्री लोधी एवं राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी के प्रयासों से यह अवसर प्राप्त हुआ है। राज्यमंत्री प्रभार धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने कहा कि बिरसा मुंडा की प्रतिमाओं की स्थापना जनजातीय समाज के लिए गर्व और सम्मान का विषय है। राज्यमंत्री श्री लोधी ने एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा तेंदूखेड़ा में लगभग 3 करोड़ रुपये की लागत से शहीद स्मारक का निर्माण कराया जाएगा। इस स्मारक में महान जनजातीय वीर शंकर शाह एवं रघुनाथ शाह की प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी। उन्होंने कहा इस पहल से तेंदूखेड़ा में जनजातीय समाज के लिए एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक केंद्र विकसित होगा जो आने वाली पीढ़ियों को जनजातीय वीरों के त्याग, बलिदान और गौरवशाली इतिहास से परिचित कराएगा। उन्होंने कहा यह बड़े ही प्रसन्नता का विषय है कि बिरसा मुंडा की जयंती को जनजाति गौरव दिवस के रूप में अत्यंत हर्षोल्लास और दिव्य.भव्य रूप से मनाया गया है।

20 हजार एकड़ भूमि को उपलब्ध कराया सिंचाई का पानी

दमोह सांसद राहुल सिंह लोधी ने कहा कि 14, 15 एवं 16 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। यह जिले के लिए गौरव और सौभाग्य की बात है कि जिले में दो स्थानों पर जनजातीय समाज के आराध्य भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमाओं का अनावरण किया जा रहा है। इनमें इमलिया घाट एवं महादेव घाट शामिल हैं। सांसद श्री लोधी ने कहा कि संस्कृति राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने जबेरा विधानसभा क्षेत्र में जनजातीय समाज की बड़ी संख्या को देखते हुए विशेष आयोजन करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते द्वारा किया गया है। विधायक श्री मलैया ने कहा सतधरू बांध परियोजना के माध्यम से 39 गांवों की लगभग 20 हजार एकड़ भूमि को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराया जाएगा। परियोजना का कार्य वर्तमान में प्रगतिरत है। उनका अनुमान है कि जनवरी माह तक सभी 39 गांवों में शत प्रतिशत पानी पहुंचना प्रारंभ हो जाएगा।

बाल सुधार गृह से छूटे किशोर को घात लगाकर उतारा मौत के घाट

हनुमानताल थाना अंतर्गत चार खंभा क्षेत्र में वारदात, आरोपियों की तलाश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हनुमानताल थाना अंतर्गत नसीमाबाग के चार खंभा क्षेत्र में रविवार देर रात एक 17 वर्षीय किशोर की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान नौशाद अली के रूप में हुई है। वह अपने चाचा के साथ वेल्डिंग का काम करता था। रविवार रात वह बाजार से घर लौट रहा था, तभी क्षेत्र के ही 6 बदमाशों ने उसे घेर लिया। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने पहले उसके सिर पर पत्थर मारा। नौशाद के गिरते ही उस पर चाकू से ताबड़तोड़ वार किए और मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही हनुमानताल थाना प्रभारी सुभाषचंद्र बघेल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। बताया जा रहा है कि लगभग 2 महीने पहले बाइक टकराने के विवाद में 17 वर्षीय नौशाद अली ने जेनुअल और उसके छोटे भाई पर चाकू से हमला किया था। इस मामले में उसे बाल सुधार गृह भेजा गया था। 16 अक्टूबर को जमानत पर बाहर आने के बाद से ही जेनुअल और उसके साथी उससे बदला लेने





की फिराक में थे। इसी बीच रविवार रात जब नौशाद अकेला घर लौट रहा था, तभी आरोपियों ने उसे घेरकर पहले सिर पर पत्थर से वार किया और फिर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने हत्या में शामिल छह आरोपियों में से तीन की पहचान कर ली है। उनकी गिरफ्तारी के लिए तीन टीमें तलाश में जुटी हैं।

मृतक पर दर्ज थे 7 आपराधिक मामले

पुलिस के मुताबिक, नौशाद उर्फ दाउद के खिलाफ हनुमानताल, ओमती और गोहलपुर थानों में हत्या, हत्या के प्रयास, चाकूबाजी, मारपीट और आर्म्स एक्ट सहित सात आपराधिक मामले दर्ज थे। इनमें एक साल पहले हुई हत्या का मामला भी शामिल बताया गया है।

कई लोगों से थी रंजिश

इस मामले में एएसपी जितेंद्र सिंह ने बताया कि नौशाद को अभिरक्षा में लेकर बाल सुधार गृह भेजते समय पुलिस ने उसकी जमानत का विरोध किया था। पुलिस ने अदालत में आशंका जताई थी कि बाहर आने पर उसकी जान को खतरा हो सकता है, क्योंकि उसकी कई लोगों से रंजिश थी। हनुमानताल थाना पुलिस के मुताबिक, हत्या में शामिल 6 आरोपियों में से 3 की पहचान कर ली गई है। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की तीन टीमें लगातार तलाश कर रही हैं। पुलिस का दावा है कि जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पूर्व सीएसपी नेहा पच्चीसिया को हाईकोर्ट से झटका

एफआईआर रद्द करने की याचिका खारिज

पद का दुरुपयोग कर जमीन की रजिस्ट्री कराने के गंभीर आरोप



जबलपुर (स्वतंत्र मत)

कटनी के छब्बू कोल हत्याकांड की जांच के दौरान पद का दुरुपयोग कर जमीन की रजिस्ट्री कराने के गंभीर आरोपों से घिरीं नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) नेहा पचिसिया को मप्र हाईकोर्ट से राहत नहीं मिली। मप्र हाईकोर्ट ने उनकी वह याचिका खारिज कर दी, एफआईआर निरस्त करने की मांग की गई थी। युगलपीठ ने माना कि मामले में सामने आए परिस्थितिजन्य साक्ष्यों की समग्र जांच आवश्यक है। ऐसे में विवेचना के शुरुआती चरण में हस्तक्षेप कर उसे समाप्त करना उचित नहीं होगा। न्यायाधीश आनंद पाठक और न्यायमूर्ति रामकुमार चौबे की युगलपीठ ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि कोर्ट के समक्ष सवाल यह नहीं है कि संबंधित अधिकारी ने अपराध किया है या नहीं, बल्कि यह है कि क्या उपलब्ध सामग्री ऐसी है कि आपराधिक जांच को शुरुआत में ही रोक दिया जाए।

हत्या से जुड़े तथ्यों की अनदेखी नहीं होनी चाहिए

इस प्रकरण की पृष्ठभूमि एक अप्रैल 2026 को छब्बू कोल का शव कृषि भूमि में मिलने से जुड़ी है। इस मामले में सीएसपी नेहा पचिसिया विवेचना अधिकारी थीं। आरोप है कि उन्होंने विवेचना के दौरान अपने आधिकारिक पद और आपराधिक कार्यवाही की परिस्थितियों का इस्तेमाल कर रमेश लोधी पर दबाव बनाया, ताकि उसकी जमीन की रजिस्ट्री मारूफ अहमद हनफी के पक्ष में कराई जा सके। इस कथित साजिश में क्षितिज राज बरापत्रे की भूमिका भी जांच के दायरे में है। इधर राज्य शासन की ओर से दलील दी गई कि मामले में बैंक खातों के बीच 5 लाख और 10 लाख रुपये के कथित हस्तांतरण, काल डिटेल रिकार्ड, टावर लोकेशन, बयानों और सीसीटीवी से संबंधित सामग्री को एक साथ देखने की जरूरत है। युगलपीठ ने महत्वपूर्ण टिप्पणी में कहा कि अधिकारियों और हत्या के मामले से जुड़े पक्षों के बीच विवाद में मृतक छब्बू कोल और उसकी हत्या से जुड़े तथ्यों की अनदेखी नहीं होनी चाहिए। निष्पक्ष और निष्प्रभावित जांच न्याय के हित में जरूरी है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि उसकी टिप्पणियां किसी की दोषसिद्धि या निर्दोषिता का निर्धारण नहीं करतीं।

प्रसंग अंतरराष्ट्रीय संस्था ने मरीजों को वितरित की खाद्य सामग्री

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

उत्तम स्वास्थ्य हमारी वास्तविक पूंजी है, इसकी रक्षा सभी को करना चाहिए। उक्ताशय के विचार प्रसंग संस्था के संस्थापक इंजी. विनोद नयन ने रखे। अवसर था शासकीय अस्पताल विक्टोरिया में मरीजों को फल वितरण का। प्रसंग अंतरराष्ट्रीय संस्था के 528वें आयोजन में पधारे नगर की वरिष्ठ साहित्यकारों ने कहा कि कार्तिक मास का भारतीय



परंपरा में विशेष महत्व है,धर्म एवं आध्यात्म के साथ समाज सेवा मानव को श्रेष्ठ एवं परोपकारी बनाती है, मनुष्य को सभी की सहायता करना चाहिए। मरीजों को हास्य व्यंग के माध्यम से के के नायकर ने भरपूर मनोरंजन किया। इस भावना को

चरितार्थ करते हुए कार्तिक मास में हुए इस आयोजन में 200 मरीजों को फल वितरित किए गये जिसकी प्रासंगिकता पर अभय तिवारी, डॉ छाया सिंह ने प्रकाश डाला। इस अवसर पर डॉ मकबूल अली, डॉ रानू रूही, बसंत कुमार शर्मा, डॉ विनीता पांडेय आदि उपस्थित रहे।

सनातन संस्कृति के गौरव का अनुपम प्रतीक बनेगी नर्मदा परिक्रमा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

श्री नर्मदा संकीर्तन परिक्रमा समिति के तत्वावधान में कार्तिक मास की पावन बैकुंठ चतुर्दशी पर महर्षि गौतम आश्रम, गोपालपुर, भेड़ाघाट से समिति के संरक्षक जगद्गुरु स्वामी राघव देवाचार्य महाराज के नेतृत्व में प्रारंभ होने वाली भव्य नर्मदा परिक्रमा की तैयारियों के अंतर्गत कल्याण मंदिर, कछियाना में वैदिक मंत्रोच्चार एवं धार्मिक विधि-



विधान के साथ आमंत्रण पत्रक का पूजन-अर्चन संपन्न हुआ। इस मांगलिक अनुष्ठान में संस्थापक पं. मनमोहन दुबे, समिति के अध्यक्ष देवेंद्र त्रिपाठी के करकमलों से पत्रक पूजन संपन्न हुआ। समिति के सचिव देवेंद्र नेमा ने बताया कि बैकुंठ चतुर्दशी पर आयोजित होने वाली यह दिव्य यात्रा जनमानस की अटूट आस्था, आध्यात्मिक चेतना एवं सनातन संस्कृति के गौरव का अनुपम प्रतीक बनेगी। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष देवेंद्र त्रिपाठी, उपाध्यक्ष मोहित तिवारी, सचिव देवेंद्र नेमा, संयोजक संजय गौतम, सह संयोजक सत्य प्रकाश नामदेव आदि उपस्थित रहे।

हिरन नदी में मिला युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस



सिहोरा (स्वतंत्र मत)। गोसलपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सिमरिया घाट में सोमवार सुबह हिरन नदी पुल के नीचे एक युवक का शव तैरता मिला। शव मिलने की खबर फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को नदी से बाहर निकलवाया। मृतक की पहचान सोनू बर्मन (30), पिता महेश बर्मन, निवासी लखनपुर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार शव करीब दो से तीन दिन पुराना था। मृतक ने काले रंग की शर्ट और पेंट पहन रखी थी। मछलियों द्वारा चेहरे को नुकसान पहुंचाने के कारण पहचान करना मुश्किल हो रहा था। तलाशी के दौरान उसके पास से मोबाइल फोन मिला, जिसके आधार पर पुलिस ने उसकी शिनाख्त की। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद उसे मृतक की बहन को सौंप दिया है। युवक नदी में किसी हादसे का शिकार हुआ या दुर्घटनावश नदी में गिरा, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

युवती से 4 साल तक शोषण और धर्मांतरण के दबाव का आरोप

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

गोहलपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत शांति नगर निवासी एक युवती ने अहमदनगर निवासी युवक पर पिछले चार वर्षों से शोषण करने और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने का गंभीर आरोप लगाया है। मामले में हिंदू धर्म सेना के हस्तक्षेप और थाने में दर्ज कराए गए विरोध के बाद गोहलपुर पुलिस ने एफआइआर दर्ज कर ली है। पीड़िता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि अहमदनगर निवासी मोहम्मद जागीर उस्मानी पिछले चार साल से उसका शारीरिक व मानसिक शोषण कर रहा था। आरोप है कि युवक उस पर लगातार मुस्लिम धर्म अपनाने और धर्मांतरण करने के लिए दबाव बना रहा था। मामले की जानकारी मिलने पर हिंदू धर्म सेना के पदाधिकारी और कार्यकर्ता पीड़िता के समर्थन में गोहलपुर थाने पहुंचे। संगठन ने पुलिस प्रशासन के समक्ष कड़ा विरोध जताते हुए तत्काल मामला दर्ज करने की मांग



की। हिंदू धर्म सेना के लगातार दबाव के बाद पुलिस ने प्रकरण पंजीबद्ध किया। संगठन ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपी के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई करने और पीड़िता को सुरक्षा व न्याय दिलाने की मांग की है। इस दौरान हिंदू धर्म सेना के संस्थापक योगेश अग्रवाल, प्रदेश अध्यक्ष नीरज राजपूत, मुकेश रजक, हेमराज उपाध्याय, संदीप चक्रवर्ती, आयुष तिवारी, शुभम रैकवार, सत्यम रजक, चतुर्भुज एवं देवेश कोस्ता सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।



टैंकर में घुसी तेज रफ्तार कार, लगी भीषण आग

जबलपुर से सिंगरौली लौट रहे थे 3 युवक, हालत गंभीर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मैहर में नेशनल हाईवे-30 पर रविवार देर रात तेज रफ्तार कार आगे चल रहे टैंकर के पिछले हिस्से में जा घुसी। टक्कर के बाद कार टैंकर के साथ लगभग 100 मीटर तक घिसटती चली गई। इसके बाद कार में आग लग गई। इस हादसे में कार सवार तीन युवक घायल हो गए। बताया जा रहा है कि यह हादसा मैहर में नेशनल हाईवे-30 पर सिमरन सरोवर होटल के पास हुआ। कार में सवार तीनों युवक जबलपुर से घूमकर अपने घर बैढ़न, सिंगरौली लौट रहे थे। टैंकर चालक ने कार को घिसटता देख वाहन रोक दिया। इसी दौरान कार में आग लग गई। तीनों युवक किसी तरह बाहर निकल आए।

पुलिस और फायर ब्रिगेड ने संभाला मोर्चा

इधर सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस बल मौके पर पहुंचे। फायर ब्रिगेड ने आग बुझाई। घायलों की पहचान विक्रमादित्य पांडेय (30), पिता रोहणी प्रसाद पांडेय; आशीष कुमार पांडेय (40), पिता हनुमान प्रसाद पांडेय और शिवेंद्र पांडेय (32), पिता सुशील कुमार पांडेय के रूप में हुई है। तीनों बैढ़न, जिला





सिंगरौली के रहने वाले हैं। पुलिस के मुताबिक तीनों घायलों को मैहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनका इलाज जारी है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।



हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**